SUPREME SUPERSPECIALITY HOSPITAL
SUPREME HEART CARE
आयुष्मान भारत (PMJAY)
महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य योजना
(MJPJAY)
और
मुख्यमंत्री वैद्यकीय सहायता निधि (CMRF)
की सुविधा अब सुप्रीम हॉस्पिटल गोंदिया में उपलब्ध
अधिक जानकारी के लिए कॉल करें..
Vivekanand Colony, Hadditoli Gondia (Maharashtra) 441601
www.supremehospital.org
0718223221, 7378738884
7507716433, 8624920084

बालाघाट म.प्र. से प्रकाशित एवं बालाघाट, सिवनी (म.प्र.) एवं गोंदिया भंडारा (महा.) मे एक साथ प्रसारित हिन्दी दैनिक..

# जग प्रेरणा

बालाघाट - 05 जून 2026 | दिन - शुक्रवार | वर्ष-14 वां | पृष्ठ - 12 | अंक - 128 | मूल्य - 5 रुपये

7 Years OF HEALTH, HOPE & HEALING
SAHAYOG HOSPITAL
निःशुल्क एंजियोग्राफी शिविर
6 मार्च – 30 जून 2026
आयुष्मान भारत योजना (PMJAY) एवं MJPJAY के अंतर्गत निःशुल्क एंजियोप्लास्टी की सुविधा उपलब्ध
91 8888 001 426 / 07182 250006 / 07

● बालाघाट ● वारासिवनी ● कटंगी ● बैहर ● मलाजखंड ● लांजी ● किरनापुर ● परसवाड़ा ● लालबर्रा ● गोंदिया - भंडारा ● तिरोड़ा ● आमगांव ● गोरेगांव ● सालेकसा ● देवरी ● साकोली

...और दिखाओ...और दिखाओ
और दिखाओ...और दिखाओ...!!!
...खुबसुरत साड़ियों के लिए तो सिर्फ...यहींच...संभव
बरकरार रखों
चुनने का मजा...
मो. 9325481081
9423113147
पंकज
खास साड़ियों का खास संग्रह
गोंदिया

## राज्यसभा चुनाव के लिये भाजपा ने 11 और कांग्रेस ने खरगे संहित 7 उम्मीदवारों की घोषणा की..

### भाजपा की सूची में बिट्टू और कुरियन सूची में शामिल नहीं

नई दिल्ली, (भाषा)।

***भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पांच राज्यों में आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को 11 उम्मीदवारों की सूची जारी की। पार्टी ने अपने राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ को मध्यप्रदेश में और सतीश पूनिया को राजस्थान में चुनाव मैदान में उतारा है, जबकि केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और जॉर्ज कुरियन***

के नाम सूची में शामिल नहीं हैं। बिट्टू राजस्थान से राज्यसभा सदस्य हैं, जबकि कुरियन संसद के उच्च सदन में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हैं। दोनों का राज्यसभा कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है। इन दोनों मंत्रियों को दोबारा नामांकित न किए जाने और हर्ष मल्होत्रा को हाल में दिल्ली भाजपा का अध्यक्ष बनाए जाने के बाद मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलें तेज हो गई हैं। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का राज्यसभा कार्यकाल भी नवंबर में समाप्त हो रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव चुघ पंजाब से ताल्लुक रखते हैं और वर्तमान में जम्मू-कश्मीर में पार्टी से जुड़े मामलों के प्रभारी हैं। वहीं, राजस्थान भाजपा के पूर्व अध्यक्ष पूनिया पार्टी के हरियाणा मामलों के प्रभारी हैं। उन्हें 2023 में राजस्थान विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। उम्मीदवारों की सूची जारी करने वाली भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने ओडिशा में राज्यसभा चुनाव के लिए देबाशीष सामंतराय को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। सामंतराय हाल में बीजू जनता दल (बीजद) छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। उन्होंने राज्यसभा की सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया था। सूची के मुताबिक, राज्यसभा चुनाव में राजुभाई शुक्ला, मुकेशभाई राठवा, मानसिंह परमार और जितेंद्र मेघजीभाई कंजरिया गुजरात से पार्टी के उम्मीदवार होंगे, जबकि रजनीश अग्रवाल मध्यप्रदेश से मैदान में उतरेंगे। सूची के अनुसार, भाजपा की राष्ट्रीय सचिव और दिल्ली मामलों की प्रभारी अलका गुर्जर राजस्थान में भाजपा उम्मीदवार के तौर पर राज्यसभा चुनाव लड़ेंगी। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की ओर से जारी सूची के मुताबिक, मणिपुर में ए शारदा देवी और अरुणाचल प्रदेश में ताई तागाक राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा के उम्मीदवार होंगे। अरुणाचल प्रदेश, गुजरात, मध्यप्रदेश, राजस्थान और मणिपुर सहित 10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीट पर चुनाव के लिए मतदान 18 जून को होगा। उसी दिन महाराष्ट्र, तमिलनाडु और ओडिशा की एक-एक राज्यसभा सीट पर उपचुनाव के लिए भी वोट डाले जाएंगे। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि आठ जून है।

### कांग्रेस की सूची मे खरगे, मीनाक्षी संहित यह है नाम..

कांग्रेस ने राज्यसभा चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को अपने सात उम्मीदवारों की घोषणा की, जिनमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का नाम सबसे प्रमुख है। पार्टी की ओर से जारी उम्मीदवारों की सूची के अनुसार, कांग्रेस ने कर्नाटक से खरगे, पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा और मंसूर अली खान को टिकट दिया है। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश से पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन को उम्मीदवार बनाया है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का राज्यसभा का कार्यकाल इसी महीने खत्म हो रहा है, उन्होंने पहले ही राज्यसभा नहीं जाने की अपनी इच्छा जाहिर कर दी थी। पार्टी ने राजस्थान से राज्यसभा सदस्य नीरज डांगी को एक बार फिर उम्मीदवार बनाया है। तमिलनाडु से प्रवीण चक्रवर्ती को टिकट दिया है। वह वर्तमान में एआईसीसी के दो प्रकोष्ठों 'प्रोफेशनल कांग्रेस' और प्रोद्यौगिकी एवं डेटा विभाग के प्रमुख हैं। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के साथ कांग्रेस का गठबंधन कराने में उनकी अग्रणी भूमिका मानी जाती है। टीवीके प्रमुख और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफविजय ने अन्नाद्रमुक के राज्यसभा सदस्य सी.वी. षणमुगम के इस्तीफे के बाद खाली हुई सीट कांग्रेस को देने की बुधवार को घोषणा की। कांग्रेस ने अपने राष्ट्रीय सचिव प्रणव झा को झारखंड से उम्मीदवार बनाया है। झा मूल रूप से झारखंड के निवासी हैं।

## गोंदिया में आत्मसमर्पित माओवादी गोलू और संगीता का हुआ विवाह, शुरू किया नए जीवन का सफर..

जगप्रेरणा गोंदिया।

***हाल ही में गोंदिया जिले में कुल 15 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, जिन्हें पुलिस मुख्यालय, कारंजा (गोंदिया) स्थित पुलिस कॉलोनी में रखा गया है। इन आत्मसमर्पित सदस्यों में से पांडू पुसू वड्डे उर्फगोलू और सैवंती रायसिंग पंधरे उर्फसंगीता ने जीवनभर साथ रहने का निर्णय लेते हुए विवाह बंधन में बंध गए।***

इस विवाह को पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे की अनुमति से पुलिस मुख्यालय में ही संपन्न कराया गया। दूल्हा पांडू पुसू वड्डे (37 वर्ष), निवासी तिरलागढ़, तहसील पखांजूर, जिला कांकेर (छत्तीसगढ़), माओवादी संगठन में 'गोलू' के नाम से जाना जाता था। वह सीपीआई (माओवादी) संगठन में दर्रेकसा एरिया में डिविजनल कमेटी सदस्य के रूप में कार्यरत था। दुल्हन सैवंती रायसिंग पंधरे (36 वर्ष), निवासी राशीमेटा, तहसील बैहर, जिला बालाघाट (मध्य प्रदेश), माओवादी संगठन में 'संगीता' के नाम से जानी जाती थी। वह दर्रेकसा एरिया कमेटी में एरिया कमेटी सदस्य के रूप में कार्यरत थी। कई वर्षों तक हिंसा, संघर्ष और अनिश्चितता भरे जीवन के बाद, दोनों ने 28 नवंबर 2025 को गोंदिया पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का साहसिक निर्णय लिया। सम्मानजनक जीवन जीने, परिवार बसाने और शांतिपूर्ण भविष्य बनाने की उनकी इच्छा इस निर्णय के पीछे थी। यह विवाह केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि हिंसा पर शांति, भय पर विश्वास और निराशा पर आशा की जीत का प्रतीक है। परिवार, रिश्तेदारों, स्थानीय नागरिकों और पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न यह समारोह पुनर्वास, स्वीकार और नए जीवन की शुरुआत का प्रेरणादायक उदाहरण बना। सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास योजना के तहत इन पूर्व माओवादियों के आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, बैंक खाते और अन्य आवश्यक दस्तावेज तैयार किए जा रहे हैं। साथ ही उन्हें रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण देकर समाज की मुख्यधारा में शामिल करने की प्रक्रिया जारी है। पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे की संकल्पना तथा प्रभारी पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे के मार्गदर्शन में आयोजित यह विवाह समारोह परिवर्तन और नए जीवन की शुरुआत का प्रतीक बना। यह घटना सरकार की पुनर्वास नीति के सफल क्रियान्वयन का जीवंत उदाहरण है। यह प्रेरणादायक घटना अब भी जंगलों में सक्रिय माओवादी सदस्यों के लिए एक सकारात्मक संदेश है कि हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण करने पर उन्हें भी सुरक्षित, सम्मानजनक और खुशहाल जीवन का अवसर मिल सकता है। पूरा विवाह समारोह शांतिपूर्ण वातावरण में पुलिस मुख्यालय, कारंजा (गोंदिया) के सभागार में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

## महाराष्ट्र एमएलसी चुनाव में भाजपा महायुति गठबंधन की पांच सीटों पर निर्विरोध जीत तय

मुंबई, (भाषा)।

***इस महीने होने वाले महाराष्ट्र विधान परिषद चुनावों में सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की 17 सीटों में से पांच सीटें निर्विरोध जीतने की संभावना है, क्योंकि इन निर्वाचन क्षेत्रों में विपक्षी उम्मीदवारों ने बृहस्पतिवार को समय सीमा समाप्त होने से पहले अपना नामांकन वापस ले लिया। कांग्रेस ने***

बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में भाजपा नीत सत्तारूढ़ 'महायुति' गठबंधन विपक्षी उम्मीदवारों को 18 जून को होने वाले विधान परिषद चुनावों से हटने के लिए ''करोड़ों रुपये'' की पेशकश कर रहा है। निर्विरोध चुने जाने वालों में रायगढ़-रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग निर्वाचन क्षेत्र से राकांपा के अनिकेत तटकरे, ठाणे से शिवसेना के उम्मीदवार रवींद्र फाटक, यवतमाल से शिवसेना के दुष्यंत चतुर्वेदी, वर्धा-चंद्रपुर-गढ़चिरौली निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के अरुण लखानी और पुणे से राकांपा उम्मीदवार विक्रम काकडे शामिल हैं। एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम कोंकण सीट से शिवसेना (उबाठा) के उम्मीदवार बाल माने का नामांकन वापस लेना था। माने ने भाजपा नेता एवं मंत्री नितेश राणे की उपस्थिति में अपना नामांकन वापस लिया, जिसके बाद उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी ने उन्हें दल-विरोधी गतिविधियों के लिए निलंबित कर दिया। पुणे में, राकांपा (शप) के उम्मीदवार श्रीकांत पाटिल ने अपना नामांकन वापस ले लिया और दावा किया कि उन्होंने ऐसा पार्टी प्रमुख शरद पवार के निर्देश पर किया है। पाटिल ने यह भी कहा कि प्रतिद्वंद्वी राकांपा प्रमुख और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने उनसे बात की थी। पाटिल के नामांकन वापस लेने से काकडे के निर्विरोध चुनाव का रास्ता साफहो गया। कांग्रेस के स्थानीय नेताओं ने पाटिल के इस कदम की आलोचना की। महाराष्ट्र विधान परिषद की औरंगाबाद-जालना सीट से शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की उम्मीदवार देवयानी पाटील डोणगांवकर द्वारा बृहस्पतिवार को अपना नामांकन वापस लिए जाने के बाद पार्टी ने उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया। पार्टी ने उनके पति कृष्ण पाटिल डोणगांवकर को भी निष्कासित कर दिया है।

## जम्मू-कश्मीर : बादल फटने से रियासी में अचानक आई बाढ़, कई मकान क्षतिग्रस्त

जम्मू, (भाषा)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के पहाड़ी बाथोई इलाके में बृहस्पतिवार शाम बादल फटने से आई अचानक बाढ़ के कारण कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जम्मू क्षेत्र में पिछले तीन दिनों में बादल फटने की यह पांचवीं घटना है। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के तीन जिलों - डोडा, किश्तवाड़ और पुंछ में बादल फटने की चार घटनाएं हुईं, जिससे कई इलाकों में अचानक बाढ़ आ गई और सड़कें अवरुद्ध हो गईं, हालांकि जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। महोरे उपमंडल के बाथोई इलाके में बादल फटने से अचानक पानी और मलबा रिहायशी इलाकों में घुस गया। अधिकारियों ने बताया कि अचानक आई बाढ़ से कई घर जलमग्न हो गए, घरेलू सामान क्षतिग्रस्त हो गया और निवासियों में दहशत फैल गई। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय प्रशासन और बचाव दल प्रभावित क्षेत्र में तुरंत पहुंचे और बचाव एवं राहत अभियान शुरू किया। रियासी के जिला विकास आयुक्त (डीडीसी) ने कहा कि बादल फटने के कारण गांव के कई घरों में पानी और मलबा घुस गया।उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि उन्होंने बादल फटने के बाद की स्थिति का आकलन करने के लिए रियासी के उपायुक्त से बात की है।

### आवश्यकता है..

बालाघाट शहर के प्रसिद्ध गपशप रेस्टॉरेंट (केशर प्लाजा कॉम्पलेक्स, हनुमान चौक बालाघाट) में वेटर एवं हेल्पर की आवश्यकता है। संपर्क करें.. मो. 9301210805, 7000671780

SARDAR PATEL UNIVERSITY
BALAGHAT (M.P.)
ADMISSION OPEN 2026-27
ENGINEERING
POLYTECHNIC
B.TECH | M.TECH
Part Time /Full Time | AICTE Approved
• Civil Engg.
• Mechanical Engg.
• Electrical Engg.
• Mining Engg.
• Computer Sc. & Engg.
• Mining & Mine Surveying
छात्रवृत्ति SC/ST/OBC
B.Tech. (AI & ML)
100% Job Oriented Program
PHARMACY
PCI Approved
• D. PHARMACY
• B. PHARMACY
• M. PHARMACY
Pharmacology /Pharmaceutics
MBA PHARMACEUTICAL MANAGEMENT
AGRICULTURE
• B.Sc. (Hons.) • M.Sc.(Ag.)
• B.Tech (Agril) • Diploma
ABM AGRI BUSINESS MANAGEMENT
LAW
• B.A. LL.B.
• LL.B. • LL.M.
BCI Approved
MANAGEMENT
• BBA (Hons.) • MBA • BHM
BAMS SARDAR PATEL AYURVEDIC MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL
BHMS S.M. DEO HOMOEOPATHIC MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL
कैम्पस : वारासिवनी रोड, डोंगरिया, बालाघाट (म.प्र.)
9174192111, 9174202111, 9174212111

SONO VIEW
DR. GHANSHYAM M. TURKAR
M.B.B.S., M.D., D.N.B., M.N.A.M.S.
Diplomate of National Board
Radiologist, Sonologist & Imagiologist
DR. PADMINI TURKAR
M.B.B.S., D.C.H.
बालरोग एवं नवजात शिशु विशेषज्ञ
SONOGRAPHY | X-RAY | CT SCAN | MRI CENTER
FACILITIES AVAILABLE
SONOGRAPHY
■ Color Doppler ■ Power Doppler Imaging
■ B-flow Imaging ■ Tissue Harmonic Imaging
■ Transrectric & TV Sonography
■ Pediatric Sonography ■ Orbital Sonography
■ Breast, Thyroid, Scrotal Sonography
■ Neonatologist Neurosonogram
■ 2 D Echo Cardiography ■ Foetal Echo
■ Whole Body Ct Scan ■ Digital X-ray Digital Radiography System ■ M.R.I.
DIGITAL X-RAY
● 2D, 3D/4D High Resolution Sonography
● 2D Echo
● Colour Doppler
● Siemens Germany Multislice/Spiral High Resolution CT Scan
● M.R.I.
राष्ट्रीय क्षयरोग दुरीकरण कार्यक्रम अंतर्गत मुफ्त सोनोग्राफी, एक्स रे, सी.टी. स्कैन व एम.आर.आई. क्लिनिक
तुरकर SONOGRAPHY, X-RAY, C.T. SCAN, M.R.I. क्लिनिक
सिव्हिल लाईन, गोंदिया फोन - 07182-231149, 234198, 236391
E-mail : sonoview@gmail.com
SONOGRAPHY C.T./M.R.I.

क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100/- प्रतिदिन..
जगप्रेरणा में क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100 /- प्रतिदिन मे, संपर्क करे.. मो. 9329033433

आयुर्वेद, पंचकर्म
स्पाईन एंड जॉईन्ट केअर सेंटर
डॉ. अपर्णा खोब्रागडे B.A.M.S., M.D. (Nashik)
आयुर्वेद पंचकर्म व पाँचभौतीक विशेषज्ञ
7620340356
ऑर्थो केअर -
पिठदर्द, कमरदर्द, घुटनों में दर्द, गर्दन दर्द, रिढ़ की हड्डी में गॅप आना, हाथ पांव में झुनझुनी आना आदि रोगों का आयुर्वेद द्वारा सफल ईलाज।
SPINE & JOINT CARE BY ADVANCE AYURVED PANCHAKARMA
• Cervical Spondylysis
• Slip Disc
• Spinal Cord Stenosis
• Lumber Spondylysis
• Knee Joint Care
आयुर्वेद द्वारा सौंदर्य चिकित्सा
• असमय बालों का झडना व सफेद होना
• चेहरे के काले दाग व पिंपल्स
स्त्रीरोग, त्वचाविकार,पेट के विकार आदि रोगों की आयुर्वेदिक चिकित्सा का विशेष अनुभव
सुश्रुत प्रोक्टो आयुर्वेदा
साकेत पब्लिक स्कुल रोड, गणेश नगर, गोंदिया 07182-796738

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
हसीब मोहम्मद सिवनी
मो. 7898530101

जग प्रेरणा
जिला सिवनी
● अरी ● गंगेरुआ ● बरघाट ● लखनादौन ● छपारा ● केवलारी

विज्ञापन आमंत्रित है.. संपर्क - 9329033433

# कल धनौरा में गोंगपा का विशाल धरना प्रदर्शन

## खाद की किल्लत और पोर्टल की धांधली को लेकर सौंपेंगे ज्ञापन..

बलजीत सिंह जगप्रेरणा धनौरा।

**जगप्रेरणा धनौरा।**

***क्षेत्र के किसानों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं और कृषि व्यवस्था में व्याप्त अनियमितताओं को लेकर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (गोंगपा) ने अब***

आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। गोंगपा ब्लॉक धनौरा एवं किसान संघ विकास खंड धनौरा के तत्वाधान में कल 6 जून 2026, दिन शनिवार को स्थानीय रानी दुर्गावती चौक (ग्राम पंचायत भवन के पास, धनौरा) में एक दिवसीय विशाल किसान आंदोलन एवं धरना प्रदर्शन का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान महामहिम राज्यपाल, माननीय मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री मध्य प्रदेश शासन के नाम एक शिकायती ज्ञापन भी सौंपा जाएगा।

### टोकन व्यवस्था ठप और पोर्टल की खामियों से परेशान हैं अन्नदाता..

गोंगपा पदाधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में क्षेत्र का किसान कई गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। यूरिया और डीएपी खाद का पर्याप्त स्टॉक न होने के कारण सर्वर से टोकन जनरेट नहीं हो रहे हैं, जिससे किसानों को अपना काम-धाम छोड़कर प्रतिदिन धनौरा के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। इसके अलावा, किसानों की फार्मर आईडी पोर्टल में भारी अनियमितता है। ई-टोकन रजिस्ट्रेशन ठप है, अधिकतर किसानों के खसरा नंबर पोर्टल पर दर्ज नहीं हैं, और कई किसानों के पूर्ण केवाईसी होने के बावजूद पोर्टल पर 'केवाईसी उपलब्ध नहीं है' जैसी तकनीकी त्रुटियां दिखाई जा रही हैं। इन समस्याओं के कारण रोजाना किसानों को पटवारी, तहसील कार्यालय और ऑनलाइन दुकानों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं।

### दोगुने दामों पर खाद बेचने और उग्र आंदोलन की चेतावनी..

ज्ञापन के माध्यम से यह मांग भी उठाई जाएगी कि निजी कृषि केंद्रों द्वारा शासन से निर्धारित मूल्य से दोगुने दाम पर डीएपी और यूरिया खाद बेची जा रही है, जिस पर तुरंत जांच कर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। खरीफ सीजन की बोनी शुरू होने वाली है, लेकिन खाद की उपलब्धता न होने से किसान हताश हैं। गोंगपा ने शासन-प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि किसानों की इन मूल समस्याओं का 3 दिन के भीतर निराकरण नहीं किया गया, तो आगामी 8 जून 2026 दिन सोमवार से क्षेत्र के किसानों द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी मध्य प्रदेश शासन और स्थानीय प्रशासन की होगी।

### वरिष्ठ नेताओं और जन प्रतिनिधियों की रहेगी उपस्थिति..

इस विशाल धरने में मुख्य अतिथि के रूप में तिरू. रामगुलाम उइके (पूर्व विधायक घंसौर), तिरू. प्रेमशाह सल्लराम (प्रांतीय धर्माचार्य), तिरू. घूरसिंह सल्लराम (जिला पंचायत सदस्य सिवनी) और तिरू. गुलाब सिंह भलावी (अध्यक्ष जनपद पंचायत धनौरा) उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम का नेतृत्व ब्लॉक अध्यक्ष तिरू. प्रेमसिंह सल्लराम, उपाध्यक्ष तिरू. राजेन्द्र परते, संरक्षकगण तिरू. अर्जुन सिंह उड़के, तिरू. हरिश्चंद्र उड़के, तिरू. जहान सिंह मर्सकाले, सचिव तिरू. खेरसिंह कुमरे और कोषाध्यक्ष तिरू. बसंत कुमरे द्वारा किया जाएगा। आयोजक मंडल ने क्षेत्र के समस्त किसान बंधुओं, मजदूर संघ और नागरिक जनों से अधिक से अधिक संख्या में धनौरा पहुंचकर आंदोलन को सफल बनाने की अपील की है।

# स्वच्छता अभियान की उड़ी धज्जियां: कान्हीवाड़ा अस्पताल के पास गंदगी का अंबार, पंचायत मौन

## प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की बाउंड्री वॉल बनी डंपिंग ग्राउंड, इलाज कराने आ रहे मरीज हो रहे और बीमार..

**जगप्रेरणा कान्हीवाड़ा।**

एक तरफ सरकार देश और प्रदेश में स्वच्छता अभियान के नाम पर हर साल लाखों-करोड़ों रुपए पानी की तरह बहा रही है, वहीं दूसरी तरफ जमीनी स्तर पर जिम्मेदार जनप्रतिनिधि और अधिकारी इस अभियान की सरेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं। ऐसा ही एक शर्मनाक नजारा विकासखंड के कान्हीवाड़ा मुख्यालय में देखने को मिल रहा है, जहाँ स्थानीय ग्राम पंचायत की घोर लापरवाही के चलते प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर के आसपास गंदगी का साम्राज्य स्थापित हो चुका है।

### अस्पताल के द्वार पर कचरे का ढेर, संक्रमण का खतरा..

क्षेत्र के मुख्य चिकित्सा केंद्र यानी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कान्हीवाड़ा की बाउंड्री वॉल के समीप इन दिनों कचरों और गंदगियों का भारी अंबार लगा हुआ है। अस्पताल, जहाँ लोग स्वस्थ होने और बीमारियों से निजात पाने आते हैं, उसके ठीक बाहर बदबू मारता कचरा और सड़ रहा वेस्ट मटेरियल ग्राम पंचायत की कार्यप्रणाली को मुंह चिढ़ा रहा है। स्थिति यह हो चुकी है कि अस्पताल आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को मुंह पर कपड़ा रखकर भीतर जाना पड़ता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यहाँ फैली गंदगी के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे अस्पताल में भर्ती मरीजों को दोहरा संक्रमण (इंफेक्शन) होने का खतरा पैदा हो गया है।

### विपक्ष और ग्रामीणों में भारी आक्रोश, शिकायतों का असर नहीं

इस अव्यवस्था को लेकर ग्राम पंचायत के विपक्ष और स्थानीय जागरूक नागरिकों ने पंचायत प्रशासन के खिलाफमोर्चा खोल दिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस संबंध में ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव को कई बार लिखित व मौखिक रूप से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन पंचायत का ध्यान इस ओर बिल्कुल नहीं है। विपक्ष का सीधा आरोप है कि ग्राम पंचायत सिर्फकागजों पर स्वच्छता अभियान चला रही है। मुख्यालय के सबसे संवेदनशील स्थान यानी अस्पताल के पास ही जब सफाई नहीं हो पा रही है, तो पूरे गांव की स्थिति का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। यह सीधे तौर पर आम जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है।

### जिम्मेदार बेपरवाह, उठ रही कार्रवाई की मांग..

बरसात का मौसम नजदीक आते ही यदि इस कचरे के ढेर को यहाँ से नहीं हटाया गया, तो यह पूरी बाउंड्री वॉल क्षेत्र महामारी का केंद्र बन सकता है। इसके बावजूद ग्राम पंचायत की इस 'कुंभकर्णी नींद' और निष्क्रियता से ग्रामीणों में भारी आक्रोश पनप रहा है। क्षेत्र की जनता ने अब जिला प्रशासन और जनपद पंचायत के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराई जाए और लापरवाही बरतने वाले पंचायत जिम्मेदारों पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

# हम सब दे सकते हैं वृक्षों को जीवन, नालियों में लगे वृक्षों को क्यारी में लगा रहे शिक्षक..

**जगप्रेरणा सिवनी।**

***ईश्वर ने दुनिया में सब को जीने का अधिकार दिया है चाहे वह इंसान हो या फिर वृक्ष लेकिन हम भूल जाते हैं कि वह वृक्ष जिस जिस पर हमारा जीवन निर्भर है।***

अगर यह ना हो तो हमारा जीवन संभव नहीं है लेकिन यह जानते हुए भी लोग नादानी करने में बाज नहीं आते हैं अक्सर देखा जाता है कि नालियों के किनारे वृक्ष उठ जाते हैं और देखरेख के अभाव में यह वृक्ष मृत हो जाते हैं इनकी शुद्ध लेने वाला कोई नहीं है हाल ही में नेताजी सुभाष चंद्र बोस हायर सेकेंडरी शाला शिवानी के प्रकृति प्रेमी शिक्षक यदुराज उईके गणेश गौतम द्वारा नदियों में लगे हुए वृक्षों को सहेज कर उन्हें जीवन देने का काम किया जा रहा है निश्चित ही उनका यह कार्य अनुकरणिय ही नहीं, सराहनीय भी है। आमतौर पर लोग पर्यावरण दिवस पर पेड़ों के पास खड़े होकर सेल्फी लेते हैं या फिर पौधों को रोपित करते हैं लेकिन इसके बाद भी उन पौधों को ना तो कभी देखने जाते हैं और ना ही उन पौधों की देखभाल करते हैं ऐसे में हमारा पर्यावरण दिवस मनाना किस काम का, हम ना लगाये सौ, 200 पौधे, मात्र 5,10 पौधे ही लगाये और उसकी वर्ष भर सेवा करें। इस कार्य में प्राचार्य राजेश्वरी धुर्वे, अनिल पलवार, रिचा सनोदिया पूजा पांडे सहित अनेक लोग शामिल है।

# शिक्षक ने की छात्रा के साथ छेड़छाड़, आरोपी शिक्षक कृष्णाकुमार नायक गिरफ्तार

**जगप्रेरणा सिवनी।**

***जिले के बंडोल थाना अंतर्गत ग्राम बखारी के सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक नाबालिग छात्रा के साथ शिक्षक द्वारा छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार***

आरोपी उच्च माध्यमिक शिक्षक कृष्ण कुमार नायक ने स्कूल परिसर में कक्षा नौवीं की एक छात्रा के साथ अनुचित व्यवहार किया, जिससे विद्यालय का पवित्र गुरु-शिष्य संबंध दागदार हो गया। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जो पूरे मामले को और गंभीर बना रहा है।

पुलिस ने बताया कि पीड़िता स्कूल में द्वितीय अवसर की पूरक परीक्षा का प्रवेश पत्र लेने आई थी। साथ ही उस वक्त स्कूल परिसर सूनसान था और यही मौका आरोपी ने लाभ उठाते हुए छात्रा के साथ छेड़छाड़ की। छात्रा ने परिजनों को आपबीती बताई तब छात्रा की बात सुनकर परिजनों ने तत्काल बंडोल थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के साथ स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी पुलिस को दिखाई गई, जिसमें घटना का एक बड़ा भाग रिकॉर्ड हुआ है।

तत्काल कार्रवाई करते हुए बंडोल पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कृष्णकुमार नायक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे संवेदनशील एवं गंभीर प्रकृति की धाराओं के साथ-साथ बाल सम्बन्धी अपराधों के लिए बनाए गए पॉक्सो (POCSO) एक्ट के तहत पंजीबद्ध कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपी को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर न्यायालय में पेश किया गया है, जहां आगे की सुनवाई की जाएगी।

वारदात का सीसीटीवी फुटेज वायरलपुलिस अधिकारी ने मीडिया को बताया कि सीसीटीवी फुटेज और पीड़िता के बयान मामले की सुनियोजित जांच में अहम सबूत हैं। उन्होंने कहा कि आरोप की गंभीरता को देखते हुए आरोपित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और पीड़िता की सुरक्षा व मनोवैज्ञानिक सहायता सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। परिवार को मदद व संरक्षण देने के लिए स्थानीय प्रशासन से भी समन्वय किया जा रहा है।

### छात्राओं की सुरक्षा पर नई बहस शुरू..

स्थानीय ग्रामीणों और अभिभावकों में यह खबर आग की तरह फैल गई है और लोग सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे हैं। विद्यालय प्रबंधन ने फिलहाल टिप्पणी करने से इनकार किया है और कहा है कि घटना की जांच के बाद ही वह विस्तृत बयान देगा। इस मामले ने क्षेत्र में स्कूलों में सुरक्षा कैमरों, निगरानी और छात्राओं की सुरक्षा पर नई बहस छेड़ दी है। अधिकारियों ने कहा कि उजागर मामले का निष्पक्ष और शीघ्र निष्कर्ष निकालने का प्रयास किया जा रहा है ताकि दोषियों को दंडित किया जा सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

सिवनी मे जगप्रेरणा समाचार पत्र के लिये संपर्क करे.. हसीब मोहम्मद 7898530101

# खाद संकट पर कांग्रेस का हमला: किसानों के साथ छल कर रही भाजपा सरकार - फिरोज खान

## यूरिया-डीएपी के लिए लाइन में परेशान किसान, कई स्थानों पर विवाद और मारपीट की स्थिति..

**जगप्रेरणा सिवनी।**

जिले में लगातार गहराते खाद संकट को लेकर कांग्रेस नेता फिरोज खान ने भाजपा सरकार और प्रशासन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार एक ओर किसानों के हितैषी होने का दावा करती है, जबकि दूसरी ओर किसान खाद के लिए घंटों लाइन में खड़े रहने को मजबूर हैं। कई स्थानों पर किसानों के बीच विवाद और मारपीट जैसी स्थिति बन रही है, जो प्रशासनिक विफलता को दर्शाती है। फिरोज खान ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि जिले में यूरिया और डीएपी खाद की भारी कमी बनी हुई है। किसान सुबह से देर रात तक समितियों और वितरण केंद्रों के बाहर कतारों में खड़े हैं, इसके बावजूद उन्हें खाद नहीं मिल पा रहा। कई किसानों की कूपन तिथि निकल जा रही है और उन्हें बार-बार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। लगातार इंतजार और अव्यवस्था के कारण किसान बेहोश तक हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केवल कागजों और भाषणों में पर्याप्त खाद उपलब्ध होने का दावा कर रही है, जबकि जमीनी स्थिति पूरी तरह विपरीत है। खरीफसीजन के महत्वपूर्ण समय में किसानों को खाद के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है, जिससे खेती और उत्पादन दोनों प्रभावित हो रहे हैं। फिरोज खान ने कहा कि भाजपा ने किसानों की आय दोगुनी करने, धान का समर्थन मूल्य 3100 रुपये और गेहूं का समर्थन मूल्य 2700 रुपये देने सहित सिंचाई और खाद की पर्याप्त व्यवस्था का वादा किया था, लेकिन आज किसान खुद को ठगा महसूस कर रहा है। सरकार की कथनी और करनी में जमीन-आसमान का अंतर दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में किसान आर्थिक संकट, मानसिक तनाव और प्रशासनिक उपेक्षा का सामना कर रहा है। खाद वितरण व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है और सरकार किसानों की समस्याओं के समाधान के बजाय केवल प्रचार में व्यस्त है। कांग्रेस नेता ने मांग की कि जिले में तत्काल पर्याप्त मात्रा में यूरिया और डीएपी उपलब्ध कराया जाए, वितरण केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाए तथा किसानों को बिना परेशान किए पारदर्शी तरीके से खाद उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो कांग्रेस किसानों के साथ मिलकर आंदोलन करेगी।

# अवैध शराब के विरुद्ध सिवनी पुलिस का सघन अभियान..

### 11 आरोपी गिरफ्तार, 62 लीटर शराब जप्त..

**जगप्रेरणा सिवनी।**

***पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा के मार्गदर्शन में सिवनी पुलिस द्वारा अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने हेतु विशेष अभियान चलाया गया।***

अभियान के दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34ए के तहत कुल 11 प्रकरण थाना कोतवाली द्वारा पंजीबद्ध कर निम्न आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। शेख सलीम, पिता शेख जब्बार, उम्र 51 साल, निवासी छोटी मस्जिद के पास, सिवनी, राजू यादव, पिता सुखचंद यादव, उम्र 60 साल, निवासी संजय वार्ड, पानी टंकी के पास, सिवनी, सुरेन्द्र यादव, पिता बालकिशन यादव, उम्र 30 साल, निवासी मोहगांव, लखनवाड़ा, राजू यादव, पिता देवचंद यादव, उम्र 35 साल, निवासी डोरली, छतरपुर, डूण्डासिवनी, यशवंत सरयाम, पिता फूलचंद सरयाम, उम्र 27 साल, निवासी लूघरवाड़ा, सिवनी, रविन्द्रसिंह डेहरिया, पिता मेहरूलाल डेहरिया, उम्र 40 साल, निवासी लडैया मोहल्ला, विवेकानंद वार्ड, सिवनी, आशीष श्रीवास्तव, पिता मनमोहन श्रीवास्तव, उम्र 38 साल, निवासी महावीर वार्ड, सिवनी, सौरभ सोनी, पिता रतन सोनी, उम्र 30 साल, निवासी गंज वार्ड, सिवनी, रितेष यादव, पिता संजू यादव, उम्र 19 साल, निवासी पिपरिया, हथनापुर, लखनवाड़ा, अन्नीलाल उईके पिता धनीराम उईके, उम्र 32 साल, निवासी ढारिया, छपारा, सिवनी, राहुल उईके, पिता नामिलाल उईके, उम्र 26 साल, निवासी बाबटोला, छपारा, सिवनी। आरोपियों के कब्जे से 62 लीटर महुआ की हाथ भट्ठी कच्ची शराब, अनुमानित कीमत 7,200 रू. जप्त की गई।

### सराहनीय कार्य..

इस अभियान की सफलता में निरीक्षक सतीश तिवारी, उपनिरीक्षक राजेश शर्मा, डालचंद ग्याराशिया, एएसआई संतोष बेन, प्रमोद मालवी, प्रधान आरक्षक चंद्रप्रकाश अडमे, कमलेश बागड़े, आर. सिद्धार्थ दुबे, प्रदीप चौधरी, मुकेश चौरिया, अंकित देशमुख, मिथलेश ऊईके, प्रतीक बघेल का सराहनीय योगदान रहा।

# सड़क हादसे में बाल-बाल बचे विधायक योगेंद्र सिंह (बाबा)..

**जगप्रेरणा सिवनी।**

जिले के लखनादौन विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक योगेंद्र सिंह (बाबा) रविवार को एक सड़क हादसे में बाल-बाल बच गए। उनकी स्कॉर्पियो वाहन राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर धूमा थाना क्षेत्र के बंजारी स्थित हर्बल गार्डन एवं हाईस्कूल के सामने अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा कितना जबरदस्त था कि वाहन में आग लग गई और देखते ही देखते पूरी स्कॉर्पियो धू-धू कर जलकर राख हो गई। हालांकि राहगीरों और ग्रामीणों की मदद समय रहते विधायक और उनके गैन मेन व चालक को वहां से निकाल दिया गया एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया ।

### जबलपुर से घुरवाड़ा जा रहे थे विधायक

प्राप्त जानकारी के अनुसार विधायक योगेंद्र सिंह बाबा सुबह भोपाल से ट्रेन द्वारा जबलपुर पहुंचे थे। वहां से वे अपनी स्कॉर्पियो में सवार होकर लखनादौन विधानसभा क्षेत्र के अपने निवास स्थान घुरवाड़ा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान ह॥-44 फोरलेन पर धूमा थाना क्षेत्र के बंजारी हाईस्कूल के सामने अचानक एक गाय सड़क पर आ गई। चालक ने पशु को बचाने का प्रयास किया, जिससे वाहन का संतुलन बिगड़ गया और स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित हाईस्कूल की बाउंड्रीवाल से जा टकराई।

### टक्कर के बाद कार में लगी आग..

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कूल की बाउंड्रीवॉल और गाड़ी की टक्कर इतनी तेज थी कि दुर्घटना के तुरंत बाद वाहन में आग लग गई। आग तेजी से फैल गई और कुछ ही मिनटों में पूरी स्कॉर्पियो उसकी चपेट में आ गई। वाहन से धुआं और लपटें उठती देख आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचा।

### विधायक, गनमैन और चालक को आई हल्की चोटें..

हादसे के समय वाहन में विधायक योगेंद्र सिंह बाबा, उनका गनमैन और चालक सवार थे। दुर्घटना के तुरंत बाद राहगीरों व ग्रामीणों की मदद से तीनों वाहन से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। विधायक को मामूली चोटें आई हैं, जबकि गनमैन और चालक को भी हल्की चोटें बताई जा रही हैं। सभी घायलों को तत्काल एंबुलेंस की सहायता से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

### दुर्घटना के कारणों की जांच में जुटी पुलिस..

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सड़क पर अचानक गाय के आ जाने को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है। इस दुर्घटना में वाहन पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया, लेकिन राहत की बात यह रही कि विधायक समेत सभी सवार सुरक्षित हैं और उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। इस घटना के बाद क्षेत्र में विधायक के समर्थकों और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

न्यू लाईफ मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
डॉ. आमिर अंसारी
MBBS, MS (Gen. Surgery), FMAS, FISCP
डॉ. समरीन आमिर अंसारी
MBBS, DGO (KEM, Mumbai), FMAS
मिलने का समय
सुबह 10 से दोप. 1 बजे, शाम 4 से 7 बजे तक
विशेषज्ञ चिकित्सक सहित सुविधाएं उपलब्ध
पता- बड़ी ज्यारत डाल्डा फेक्ट्री रोड अकबर वार्ड सिवनी
मो.- 8817448039

कुंडली निर्माण, कुंडली मिलान, विवाह मुहूर्त, कुम्भ विवाह, वास्तु परामर्श, वास्तु शान्ति पूजन, पितृदोष, कालसर्प, अन्य ग्रहों की शांति पूजा एवं महामृत्युंजय अनुष्ठान, लक्ष्मी कुबेर अनुष्ठान, भैरव अनुष्ठान आदि के लिये संपर्क करें..

मार्गदर्शक
डॉ. अरविंदचन्द्र तिवारी
एसोसिएट प्रोफेसर कॉमर्स,
ज्योतिष पद्मविभूषण बालाघाट म.प्र.

ग्रहयोग भवन, नर्मदा नगर,
शिव मंदिर चौक, बालाघाट
मो. 94251-38638
94067-38800





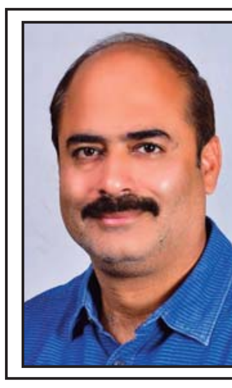
दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

मनोज सचदेव
मो. 94258-22975


## भरवेली ग्राम पंचायत में आखिरकार सरपंच अनिल बिसेन के खिलाफ हो गया अविश्वास प्रस्ताव पारित..

### 18-1 से मिली शिकस्त, पक्ष में स्वयं के अलावा नही एक भी पंच ने नही दिया समर्थन..

### अविश्वास प्रस्ताव में सफलता की खुशी में पंचों ने फोड़े पटाखे..

जगप्रेरणा बालाघाट।

***जनपद पंचायत बालाघाट अंतर्गत ग्राम पंचायत भरवेली में लंबे समय से अनेक पंच मिलकर सरपंच गीता अनिल बिसेन को पद से हटाने के लिये प्रयास कर रहे थे। सरपंच पर पंचों के अनेक आरोप थे, और पंच लामबंद भी हो रहे थे, लेकिन पूरी संख्या नहीं जुटा पाने के उनके प्रयास कमजोर हो चले थे, लेकिन***

आखिरकार 04 जून को पंचों ने पूरी एकजुटता दिखाई, और इसका परिणाम यह रहा कि केवल स्वयं का वोट ही सरपंच गीता अनिल बिसेन खुद को दे पाई, जबकि वहीं उनके खिलाफ शेष सभी 18 पंचों के वोट दिया, इस प्रकार सरपंच गीता अनिल बिसेन को पदमुक्त करने में पंच सफल हो गए। गौरतलब है कि अविश्वास प्रस्ताव को लेकर पंचायत क्षेत्र में कई दिनों से चर्चाओं का दौर चल रहा था। मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन द्वारा कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल की मौजूदगी में सम्मेलन आयोजित किया गया, जहां सभी पंचों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान से पहले दोनों पक्षों ने अपने-अपने तर्क रखे। सरपंच गीता अनिल बिसेन ने अपने कार्यकाल के दौरान पंचायत में कराए गए विकास कार्यों का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने ग्रामीणों के हित में अनेक योजनाओं को धरातल पर उतारा है और पंचायत के विकास के लिए लगातार कार्य किया है।

वहीं उप सरपंच राजेश बाहेश्वर ने सरपंच के कार्यकाल पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि विकास कार्यों के नाम पर अनियमितताएं और भ्रष्टाचार किया गया। उन्होंने कहा कि पंचायत में पारदर्शिता का अभाव रहा, जिससे पंचों और ग्रामीणों में असंतोष बढ़ा और अंततः अविश्वास प्रस्ताव की नौबत आई।

### परिणाम आते ही समर्थकों में जश्न

जैसे ही मतदान परिणाम घोषित हुआ और अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 18 मत मिलने की जानकारी सामने आई, उपसरपंच एवं विरोधी खेमे के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। पंचायत परिसर के बाहर समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर जमकर नृत्य किया और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया।

### जल्द होगा नए सरपंच का चुनाव

अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के बाद अब ग्राम पंचायत भरवेली में नए नेतृत्व के चयन की प्रक्रिया शुरू होगी। प्रशासनिक प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद पंचायत में नई बॉडी का गठन किया जाएगा तथा नए सरपंच का चुनाव कराया जाएगा। पंचायत की राजनीति में आए इस बड़े बदलाव पर पूरे क्षेत्र की नजरें टिकी हुई हैं। भरवेली पंचायत में अविश्वास प्रस्ताव का यह परिणाम जिले की पंचायत राजनीति में चर्चा का विषय बना हुआ है, जहां 18-1 के भारी अंतर से सरपंच को पद गंवाना पड़ा।

## 510 क्विंटल से अधिक धान बीज के अवैध भंडारण पर बजरंग कृषि केंद्र कोसमी के संचालक पर एफआईआर

### बजरंग कृषि केंद्र को किया गया सील..

जगप्रेरणा बालाघाट।

***किसानों के हितों की सुरक्षा और कृषि आदानों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जिले में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देश पर कृषि विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए परसवाड़ा***

तहसील के ग्राम कोसमी स्थित बजरंग कृषि केंद्र में 510 क्विंटल 79 किलोग्राम धान बीज का अवैध भंडारण पकड़ा है। मामले में किसानों के साथ धोखाधड़ी की आशंका को देखते हुए कृषि केंद्र को सील कर दिया गया है तथा संचालक के विरुद्ध विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई है। जानकारी के अनुसार 23 मई 2026 को सहायक संचालक कृषि श्री राजेश खोबरागड़े, अनुविभागीय अधिकारी कृषि परसवाड़ा श्री एस.आर. धुर्वे, बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक निरीक्षक तथा कृषि विकास अधिकारी सुश्री प्रीति पंद्राम द्वारा ग्राम कोसमी स्थित बजरंग कृषि केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान केंद्र में उपलब्ध धान बीज के स्टॉक एवं संबंधित अभिलेखों की गहन जांच की गई। जांच में पाया गया कि केंद्र के प्रोपराइटर सूरजलाल हिरवाने द्वारा निर्धारित नियमों का उल्लंघन करते हुए बड़ी मात्रा में धान बीज का भंडारण किया गया था। अधिकारियों को केंद्र में श्री सीड्स, सोमाजीगुड़ा (हैदराबाद) कंपनी का 462 क्विंटल 70 किलोग्राम तथा सीड वर्क इंटरनेशनल लिमिटेड, गोड़ावेली, मलकाजगिरी (तेलंगाना) कंपनी का 48 क्विंटल 09 किलोग्राम धान बीज अवैध रूप से भंडारित मिला। इस प्रकार कुल 510 क्विंटल 79 किलोग्राम धान बीज का नियम विरुद्ध भंडारण पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए कृषि केंद्र को सील कर दिया गया। कृषि विभाग की जांच में यह भी सामने आया कि अवैधानिक तरीके से बीज का भंडारण कर किसानों को भ्रमित करने एवं उनके साथ धोखाधड़ी किए जाने की आशंका है। मामले को गंभीरता से लेते हुए बीज निरीक्षक एवं कृषि विकास अधिकारी सुश्री प्रीति पंद्राम ने 4 जून 2026 को परसवाड़ा थाना पहुंचकर बजरंग कृषि केन्द्र के संचालक सूरजलाल हिरवाने के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर परसवाड़ा पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 314(4), बीज अधिनियम तथा अत्यावश्यक वस्तु अधिनियम के प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस एवं कृषि विभाग द्वारा मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों से खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति या संस्था को बख्शा नहीं जाएगा। जिले में बीज, उर्वरक एवं कीटनाशकों के विक्रय एवं भंडारण पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई को कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता बनाए रखने तथा किसानों को गुणवत्तायुक्त कृषि आदान उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

## आज 5 जून को फिर अनेक ग्राम पंचायतों में पहुंचकर

## सम्राट सिंह सरसवार करेंगे ग्रामीणों से मुलाकात, वारासिवनी तहसील कार्यालय भी पहुंचे सम्राट..

### किसानों की समस्याओं पर रहेगा विशेष फोकस..

जगप्रेरणा बालाघाट।

***जनहित के मुद्दों और गांव गांव के विकास को तीव्रता प्रदान करने के लिये जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार के प्रयास निरंतार जारी है। एक दिन पहले ही जहां सम्राट ने वारासिवनी और लालबर्रा क्षेत्र की पंचायतों में पहुंचकर***

निरीक्षण कर ग्रामीण अधिकारियों व कर्मचारियों की जमकर क्लास ली थी, तथा ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को जानने का प्रयास करते हुए त्वरित समाधान के निर्देश दिये थे, वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार तहसील कार्यालय परिसर भी पहुंचे, और विभिन्न पंचायतों से आए जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने उनकी समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों से तत्काल चर्चा कर निराकरण के निर्देश दिए। तहसील कार्यालय के सामने आयोजित इस जनसंवाद में जनमंच के अध्यक्ष प्रकाश उइके सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों, राजस्व मामलों, पंचायत संबंधी समस्याओं तथा आम जनता को आने वाली परेशानियों पर विस्तार से चर्चा हुई। जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार ने स्पष्ट कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी नागरिक को अपने वैध कार्यों के लिए अनावश्यक भटकना नहीं पड़ेगा। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा कर कई मामलों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

### यह है आज का दौरा कार्यक्रम..

जिला पंचायत बालाघाट के अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार 5 जून 2026 को विभिन्न ग्राम पंचायतों एवं सेवा सहकारी समितियों का व्यापक दौरा करेंगे। दौरे के दौरान वे ग्रामीण विकास कार्यों का निरीक्षण करेंगे, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी समस्याओं को सुनेंगे तथा किसानों को खाद-बीज उपलब्धता की स्थिति की समीक्षा करेंगे। जारी कार्यक्रम के अनुसार श्री सरसवार प्रातः 11 बजे ग्राम पंचायत बछ्लपुर पहुंचेंगे। इसके बाद 12:30 बजे बहियाटिकुर, 1:30 बजे बोरी, 3 बजे समपुरी तथा 3:30 बजे नेवरगांव-ला. ग्राम पंचायत का भ्रमण करेंगे। दौरे के दौरान शाम 4 बजे सेवा सहकारी समिति नेवरगांव-ला. में किसानों की खाद एवं बीज संबंधी समस्याओं की समीक्षा की जाएगी। इसके पश्चात 5:30 बजे बहेगांव ग्राम पंचायत तथा 6 बजे सेवा सहकारी समिति जाम में किसानों की समस्याओं पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। दौरे का समापन शाम 7 बजे ग्राम ओलपकार के फिजिकल क्लब में आयोजित ग्रीष्मकालीन खेलकूद कार्यक्रम में सहभागिता के साथ होगा। जिला पंचायत अध्यक्ष के इस दौरे को ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं के समाधान और किसानों की आवश्यकताओं को समझने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों में दौरे को लेकर उत्साह का माहौल है।

## गर्रा, भटेरा संहित जिले में बन रहे रोड ओव्हर ब्रिज के कार्यो की कलेक्टर मृणाल मीना ने की समीक्षा

### भटेरा रोड ओव्हर ब्रिज के कार्य में गति लाने के निर्देश

जगप्रेरणा बालाघाट।

***कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने 04 जून को रेल्वे, सेतु निर्माण विभाग, लोक निर्माण विभाग एवं यातायात थाना के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले के विभिन्न स्थानों पर बन रहे रोड ओव्हर ब्रिज के कार्यो की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में एसडीएम श्री गोपाल सोनी भी उपस्थित थे।***

बैठक में सर्वप्रथम भटेरा रोड पर बनने वाले रोड ओव्हर ब्रिज के कार्य की समीक्षा की गई । इस दौरान बताया गया कि रेल्वे द्वारा डायवर्सन मार्ग पर लेवल क्रासिंग का कार्य पूर्ण नहीं करने के कारण भटेरा मेन रोड से आवागमन बंद नहीं किया जा रहा है। इस लेवल क्रासिंग पर सिविल वर्क पूर्ण कर लिया गया है लेकिन रेलवे द्वारा इलेक्ट्रिक एवं सिग्नल का कार्य पूर्ण नहीं किया गया है। कलेक्टर श्री मीना ने इस स्थिति पर नाराजगी जाहिर की और रेलवे के इलेक्ट्रीकल विभाग से डायवर्सन रोड की लेवल क्रासिंग का कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिये। एक सप्ताह के भीतर यह कार्य पूर्ण हो जाना चाहिए। भटेरा रोड के ओव्हर ब्रिज निर्माण कार्य में गति नहीं लाने के लिए उसके ठेकेदार पर जुर्माना लगाने के निर्देश दिये गये। मुख्य नगर पालिका अधिकारी को भटेरा रोड पर पानी की निकासी के लिए बनाई गई नोली को गलियों वाले स्थानों पर ऊपर से ढकने एवं आवागमन लायक बनाने के निर्देश दिये गये।

### बैहर रोड पर डॉ. खरे के मकान के सामने से दिया है डायवर्सन रोड

बैठक में बताया गया कि भटेरा रोड ओव्हर ब्रिज के निर्माण के लिए बैहर रोड पर डॉ शिशिर खरे के मकान के सामने से डायवर्सन रोड दिया गया है। इस डायवर्सन रोड से दो पहिया एवं हल्के चार पहिया वाहन आवागमन कर सकेंगें। यह डायवर्सन मार्ग प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना की सेंट मेरी स्कूल-बोदा-आंवलाझरी सडक पर मिलता है। लामता-समनापुर से बालाघाट की ओर आने वाले बड़े एवं भारी वाहनों को कुम्हारी से धपेरा-मोहगांव होते हुए या कुम्हारी से पाथरवाड़ा-जागपुर-आवलाझरी होते हुए मुख्य सड़क पर पहुंचना होगा। लामता-समनापुर की ओर से आने वाली बसों के लिए महर्षि स्कूल के सामने अस्थायी बस स्टैंड बनाया गया है। रेलवे द्वारा डायवर्सन रोड की लेवल क्रासिंग का कार्य पूर्ण करते ही बालाघाट बस स्टेंड से भटेरा रोड पर यातायात बंद कर दिया जायेगा और रोड ओव्हर ब्रिज के कार्य को गति प्रदान की जायेगी।

### सरेखा ओव्हर ब्रिज की सर्विस रोड पर हाईट बेरियर लगाने के निर्देश

सरेखा रोड ओव्हर ब्रिज के कार्यो की समीक्षा के दौरान सेतु निर्माण संभाग के अधिकारी द्वारा बताया गया कि ब्रिज के नीचे की सर्विस रोड से पेट्रोल पंप के सामने से बड़े वाहनों के गुजरने के कारण ब्रिज के गर्डर को क्षति पहुंच रही है। ब्रिज के नीचे दुकाने एवं ठेले लगाये जा रहे है। इस पर सेतु संभाग के अधिकारी को सर्विस रोड पर बड़े एवं भारी वाहनों को जाने से रोकने के लिए हाईट बेरियर लगाने के निर्देश दिये गये। बालाघाट के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया गया कि वे ब्रिज के नीचे लगने वाली दुकानों एवं ठेलों को हटाने की कार्यवाही करें और उन्हें उचित स्थलों पर लगवाना सुनिश्चित करें।

### यह भी दिये निर्देश..

बालाघाट-गर्रा-वारासिवनी रोड पर वैनगंगा नदी के पुल के पहले बन रहे रोड ओव्हर ब्रिज के कार्य की समीक्षा के दौरान बताया गया कि बिज के ऊपर फुटपाथ पर टाईल्स लगाने का कार्य चल रहा है और अगले दो दिन में इसे पूर्ण कर लिया जायेगा। इस पर बालाघाट एसडीएम को अधिकारियों के साथ दो दिन के बाद ब्रिज का निरीक्षण करने के निर्देश दिये गये और कहा गया कि सुरक्षा मानदंडों के पूर्ण होने पर ब्रिज से यातायात शुरू करने के लिए दिन निर्धारित करें। लोक निर्माण, इलेक्ट्रीकल एवं मेकेनिकल के एसडीओ को ब्रिज के ऊपर रात्री में रोशनी के लिए तात्कालिक व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये। जिससे रात्रि में ब्रिज पर दुर्घटना होने की आशंका न रहे। बैठक में बताया गया कि वरासिवनी एवं अगासी में रोड ओव्हर ब्रिज का कार्य पूर्ण हो गया है और इनसे आवागमन शुरू हो चुका है। शेरपार लेवल क्रासिंग पर बने रोड ओव्हर ब्रिज में गर्डर लांचिंग का कार्य शेष रह गया है। जून माह के अंत तक गर्डर कार्य स्थल पर पहुंचने की संभावना है। वैनगंगा नदी पर जागपुर घाट पर बने ब्रिज के कार्य की समीक्षा के दौरान बताया गया कि इस ब्रिज के लिए 36 गर्डर बनकर तैयार हो गये हैं और गर्डर लांचिंग का कार्य जून माह में पूर्ण कर लिया जायेगा। गर्डर लांचिंग के बाद ब्रिज पर स्लैब का कार्य वर्षा के दिनों में भी चलता रहेगा। अक्टूबर 2026 तक जागपुर घाट के इस ब्रिज के पूर्ण होने की संभावना है। कलेक्टर श्री मीना ने इस ब्रिज के ठेकेदार को निर्देशित किया कि वे इस ब्रिज के गर्डर लांचिंग का कार्य जून में अनिवार्य रूप से पूर्ण करायें। यदि गर्डर बारिश में क्षतिग्रस्त होंगे तो ठेकेदार पर एफआईआर दर्ज करायी जाएगी और उसकी मशीने जब्त कर ली जाएगी। गर्डर के क्षतिग्रस्त होने पर ठेकेदार को जिम्मेदार माना जाएगा। अतः वर्षा प्रारंभ होने के पूर्व गर्डर लांचिंग का कार्य पूर्ण कर ले। बैठक में सेतु निर्माण संभाग के एसडीओ श्री अर्जुन सनोडिया, लोकनिर्माण विभाग इलेक्ट्रीकल एवं मेकेनिकल संभाग के एसडीओ श्री दिलीप बोहरे, रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर श्री नीतिश सिंह, श्री मस्के, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सूर्यप्रकाश उके, यातायात थाना प्रभारी सुश्री यीना रहांगडाले उपस्थित थी।

## आकाशवाणी चौक से भूरा भगत चौक, कुटुंब न्यायालय एवं एमपीईबी कार्यालय के सामने किये गये अतिक्रमण को 3 दिन के भीतर हटाने के निर्देश.. बाधा पर होगी एफआईआर..

**जगप्रेरणा बालाघाट।** बालाघाट शहर के आकाशवाणी चौक से भूरा भगत चौक तथा भूरा भगत चौक से कुटुम्ब न्यायालय एवं एमपीईबी कार्यालय के सामने तक किए गए अतिक्रमण को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। न्यायालय तहसीलदार बालाघाट द्वारा अतिक्रमणकारियों को पूर्व में नोटिस एवं बेदखली आदेश जारी किए जाने के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया है। अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी गई है कि वे तीन दिनों के भीतर शासकीय जमीन पर किये गये अतिक्रमण हटा दें। अन्यथा उनका अतिक्रमण बलपूर्वक हटा दिया जायेगा। बालाघाट तहसीलदार द्वारा बताया गया है कि संबंधित अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर सुनवाई उपरांत 1 दिसंबर 2025 को बेदखली आदेश जारी किए गए थे। इसके बाद भी उनके द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाए जाने पर अंतिम नोटिस जारी किया गया, लेकिन अतिक्रमण यथावत बना रहा। प्रशासन द्वारा 29 मई 2026 को राजस्व अमले के साथ अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई, लेकिन मौके पर अतिक्रमणकारियों द्वारा विरोध करते हुए शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न की गई। जिस पर रेवतनबाई मालवीय, अखिलेश मरकाम, कृष्णा मेश्राम, सरिता मेश्राम सहित अन्य अज्ञात अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध कोतवाली थाना बालाघाट में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 132, 221 एवं 351(3)(5) के तहत अपराध दर्ज कराया गया है। तहसीलदार न्यायालय द्वारा अतिक्रमण हटाने के लिए पारित आदेश के अनुसार 18 दिसंबर 2025 से अतिक्रमण नहीं हटाने पर प्रतिदिन 2 हजार रुपये की दर से अतिक्रमणकारियों पर दंड अधिरोपित किया गया है, जिसकी वसूली मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 146 एवं 147 के तहत की जा रही है। सभी अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी गई है कि यदि उनके द्वारा तीन दिनों के भीतर स्वयं अतिक्रमण नहीं हटाया जायेगा तो प्रशासन द्वारा बलपूर्वक अतिक्रमण हटाया जाएगा तथा कार्रवाई में होने वाला समस्त व्यय भी संबंधित अतिक्रमणकारियों से वसूल किया जाएगा।

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

अजय रजक गढ़ी

मो. 84353 19391


## लामता में दिव्यांग परिवार पर 'फर्जी शिकायतों' का प्रहार, न्याय के लिए दर-दर भटकने को मजबूर पीड़ित

### दिव्यांग परिवार की चीखें अनसुनी, फर्जी शिकायतों के आगे नतमस्तक प्रशासन-अब नहीं तो कब?

जगप्रेरणा लामता।

***मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले का लामता क्षेत्र इन दिनों एक गंभीर मानवीय संकट और प्रशासनिक उपेक्षा की चर्चाओं से गर्माया हुआ है। वार्ड क्रमांक 8 में निवासरत दिव्यांग सतानंद द्विवेदी का परिवार, जो अपनी साधारण जीवनशैली के लिए जाना जाता था,***

आज कथित फर्जी शिकायतों, निरंतर मानसिक प्रताड़ना और जान से मारने की धमकियों के कारण 'आत्मघाती' स्थिति के कगार पर खड़ा है। यह मामला न केवल एक परिवार की निजी त्रासदी है, बल्कि यह उन खामियों को भी उजागर करता है जो सरकारी तंत्र में व्याप्त 'शिकायती संस्कृति' के दुरुपयोग के कारण पैदा होती हैं।

### विवाद की जड़ संपत्ति का संघर्ष

प्राप्त जानकारी के अनुसार, लामता का असाटी परिवार ऐतिहासिक रूप से इस क्षेत्र का एक सम्मानित और बड़ा जमींदार परिवार रहा है। बटईलाल असाटी के पांच बच्चे थे। बटईलाल ने अपने जीवनकाल में अपनी पुत्री सारदा बाई असाटी के नाम पांडेवाड़ा और रयैत क्षेत्र में लगभग 40 एकड़ भूमि हस्तांतरित की थी। वर्तमान में यह भूमि धनश्याम असाटी के पुत्रों–सतीश, सुनील और रजनीश–के नाम पर दर्ज है, जो अब महाराष्ट्र के गोंदिया में निवास करते हैं।

सतानंद द्विवेदी, जो इसी सतीश कुमार असाटी के मकान में निवासरत हैं और उनकी कृषि भूमि की देखरेख करते हैं, के अनुसार विवाद की असली शुरुआत तब हुई जब आनंद असाटी (जो बटईलाल के पुत्र शिवनारायण के वंशज हैं) ने कथित तौर पर इस संपत्ति पर अपना वर्चस्व जमाने का प्रयास शुरू किया। आनंद असाटी पर आरोप है कि वे द्विवेदी परिवार को मकान खाली करने और जमीन में हिस्सा देने के लिए लगातार प्रताड़ित कर रहे हैं।

### मोहरा बने आदिवासी और सरकारी तंत्र की विफलता

सतानंद द्विवेदी का सबसे गंभीर आरोप यह है कि आनंद असाटी स्वयं सामने आने के बजाय पांडेवाड़ा और रयैत के सीधे-साधे आदिवासियों को मोहरा बना रहे हैं। इन आदिवासियों के नाम पर कलेक्ट्रेट कार्यालय में फर्जी शिकायतें दर्ज कराई जा रही हैं। द्विवेदी कहते हैं, ÷मेरे पास भूमि संबंधी सभी वैध रजिस्ट्री और स्वामित्व के दस्तावेज हैं। यदि प्रशासन एक बार भी इन दस्तावेजों का सूक्ष्म परीक्षण कर ले, तो सारा दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।÷

### पीएम आवास योजना एक सपने का गला घोंटना

गरीब और दिव्यांग व्यक्ति के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना केवल ईंट-पत्थर का घर नहीं, बल्कि एक सुरक्षित भविष्य का सपना होती है। मार्च 2025 में सतानंद द्विवेदी की पीएम आवास की पहली किस्त स्वीकृत हुई। पंचायत द्वारा प्रस्ताव पारित हुआ और निर्माण स्थल की साफ-सफाई भी हो गई। लेकिन आनंद असाटी द्वारा की गई शिकायत के बाद निर्माण कार्य को रोक दिया गया।

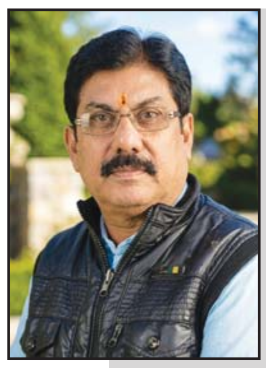

पीड़ित ने बताया कि उन्होंने 181 सीएम हेल्पलाइन पर गुहार लगाई, जो मामला लगभग 250 दिनों तक लंबित रहा। उनका आरोप है कि उन्हें शिकायत वापस लेने के लिए प्रताड़ित किया गया।

आज, जब वे आवास के लिए संघर्ष कर रहे हैं, उनका परिवार मानसिक रूप से इतना टूट चुका है कि वे अब न्याय के लिए सरकार से आखिरी बार गुहार लगा रहे हैं।

### क्या कहता है कानून और प्रशासन की भूमिका?

कानूनी जानकारों का मानना है कि यदि कोई व्यक्ति बार-बार झूठी शिकायतें करके किसी को प्रताड़ित कर रहा है, तो उस पर भारतीय न्याय संहिता (ब्नह्रस्) की धारा 182 (लोक सेवक को गलत सूचना देना), 211 (झूठा आरोप लगाकर क्षति पहुंचाना) और 500 (मानहानि) के तहत कार्यवाही होनी चाहिए।

सतानंद द्विवेदी का दर्द यह है कि स्थानीय लामता पुलिस और राजस्व विभाग को सब कुछ पता होने के बावजूद कोई ठोस कार्यवाही नहीं की जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया है कि क्या प्रशासन को किसी ऐसे व्यक्ति को संरक्षण देने की आवश्यकता है, जिसके पास किसी भी दावे का कोई कानूनी प्रमाण नहीं है?

### परिवार की हताशा और चेतावनी

द्विवेदी परिवार ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि उन्हें जल्द न्याय नहीं मिला और आरोपियों के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही नहीं हुई, तो वे किसी भी 'अप्रिय' कदम को उठाने के लिए मजबूर होंगे। बीपी और शुगर से जूझ रहे सतानंद द्विवेदी का कहना है कि उनकी शारीरिक अक्षमता और बीमारी का फायदा उठाकर उन्हें घर से बेदखल करने की साजिश रची जा रही है।

### जांच की आवश्यकता

यह मामला प्रशासन के लिए एक 'अग्निपरीक्षा' है। जनता की मांग है कि दस्तावेजों का सत्यापनः किसी भी शिकायत पर कार्रवाई करने से पहले राजस्व रिकॉर्ड की गहन जांच की जाए। दोषियों पर दंडात्मक कार्रवाईः फर्जी शिकायत करने वालों पर कानूनी धाराएं लगाई जाएं ताकि व्यवस्था का दुरुपयोग बंद हो। सुरक्षा और न्यायः पीड़ित परिवार को सुरक्षा दी जाए और उनके रुके हुए निर्माण कार्य को तत्काल शुरू करवाया जाए। बालाघाट जिला प्रशासन का रुख अब इस मामले में अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। क्या एक दिव्यांग की पुकार सरकारी फाइलों के अंबार में खो जाएगी, या उसे न्याय मिलेगा? यह तो आने वाला समय ही बताएगा, लेकिन फिलहाल लामता का यह दिव्यांग परिवार न्याय की बाट जोह रहा है।

## पीयूष पटले एमबीबीएस की उपाधि प्राप्त कर बने डॉक्टर बढ़ाया बालाघाट जिले का गौरव..

संजना मोनू बर्वे, जगप्रेरणा उकवा।

***बी एम सी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सागर में आयोजित दीक्षान्त समारोह में बालाघाट जिले की बैहर तहसील के ग्राम पोंडी (उकवा) के प्रतिभाशाली छात्र पीयूष पटले को 'एमबीबीएस' की उपाधि प्रदान की गई।***

डॉ. पीयूष पटले ग्राम पोंडी (उकवा) के निवासी श्री अशोक पटले जो वर्तमान में भिलाई इस्पात संयंत्र की राजहरा मैकेनाइज्ड माइंस में असिस्टेंट मैनेजर (माइनिंग) के पद पर हैं के बड़े सुपुत्र हैं एवं माता किरण पटले गृहणी हैं। ज्ञात हो डॉक्टर पीयूष पटले के छोटे भाई आयुष पटले भी जीआरएमसी मेडिकल कॉलेज ग्वालियर से एमबीबीएस की परीक्षा पास कर इंटरशिप कर रहे हैं।

दीक्षान्त समारोह में महाविद्यालय प्रशासन एवं अतिथियों ने उनकी इस उपलब्धि पर उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामनाओ के साथ सराहना की। डॉक्टर पीयूष पटले की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर उनके परिवार ग्राम पोंडी (उकवा) बालाघाट में उल्लास व गर्व का वातावरण है।

डॉक्टर पीयूष पटले ने ग्रामीण परिवेश के होने के बाद भी अपनी प्रतिभा,अथक परिश्रम, लगन व समर्पण के बल पर चिकित्सा शिक्षा सफलतापूर्वक पूर्ण कर यह गौरव प्राप्त किया है।

डॉक्टर पीयूष पटले द्वारा डॉक्टर की उपाधि प्राप्त करने पर परिवार जनों, समाज जनों व ग्रामीणों ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की है।

## पी.एम.-जनमन योजना की सुस्त रफ्तार से बालाघाट के बैगा आदिवासियों पर मंडरा रहा मौत का साया..

### बालाघाट में बैगा आदिवासियों के अधूरे मकान, बारिश का संकट सिर पर..

### तीसरी किस्त के इंतजार में धूल फांक रही बैगा आदिवासियों की मेहनत, कर्ज के जाल में फंसे 22 परिवार..

जगप्रेरणा बालाघाट।

***कहते हैं कि 'पक्के मकान' का सपना हर गरीब का अधिकार है, लेकिन मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले की लामता ग्राम पंचायत के खैरा गांव में रहने वाले बैगा आदिवासी परिवारों के लिए यह सपना अब एक दुःस्वप्न में बदल गया है।***

केंद्र सरकार की अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना 'प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान' जो विशेष रूप से पिछड़ी जनजातियों के उत्थान के लिए लॉन्च की गई थी, आज अपनी प्रशासनिक सुस्ती और भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण कटघरे में खड़ी है।

### 22 परिवारों की दास्तान अधूरी नींव और अनिश्चित भविष्य

खैरा गांव के 22 बैगा परिवारों ने जब सरकार की इस योजना के बारे में सुना, तो उन्हें लगा कि अब उनकी जिंदगी संवर जाएगी। शासन ने वादा किया था कि वे उन्हें पक्के घर बनाकर देगी। इन परिवारों ने अपने पुश्तैनी कच्चे घरों को इस उम्मीद में गिरा दिया कि जल्द ही पक्की छत नसीब होगी। आज महीनों बीत चुके हैं, लेकिन उन घरों की जगह पर केवल अधूरी ईंटें, कंक्रीट के ढांचे और बेबसी का मंजर है। तीसरी किस्त का पैसा फाइलों की धूल फांक रहा है और लाभार्थी प्रशासन की चौखट पर माथा टेकने को मजबूर हैं।

### मानसून का अल्टीमेटम ' एक महीने बाद क्या होगा?

मौसम विज्ञान विभाग ने इस वर्ष समय पर मानसून आने के संकेत दिए हैं। खैरा गांव के उन 22 परिवारों के लिए अगले 30 दिन किसी 'अग्निपरीक्षा' से कम नहीं हैं। मानसून की पहली फुहार के साथ ही इन खुले ढांचों में पानी भर जाएगा। जो दीवारें आज खड़ी हैं, वे बारिश के पानी से कमजोर होकर गिर सकती हैं। यह केवल एक मकान के गिरने की बात नहीं है, बल्कि यह उन परिवारों के जीवन के उस छोटे से आधार के गिरने की बात है जिसे उन्होंने बड़ी मुश्किल से संजोया था।

### दो लाख का गणितः क्या यह पर्याप्त है?

सरकार द्वारा आवंटित दो लाख रुपये की राशि आज के बाजार में पक्का मकान बनाने के लिए 'ऊंट के मुंह में जीरे' के समान है। पिछले दो सालों में सीमेंट, सरिया, ईंट, रेत और मजदूरी की लागत में 40 से 60 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

खैरा गांव के लोग बताते हैं कि योजना की पहली और दूसरी किस्त में उन्होंने जो काम कराया, वह मजदूरी और सामग्री की बढ़ती कीमतों में ही खर्च हो गया। अब तीसरी किस्त न मिलने से निर्माण कार्य बीच में ही थम गया है। प्रशासन को यह समझना होगा कि आदिवासी इलाकों में सामग्री पहुँचाने की परिवहन लागत भी शहरों की तुलना में अधिक होती है।

### प्रशासनिक शिथिलता फाइलों में उलझी जिंदगी

जब पत्रकारों ने जनपद पंचायत कार्यालय का रुख किया, तो हर बार 'बजट की कमी', 'तकनीकी खामी' या 'सर्वे पूरा न होने' का बहाना बनाकर टाल दिया गया। क्या एक आदिवासी की नियति केवल आश्वासन ही है? अधिकारियों को यह समझना होगा कि केवल एक सरकारी स्कीम नहीं है, यह सरकार का एक वचन है जो इन आदिवासियों को दिया गया था।

### बैगा परिवार की मांग है और प्रशासन के नाम चेतावनी

आज हम आप के माध्यम से हम जिला प्रशासन बालाघाट और मध्य प्रदेश सरकार से मांगें करते हैं युद्धस्तर पर भुगतान अगले 15 दिनों के भीतर इन 22 परिवारों को तीसरी किस्त की राशि का भुगतान किया जाए।

महंगाई भत्ता निर्माण सामग्री की बढ़ती कीमतों को देखते हुए अनुदान राशि में पुनरीक्षण किया जाए। आपातकालीन आश्रय यदि बारिश के कारण घरों का काम पूरा नहीं हो पाता, तो इन परिवारों के लिए अस्थायी सुरक्षित आश्रय की व्यवस्था प्रशासन सुनिश्चित करे।

दोषियों पर कार्रवाई इतने लंबे समय तक भुगतान न होने के पीछे जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए।

### यह मानवीय संकट है, महज एक खबर नहीं

खैरा गांव के ये 22 बैगा परिवार आज केवल अपने घरों के लिए नहीं, बल्कि अपनी गरिमा के लिए लड़ रहे हैं। अगर प्रशासन अब भी नहीं जागा, तो यह आने वाली बरसात इन परिवारों के सपनों के साथ-साथ सरकार की साख को भी बहा ले जाएगी। वक्त अभी भी है, बस इच्छाशक्ति की कमी है। क्या बालाघाट का प्रशासन इन गरीब आदिवासियों के चेहरों पर फिर से मुस्कान ला पाएगा?

### कर्ज का दलदल और साहूकारों की कैद

खैरा गांव के बैगा परिवार, जिनका मुख्य व्यवसाय ही बांस की टोकरी और डला (टुकना-डला) बनाना है, पहले से ही गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। योजना का लाभ लेने के चक्कर में, जब काम बीच में रुका, तो उन्होंने मकान को पूरा करने के लिए स्थानीय साहूकारों से भारी ब्याज दर पर कर्ज लिया। अब आलम यह है कि न तो मकान बनकर तैयार हुआ और न ही वे साहूकारों का कर्ज चुकाने की स्थिति में हैं। वे एक ऐसे चक्रव्यूह में फंस चुके हैं जहां से निकलना उनके लिए असंभव सा प्रतीत हो रहा है।

### रोजगार के नाम पर सन्नाटा

इन बैगा परिवारों का जीवन पूरी तरह से जंगल और छोटे-मोटे हस्तशिल्प पर निर्भर है। सरकार ने घर तो देने का वादा किया, लेकिन घर के साथ रोजगार का कोई ठोस अवसर इन परिवारों को नहीं मिला। बांस की कलाकृतियों को बाजार न मिलने से उनकी आय के स्रोत सिमट गए हैं।

यह विडंबना ही है कि जिस समुदाय को देश की मुख्यधारा से जोड़ने की बात की जाती है, उसे मूलभूत सुविधाओं के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर कटवाए जा रहे हैं।

## बाल विवाह रोकथाम को लेकर मध्यप्रदेश सरकार का बड़ा फैसला

### ग्राम स्तर तक नियुक्त होंगे 'बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी'

### कानून के सख्त क्रियान्वयन की नई व्यवस्था लागू

जगप्रेरणा बालाघाट।

***बाल विवाह पर प्रभावी रोक लगाने और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित अभियानों को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाने के उद्देश्य से राज्य शासन ने बड़ा प्रशासनिक निर्णय लिया है। राज्य सरकार ने पूर्व में जारी अधिसूचना को निरस्त करते हुए अब जिला से लेकर***

ग्राम स्तर तक विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों को ÷बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी÷ के रूप में अधिसूचित किया है। यह निर्णय बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की धारा 16 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के तहत लिया गया है। भारत सरकार के निर्देशों के अनुपालन में नई व्यवस्था लागू की गई है, जिससे बाल विवाह की रोकथाम, निगरानी और त्वरित कार्रवाई को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

### जिला कलेक्टर से पटवारी तक की जवाबदेही तय

इस नई व्यवस्था के लागू होने से अब बाल विवाह रोकने के लिए एक बेहद मजबूत और त्रि-स्तरीय से भी बड़ा प्रशासनिक तंत्र काम करेगा। जिला स्तर पर इसकी कमान जिला कलेक्टर, अपर कलेक्टर और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संभालेंगे, जबकि अनुभाग स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को यह जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह तहसील स्तर पर तहसीलदार और सभी नायब तहसीलदारों को कानूनन सशक्त बनाया गया है।

ब्लॉक स्तर पर मोर्चा संभालते हुए जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी सीधे तौर पर जिम्मेदार होंगे। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के सेक्टर स्तर पर निगरानी रखने के लिए सभी राजस्व निरीक्षकों और महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षकों की तैनाती की गई है। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव जमीनी स्तर पर करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में सीधे पटवारी को और शहरी क्षेत्रों में नगर पालिक निगमों के जोनल अधिकारी, राजस्व अधिकारी, सहायक राजस्व अधिकारी और स्वास्थ्य अधिकारियों को इस कानून को लागू करने का जिम्मा सौंपा गया है।

इसके अलावा छोटे शहरों की नगर पालिका परिषदों और नगर परिषदों में मुख्य नगर पालिका अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, उप राजस्व निरीक्षक और मुख्य स्वच्छता निरीक्षकों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी नियुक्त किया गया। ग्राम स्तर तक प्रशासनिक जवाबदेही तय होने से बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति पर प्रभावी अंकुश लगेगा तथा बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और अधिकारों को बेहतर संरक्षण मिलेगा।

### तुरंत एफआईआर और कार्रवाई

अब अगर कहीं से भी बाल विवाह की सूचना मिलती है, तो वहां के पटवारी या सेक्टर पर्यवेक्षक कानूनी तौर पर सीधे दखल दे सकेगा और उसे रोकने के लिए अधिकृत होगा। अधिकारियों की इतनी बड़ी चेन होने से अब शादियों के सीजन में 'चाइल्ड मैरिज' पर पूरी तरह से नकेल कसी जा सकेगी। यह कदम महिला एवं बाल विकास विभाग और राजस्व विभाग के आपसी समन्वय से बालिकाओं के अधिकारों की सुरक्षा में एक गेम-चेंजर साबित होगी। राज्य शासन ने स्पष्ट किया है कि इस मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

### नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में मेरा नाम **"Vineet Sancheti"** अंकित है, जबकि मेरा सही एवं पूर्ण नाम **"Vineet Kumar Sancheti"** है।

अतः भविष्य में मेरे सभी शासकीय, अर्द्धशासकीय, बैंकिंग, वित्तीय एवं अन्य अभिलेखों में **"Vineet Sancheti"** तथा **"Vineet Kumar Sancheti"** एक ही व्यक्ति के नाम माने जाएँ। मैं अपने ड्राइविंग लाइसेंस एवं अन्य अभिलेखों में नाम सुधार कर **"Vineet Kumar Sancheti"** दर्ज कराने की प्रक्रिया कर रहा हूँ।

### न्यायालय तहसीलदार परसवाडा

**।। ईश्तहार ।।**

रा.प्र.क.0004.... ड - 154.... वर्ष 2026-27
मौजा भीड़ी प.ह.न. 23

एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं आम जनता ग्राम भीड़ी तहसील परसवाड़ा जिला बालाघाट को सूचित किया जाता है कि आवेदक टेकराम आ. बुध्दुलाल जाति लोधी निवासी ग्राम भीड़ी तहसील परसवाडा जिला बालाघाट ने अपने माँ यमुना बाई पति बुध्दुलाल उइके की मृत्यु दिनांक 16-06-2013 के मृत्यु संबंध घटना का ग्राम पंचायत भीड़ी मे रजिस्ट्रीकरण नही होने से मृत्यु की प्रविष्टि ग्राम पंचायत भीड़ी मे दर्ज कर मृत्यु प्रमाण पत्र मिलने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है इस संबंध मे जिस किसी भी व्यक्ति विशेष को आपत्ति/दावा प्रस्तुत करना हो तो नियत दिनांक 04/6/2026 तक मेरे न्यायलय मे स्वंय उपस्थित होकर अथवा अपने अधिकर्ता के माध्यम से आपत्ति/दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 18/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा द्वारा जारी किया गया है।

तहसीलदार
परसवाडा

दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करें।। मो. 9329033433

दैनिक जगप्रेरणा मे समाचार एवं विज्ञापनो के लिये संपर्क करे.. मो. 9329033433

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
पिंटू गुप्ता तिरोड़ी
मो. 8770664297

# एफसीआई का 242 क्विंटल सीएमआर चावल संचेती राइस मिल वारासिवनी में मिला

## दोषी व्यक्तियों पर दर्ज कराई जा रही है एफ आई आर

**जगप्रेरणा वारासिवनी।**

***खाद्य एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा 3 जून 2026 की सायंकाल लगभग 7 बजे की गई आकस्मिक जांच में वारासिवनी स्थित संचेती राइस मिल परिसर में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) डिपो नवेगांव-कोसमी का 242 क्विंटल 55 किलोग्राम सीएमआर (कस्टम मिल्ड राइस)***

चावल संदिग्ध परिस्थितियों में पाया गया। मामले में प्रथम दृष्टया अनियमितता सामने आने पर विभाग ने जांच तेज कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जांच के दौरान एक ट्रक में एफसीआई का सीएमआर चावल लदा हुआ मिला। मौके पर मौजूद वाहन चालक से परिवहन संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया, लेकिन वह कोई भी वैध दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा सका। इसके बाद टीम ने चावल सहित ट्रक को जप्त कर आगामी जांच तक पुलिस थाना वारासिवनी प्रभारी की अभिरक्षा में खड़ा करा दिया।

जांच में सामने आया कि उक्त चावल भारतीय खाद्य निगम डिपो नवेगांव-कोसमी से इथेनॉल प्लांट बोरगांव, जिला छिंदवाड़ा के लिए परिवहन किया जा रहा था। निर्धारित गंतव्य तक पहुंचाने के बजाय वाहन चालक ट्रक को वारासिवनी स्थित संचेती राइस मिल परिसर में ले गया। इस स्थिति को गंभीर मानते हुए अधिकारियों ने मामले की विस्तृत जांच प्रारंभ कर दी है।

प्रारंभिक जांच में सीएमआर चावल को रिसाइकिल करने के उद्देश्य से राइस मिल परिसर में लाए जाने की आशंका व्यक्त की गई है। इसी आधार पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

खाद्य एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है तथा जांच प्रतिवेदन के आधार पर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई से सार्वजनिक वितरण प्रणाली एवं सरकारी खाद्यान्न के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण संदेश गया है।

# जमीन की जरुरतों एवं वन माफियाओं द्वारा काटे जा रहे जंगलों के चलते सम्पूर्ण विश्व मे पढ़ रहा इसका प्रभाव..

**जगप्रेरणा वारासिवनी।**

***बढ़ती मानव जाति और बढ़ती हुई मानव के रहने के रहने के लिए जमीन की जरुरतों एवँ वन माफियाओं द्वारा काटे जा रहे***

जंगलों के चलते सम्पूर्ण विश्व मे तेजी से घटते वनों की वजह से लगातार बढ़ते तापमान और तेजी से गिरते भूजल स्तर की वजह से पशु पक्षियों सहित मानव समाज पर भी इसका बेहद ही प्रतिकूल प्रभाव पड़ा हैं और अब मानव जाति लगातार घटते वनों और तेजी से बढ़ते तापमान की चपेट में आने के बाद सबक लेकर पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागृत हो रहा हैं तो वहीं सरकारें भी पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए विभिन्न योजनाएं लाने के साथ ही लोंगो को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए जागरूकता अभियान चला रही हैं तो वही वारासिवनी जनपद पंचायत की तत्कालीन सीईओ सुश्री दीक्षा जैन ने शहर के कुछ पर्यावरण प्रेमियों को साथ लेकर अनुकरणीय पहल करके शहर में जिले का पहला ट्री बैंक जनपद परिसर में खोला हैं जहाँ से लोग निःशुल्क पौधे लगाने ले जा भी सकते हैं और इस ट्री बैंक में जमा भी कर सकते हैं।

### दो वर्ष पूर्व खुला हैं ट्री बैंक एक हजार पौधों से हुई शुरुआत..

विदित हो कि दो वर्ष पूर्व 10 जून 024 से जनपद पंचायत भवन के परिसर में तत्कालीन जनपद सीईओ सुश्री दीक्षा जैन ने बीते 15 वर्षों से पर्यावरण के प्रति लोंगो के बीच अलख जगाकर विभिन्न संस्थाओं व खाली जगहों पर पेड़ लगाकर हरियाली फैलाने वाले एक प्रकृति प्रेमी ग्रुप के साथ मिलकर दो वर्ष पूर्व 10 जून 024 से जनपद परिसर में प्रारंभ हुए इस ट्री बैंक में करीब 11 सौ से अधिक विभिन्न प्रकार के फलदार और छायादार पेड़ रखे गए थे जहाँ से सैकड़ों लोंगो द्वारा अब तक इस बैंक से निःशुल्क पौधे ले जाकर उनका रोपण किया गया हैं इतना ही नही अनेकों लोंगो द्वारा बीते एक वर्ष में विभिन्न प्रजातियों के पौधे भी भेंट किए गए हैं ताकि विशेष दिवस को यादगार बनाने और पर्यावरण के प्रति जागरूक प्रकृति प्रेमियों को पौधों के लिए कहीं भटकने की जरूरत ना पड़े।और वे लोग इस ट्री बैंक से अपने पसंद के पौधे ले जाकर उसका रोपण कर सकें।

### लगातार बढ़ते तापमान और कम होते जंगलों कम होते जलस्तर से मिली प्रेरणा..

इन प्रकृति प्रेमियों ने बताया कि 15 वर्ष पूर्व उन लोंगो द्वारा धरती पर लगातार बढ़ते तापमान कम होते जंगल की वजह से लगातार कम हो रहे जलस्तर की वजह से पानी और चारे के लिए परेशान होते मूक पशुओं की देखकर उनके मन में पर्यावरण को बेहतर बनाने की ललक जागी तब से वे लोग लगातार विभिन्न स्थानों पर पेड़ लगा रहे हैं इतना ही नही ये पर्यावरण प्रेमी जहाँ भी पेड़ लगाते हैं उनकी तब तक सेवा करते हैं जब तक कि पूर्णरूप से बड़े ना हो जाए इस ग्रुप में शामिल करीब 5 युवाओं ने निश्वार्थ भाव से बीते करीब 16 वर्षों में 19 हजार से अधिक पौधों का रोपण कर उनके पूर्ण रुप से बड़े होने तक देखभाल की हैं इसी का असर हैं कि शहर के बीटीआई स्कूल,टिहली बाई स्कूल कटंगी मार्ग स्थित मोक्षधाम , वार्ड 11 स्थित मोक्षधाम,गौशाला के पीछे स्थित चंदन नदी के तट सहित मेहंदीवाड़ा पुल के चंदन नदी के तट पर आज विभिन्न तरह के पौधे पेड़ बनकर लोंगो का ठंडी छाया के साथ ही शुद्ध ताजी हवा भी उपलब्ध करवा रहे हैं।

# बिजली बिल को नियत्रंण करने की चाबी अब आपके पास..

**जगप्रेरणा बालाघाट।**

अधिकतर उपभोक्ता बिजली का बिल ज्यादा आने पर स्मार्ट मीटरों या बिजली कंपनी को शिकायत हैं जबकि वास्तविकता यह है कि उपकरणों के ज्यादा उपयोग से बिजली का बिल ज्यादा आता है। यदि आप थोड़ी सी सावधानी बरतें तो बिल ज्यादा आने की आपकी चिंता बढ़ेगी नहीं। आप चाहें तो अपने बढ़ते बिल को नियंत्रण में रख सकते हैं। बस आपको अपनी आदतों में बदलाव करना होगा। एक आंकलन के अनुसार अधिकांश शहरवासी रिमोट चलित विद्युत उपकरणों को ''स्टैंडबाय'' मोड पर छोड़ देते हैं, जिससे उपकरण तो बंद हो जाते हैं परन्तु इनमें सतत् विद्युत प्रवाहित होती रहती है। यदि आप रिमोट से चलने वाले उपकरणों को स्विच ऑफनहीं करते है और रिमोट से बंद करके उपकरणों को छोड़ देते हैं तो बिजली की खपत बढ़ जाती है, जिससे बिल बढ़ जाता है।

एक सर्वे के अनुसार 70 फीसदी लोग टी.वी. को मैन स्विच से ऑन-ऑफन करके रिमोट से ऑन-ऑफकरते हैं। इससे टी.वी.ऑफहोने के बावजूद भी पॉवर सप्लाई चालू रहती है। इससे 21 इंच के टी.वी. में 15 वाट का करंट निरन्तर प्रवाहित होता रहता है एवं आपके मीटर को आगे बढ़ाता रहता है, जिसके कारण इन 70 फीसदी लोगों को हर महीने लगभग 200 रूपये और हर साल 1500 रूपये का अतिरिक्त भार सहना पड़ता है। इलेक्ट्रीशियन की सलाह के अनुसार एक व्यवसायी द्वारा 1200 वॉट क्षमता के एलईडी बल्ब अपने घर में लगाने के लिए खरीद लिए गए। इसी प्रकार एलईडी ट्यूबलाईट एवं ऊर्जा दक्ष पंखे लगा लिए तो उनके घर में बिजली की 30 प्रतिशत तक बिजली बचत हुई। बिजली विशेषज्ञों के अनुसार अब तो एल.ई.डी. जैसे उपकरण बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं, उनके उपयोग से और अधिक बिजली की बचत और ज्यादा रोशनी प्राप्त हो सकती है।

हर महीने लगभग 75 रूपये की चपत

म्यूजिक सिस्टम, टी.वी., ए.सी., कम्प्यूटर आदि स्टैंडबाय मोड पर 5 से 15 वॉट तक बिजली की खपत करते हैं। अगर महीने भर भी टी.वी. बंद रहे जब भी 15 वॉट के हिसाब से एक दिन में 0.36 यूनिट व 30 दिन में 10.8 यूनिट बिजली खर्च होती है।

**कम्प्यूटर**

कम्यूटर के मॉनिटर एवं कापीअर्स को स्लीप मोड में रखने से लगभग 40 प्रतिशत ऊर्जा की बचत होती है। एलईडी मॉनिटर का प्रयोग करें यह पारंपरिक सी.आर.टी. मॉनिटर की तुलना में कम ऊर्जा खर्च करता है। यदि कम्प्यूटर को चालू रखना आवश्यक हो तो मॉनिटर अवश्य बंद रखें जो कि कुल ऊर्जा का 50 प्रतिशत से अधिक खर्च करता है। यदि एक कम्प्यूटर 24 घंटे चालू रखा जाए तो यह एक ऊर्जा दक्ष फ्रिज से अधिक विद्युत खर्च करता है। अतः उपयोग न होने पर कम्प्यूटर बंद रखें।

**एलईडी बल्ब**

वर्तमान में एलईडी बल्ब ऊर्जा बचत हेतु अतिउत्तम विकल्प है क्योंकि इनका उपयोग करके हम बिजली की बचत कर सकते हैं। एलईडी बल्ब बार-बार चालू/बंद करने से उनकी उम्र पर असर नहीं पड़ता है जबकि साधारण बल्ब जल्दी ही फ्यूज हो जाता है। एक 40 वाट के साधारण बल्ब के प्रकाश के बराबर के प्रकाश के लिए 4 से 5 वाट क्षमता के एलईडी बल्ब की आवश्यकता होती है। एलईडी बल्ब परंपरागत बल्ब की तुलना में लगभग 10 गुना अधिक प्रकाश देते हैं एवं इनकी टिकाऊ होने की अवधि सामान्य बल्ब की तुलना में लगभग 10 गुना अधिक है। यह कम ऊर्जा ग्रहण करते हैं और ज्यादा गर्म भी नहीं होते हैं।

**सीलिंग फैन**

वर्तमान में नियमित पंखों के स्थान पर बीईई फाईव स्टार रेटेड पंखे एवं उच्च दक्षता के पंखे उपलब्ध हैं जो कि ऊर्जा की बचत करने में सहायक होते हैं।

**फ्रिज**

फ्रिज को दीवार, सीधे सूर्य का प्रकाश अथवा अन्य ऊष्मा देने वाले उपकरणों के पास न रखें। फ्रिज के पीछे कंडेंसर क्वाईल पर जमी धूल के कारण मोटर को अधिक कार्य करना पड़ता है एवं बिजली ज्यादा लगती है, अतः क्वाइल्स को नियमित साफकरें। फ्रीजर की नियमित डीफ्रास्टिंग आवश्यक है जिससे कूलिंग करने हेतु फ्रिज को अधिक कार्य करना पड़ता है एवं इससे अधिक ऊर्जा का अपव्यय होता है। इसके अंदर के स्थान का पूर्ण उपयोग आवश्यक है किंतु भीतर खुली हवा के सरकुलेशन के लिए जगह छोडऩा जरूरी है। इससे ऊर्जा की बचत होती है। फ्रिज के दरवाजे की गास्केट में लीकेज नहीं होना चाहिए, जिसके कारण फ्रिज हमेशा अधिक ऊर्जा खर्च करता है एवं बिजली का बिल अधिक आता है।

**एयर कंडीशनर्स (एसी)**

26 डिग्री सेंटीग्रेड की सेटिंग पर न्यूनतम खर्च में अधिकतम समुचित आरामदेह वातानुकूलन प्राप्त होता है। पुराने एवं रिपेयर किए हुए एसी की दक्षता कम होती है। इसकी तुलना में नए ऊर्जा दक्ष एसी खरीदना बेहतर एवं किफायती है। एक अच्छा एसी लगभग 30 मिनट में एक कमरे को ठण्डक प्रदान कर देता है अतः टाइमर का प्रयोग कर एसी कुछ समय के लिए बंद कर दिया जा सकता है। इसके एयर फिल्टर्स में धूल जमा होने पर हवा का बहाव कम हो जाता है जबकि साफफिल्टर्स से शीतलता शीघ्र प्राप्त होती है एवं बहुमूल्य ऊर्जा की बचत होती है। घर के आसपास हरियाली पेड़-पौधों की छांव रहने पर एसी द्वारा विद्युत की खपत में 40 प्रतिशत तक ऊर्जा की बचत की जा सकती है।

# लोमड़ी को बचाने के लिए कुएं में डाली खाट, वन विभाग ने सुरक्षित निकाला बाहर..

**जगप्रेरणा कटंगी।**

***भीषण गर्मी के इस दौर में वन्यजीवों के लिए पानी का संकट गहराता जा रहा है। पानी की तलाश में भटकते हुए वन्य प्राणियों के रिहायशी इलाकों में आने और हादसों का शिकार होने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।***

ऐसा ही एक मामला कटंगी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम आंजनबिहारी से सामने आया है, जहां पानी की खोज में भटकी एक लोमड़ी अनियंत्रित होकर गहरे कुएं में जा गिरी।ग्रामीणों ने सुनी आवाजसूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम आंजनबिहारी के एक खेत में स्थित कुएं से अचानक अजीब आवाजें आ रही थीं। जब खेत मालिक और स्थानीय ग्रामीणों ने कुएं के भीतर झांककर देखा, तो वहां एक लोमड़ी पानी में तैरते हुए बाहर निकलने के लिए छटपटा रही थी। ग्रामीणों ने बिना समय गंवाए इसकी सूचना तुरंत स्थानीय वन विभाग की टीम को दी। देशी जुगाड़ से अनोखा रेस्क्यूसूचना मिलते ही वन परिक्षेत्राधिकारी के निर्देशन में वन कर्मियों की एक टीम तत्काल मौके पर पहुंची। कुआं काफी गहरा होने के कारण लोमड़ी को सीधे बाहर निकालना काफी जोखिम भरा था। ऐसे में वन विभाग की टीम ने सूझबूझ का परिचय देते हुए एक अनोखा और पारंपरिक तरीका अपनाया। टीम ने ग्रामीणों की मदद से एक लकड़ी की खटिया (खाट) का इंतजाम किया। खटिया को मजबूत रस्सियों से बांधकर धीरे-धीरे कुएं के भीतर पानी के स्तर तक उतारा गया।सुरक्षित जंगल में छोड़ाथकी-हारी लोमड़ी ने बिना देर किए तैरकर खटिया पर अपनी पकड़ बना ली और उस पर बैठ गई। इसके बाद वन कर्मियों ने बेहद सावधानी से रस्सियों को खींचते हुए खटिया सहित लोमड़ी को कुएं से बाहर निकाला। रेस्क्यू सफल होते ही ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, लोमड़ी पूरी तरह स्वस्थ थी। प्राथमिक जांच के बाद उसे सुरक्षित रूप से उसके प्राकृतिक आवास यानी घने जंगल में छोड़ दिया गया है। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे गर्मी में वन्यजीवों के लिए पानी के जलपात्र रखें।

# आंगनबाड़ियों को मिला राशन

**जगप्रेरणा कटंगी।**

***भीषण गर्मी के अवकाश में स्व-सहायता समूहों ने घर-घर पहुंचाया 'रेडी टू ईट' आहारकटंगी। भीषण गर्मी के प्रकोप को देखते हुए राज्य और स्थानीय प्रशासन के आदेशानुसार आंगनबाड़ी केंद्रों में 1 जून से 15 जून तक कुल 15 दिनों का ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित किया गया है।***

यह अवकाश मुख्य रूप से 3 से 6 वर्ष के छोटे बच्चों को लू और तेज धूप से बचाने के लिए दिया गया है। केंद्र बंद होने की स्थिति में भी बच्चों और महिलाओं का पोषण प्रभावित न हो, इसके लिए विभाग ने एक विशेष मुहिम शुरू की है।महिला एवं बाल विकास अधिकारी कटंगी, पुष्पेन्द्र रानाडे ने बताया कि ग्रीष्मकालीन अवकाश की इस अवधि में सभी पंजीकृत हितग्राहियों को घर-घर जाकर 'रेडी टू ईट' (ऋद्गड्डस्र4 ह्लश श्वड्डह्ल) पौषाहार के पैकेट वितरित किए जा रहे हैं। इस घर पहुंच सेवा का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि छुट्टियां होने के बावजूद कोई भी जरूरतमंद बच्चा या माता पोषण से वंचित न रहे। स्व-सहायता समूहों को मिली जिम्मेदारीमध्यप्रदेश सरकार की नीति के तहत इस पोषाहार को तैयार करने और बांटने का जिम्मा स्थानीय महिला स्व-सहायता समूहों को सौंपा गया है। अवकाश के दिनों में भी ये महिलाएं पूरी मुस्तैदी के साथ गांव-गांव जाकर पैकेट बांट रही हैं। इससे वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता आई है और स्थानीय महिलाओं को रोजगार भी मिला है।इन्हें मिल रहा योजना का लाभइस महत्वपूर्ण योजना के तहत मुख्य रूप से तीन श्रेणियों को शामिल कर लाभान्वित किया जा रहा है:आंगनबाड़ी बच्चेः 06 माह से 06 वर्ष तक के बच्चों के निरंतर शारीरिक विकास के लिए।गर्भवती महिलाएंः गर्भकाल के दौरान बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने के लिए

माताएंः शिशु के जन्म के बाद माता और नवजात दोनों की पोषण संबंधी जरूरतों के लिए।अधिकारी रानाडे ने स्पष्ट किया कि वितरित किए जा रहे रेडी टू ईट आहार की गुणवत्ता की नियमित जांच की जा रही है। छुट्टियों के दौरान सीधे घर पर शुद्ध और पौष्टिक भोजन मिलने से क्षेत्र के ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने इस पहल की सराहना की है।

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति
खैरलांजी जिला-बालाघाट (म. प्र.)

क्र./मंडी/तौलकांटा/2026-27/ खैरलांजी, दिनांक- 04/06/2026

।। निविदा आमंत्रण सूचना ।।

कृषि उपज मंडी समिति बालाघाट 'घ' 'श्रेणी' मंडी द्वारा ई-टेण्डरिंग के माध्यम से स्वयं के व्यय पर बिल्ट ऑपरेट एण्ड ट्रांसफर (बी.ओ.टी.) के तहत संरचना की स्थापना एवं संचालन हेतु वार्षिक प्रीमियम के आधार पर निविदा सिस्टम क्रमांक 2026 **MPSAM** 512660 1 के अंतर्गत ऑन लाईन निविदायें दिनांक 19.06.2026 को शाम 3:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को म0प्र0 शासन के ई - निविदा के पोर्टल **https://mp-tenders.gov.in** पर प्राप्त होगी एवं उक्त निविदा से संबंधित समस्त जानकारी मंडी बोर्ड के पोर्टल **www.mpmandiboard.co.in** पर भी अवलोकनीय होगी।

नोटः- आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना से संबंधित किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना अथवा अन्य जानकारी केवल उपरोक्तानुसार पोर्टल पर प्रदर्शित की जायेगी।

सचिव
कृषि उपज मंडी समिति
खैरलांजी

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
संजय टेंभरे लांजी
मो. 7697505999

जग प्रेरणा
# लांजी किरनापुर
● हिर्री ● भानेगांव ● मोहझरी ● बोलेगांव ● बहेला ● रिसेवाड़ा ● कारंजा ● साड़रा

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - 9329033433

## डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस की किल्लत से आमजन परेशान

### आवश्यक सेवाओं के वाहन प्रभावित, किसान और जरूरतमंद लोग चिंतित..

जगप्रेरणा लांजी।

***नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस की कमी से आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।***

स्थिति यह है कि पेट्रोल पंपों पर डीजल उपलब्ध नहीं होने के कारण वाहन चालक, किसान और व्यवसायी घंटों इंतजार करने के बाद भी खाली हाथ लौटने को मजबूर हैं। वहीं घरेलू रसोई गैस के लिए एजेंसियों के बाहर लंबी-लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं, जिससे लोगों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है।

### किसानों के सामने खड़ी हुई नई समस्या..

वर्तमान समय में क्षेत्र के किसान खरीफ फसल की तैयारियों में जुटे हुए हैं। खेतों की जुताई, बोवाई और अन्य कृषि कार्यों के लिए ट्रैक्टर एवं कृषि यंत्रों में डीजल की आवश्यकता होती है। लेकिन डीजल की कमी के चलते किसानों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कई किसान गांवों से कैन और ड्रम लेकर पेट्रोल पंपों तक पहुंचते हैं, लेकिन वहां 'डीजल समाप्त है, उपलब्ध होने पर दिया जाएगा' जैसे बोर्ड लगे होने से उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ता है।

किसानों का कहना है कि यदि जल्द ही डीजल की पर्याप्त आपूर्ति नहीं हुई तो खरीफ सीजन की तैयारियां प्रभावित हो सकती हैं, जिससे कृषि कार्यों में देरी होने की आशंका है।

### आवश्यक सेवाओं पर भी पड़ रहा असर..

डीजल और पेट्रोल की कमी का असर केवल किसानों तक सीमित नहीं है। एम्बुलेंस, स्कूल वाहन, मालवाहक वाहन, बस संचालक और अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोग भी ईंधन की कमी से परेशान हैं। कई वाहन चालक ईंधन की तलाश में एक पंप से दूसरे पंप तक भटकते नजर आ रहे हैं।

व्यापारियों का कहना है कि माल परिवहन प्रभावित होने से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर भी असर पड़ सकता है, जिससे भविष्य में अन्य वस्तुओं की उपलब्धता भी प्रभावित होने की आशंका है।

### रसोई गैस के लिए लंबी कतारें..

ईंधन संकट के साथ-साथ घरेलू रसोई गैस की कमी भी लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। गैस एजेंसियों और वितरण केंद्रों पर सुबह से ही उपभोक्ताओं की भीड़ लग रही है। कई स्थानों पर लोगों को घंटों लाइन में खड़े रहने के बाद भी गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं।

महिलाओं ने बताया कि रसोई गैस की अनिश्चित उपलब्धता के कारण घरेलू कामकाज प्रभावित हो रहा है। कई परिवारों को वैकल्पिक व्यवस्थाएं करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

### लोगों में बढ़ रही चिंता..

नगरवासियों का कहना है कि यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रही तो आमजन का दैनिक जीवन और अधिक प्रभावित होगा। किसानों, व्यापारियों, वाहन चालकों और गृहिणियों सहित हर वर्ग इस समस्या से जूझ रहा है। लोगों ने प्रशासन और संबंधित तेल एवं गैस कंपनियों से मांग की है कि डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए ताकि आमजन को राहत मिल सके।

### प्रशासन से त्वरित हस्तक्षेप की मांग..

क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों से मांग की है कि ईंधन और गैस की उपलब्धता को लेकर स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक की जाए तथा आपूर्ति व्यवस्था को शीघ्र सामान्य बनाया जाए।

लोगों का कहना है कि समय रहते समस्या का समाधान नहीं हुआ तो कृषि, परिवहन और घरेलू व्यवस्था पर इसका व्यापक असर पड़ सकता है। वर्तमान हालात में डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस की किल्लत लांजी क्षेत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही है।

## दोस्तो के साथ नहाने गए युवक की सावरी घाट में मौत, गांव में शोक का माहौल..

जगप्रेरणा लांजी।

***लांजी थाना अन्तर्गत ग्राम पंचायत सावरीकला के बड़ी बाघ नदी सावरीघाट में एक हृदय विदारक हादसा घटित हो गया जहां परिवार का सहारा 22 वर्षीय युवक की डूबने से मौत हो गई।***

घटना के बाद लगातार प्रशासनिक अमला, पुलिस प्रशासन, आपदा प्रबंधन दल, एसडीआरएफएवं स्थानीय गोताखोरों की टीम शव कि तलाश में लगी रही जो कि 4 जून को सुबह लगभग 10:30 बजे शव का रेस्क्यू किया गया। इस घटना में पुरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त हो गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहझरी निवासी प्रवीण उर्फ भूरू ठाकरे (22 वर्ष) पिता बसंत ठाकरे जो कि 3 जून को दोपहर लगभग 2 से 3 बजे अपने कुछ दोस्तों के साथ सावरी घाट बडी बाघ नदी पहुंचा था। नहाते समय वह अनजाने में अधिक गहरे पानी में चला गया और डूब गया। दोस्तों के चीखने-चिल्लाने के बावजूद वह पानी की सतह पर नहीं आया। जिसकी जानकारी दोस्तो के द्वारा स्थानीय लोगो एवं परिवार जनों को दी गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी लांजी अपने दल बल के साथ घटना स्थल पंहुचे साथ प्रशासनिक अमला भी घटना स्थल पर पंहुचा जहां एस डीएम कमलचंद सिंहसार, तहसीलदार लांजी, नायब तहसीलदार लांजी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी सहित एसडीआर एफ दल एवं स्थानीय गोताखोर मौजूद रहे। 3 जून को देर शाम तक प्रवीण का शव बरामद नही हो सका था। दुसरे दिन 4 जून को सुबह से पुलिस विभाग एवं अधिकारियों की उपस्थिती में ग्राम चिखलामाली के गोताखोरो एवं एसडीएआरएफ दल के द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। एसडीआरएफ टीम के साथ साथ चिखलामाली के गोताखोर जिनमें सुखदेव टेकाम, सोमेश्वर पन्द्रे, बलिराम पालेवार इन्होने कड़ी मेहनत कर लगातार पानी में उतरकर शव की तलाश की तथा लगभग 10:45 बजे मृत युवक प्रवीण के शव का रेस्क्यू कर पानी से बहार निकाला गया।

शव निकालने के बाद लांजी पुलिस के द्वारा मर्ग पंचनामा कार्यवाही कर शव को सिविल अस्पताल लांजी भेजा गया, जहां पोस्टमार्टम प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात शव परिजनों को सौंप दिया गया। इस दौरान ग्राम के सरपंच ओंकार रहांगडाले, जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे, सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे जिनके द्वारा भी सहयोग एवं मार्गदर्शन किया गया।

### घर का इकलौता सहारा था प्रवीण..

बतादे कि 22 वर्षीय प्रवीण अपने मॉ पिताजी का इकलौता पुत्र था, एक बहन है जिनका विवाह हो चुका है। परिवार का सहारा था प्रवीण जिसकी मौत के पश्चात परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। प्रवीण के जाने से मोहझरी सहित आसपास के गांवों में शोक का माहौल छा गया है। प्रवीण के जाने से पुरा परिवार टूटकर बिखर गया है। ग्रामीण जनों ने नम आंखो से प्रवीण को विदाई देते हुये मृत आत्मा के शांति के लिये ईश्वर से प्रार्थना की है।

वहीं सावरीघाट मे दोबारा इस प्रकार की घटनाऐ ना घटित हो इस हेतु स्थानीय लोगो ने प्रशासन से आग्रह किया है कि सावरी घाट में गहरे पानी वाले हिस्से पर चेतावनी बोर्ड लगाने और पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे हैं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न दोहराई जाएं।

## बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाना भाजपा की प्राथमिकता - अजय सुखदेवे

### भाजपा झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ कार्यकर्ता संवाद बैठक जिला भाजपा कार्यालय में संपंन, संगठन विस्तार एवं जन कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार पर हुआ मंथन..

जगप्रेरणा बालाघाट।

***भारतीय जनता पार्टी झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ की जिला कार्यकर्ता संवाद बैठक बुधवार 3 जून को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला भाजपा कार्यालय बालाघाट में आयोजित की गई।***

बैठक में संगठन विस्तार,बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में मुख्य अतिथि भाजपा झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अजय कुमार सुखदेवे, भाजपा जिला महामंत्री संजय मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र मोहरे, भाजपा नेता डॉ. वेद प्रकाश लिल्हारे सहित जिला एवं मंडल स्तर के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इसके पश्चात अतिथियों ने कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और बूथ स्तर पर पार्टी को और अधिक सशक्त बनाने का संदेश दिया।

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिला महामंत्री संजय मिश्रा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के सिद्धांतों पर कार्य कर रही है। पार्टी का उद्देश्य समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर सक्रिय रहकर संगठन विस्तार, जनसंपर्क और सेवा कार्यों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन ही भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति है और कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही पार्टी लगातार नए आयाम स्थापित कर रही है।

भाजपा झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अजय कुमार सुखदेवे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा अनेक जनहितैषी एवं कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ गरीब, किसान, महिला, युवा एवं जरूरतमंद वर्ग तक प्रभावी रूप से पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों और सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संगठन का मजबूत होना अत्यंत आवश्यक है।

श्री सुखदेवे ने कहा कि भाजपा का वास्तविक आधार उसके बूथ कार्यकर्ता हैं, जो जमीनी स्तर पर जनता के बीच रहकर संगठन और सरकार के बीच सेतु का कार्य करते हैं। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत एवं सक्रिय बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की विचारधारा और जनकल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि संगठन विस्तार, नियमित जनसंपर्क और सेवा कार्यों के माध्यम से भाजपा को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा।

भाजपा नेता डॉ. वेद प्रकाश लिल्हारे ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास और सुशासन का नया अध्याय लिखा गया है। केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंच रहा है, जिससे गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार भी विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है तथा प्रदेश को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

बैठक के दौरान संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने, सरकार की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन की मजबूती और जनसेवा के कार्यों को और अधिक गति देने का संकल्प लिया। बैठक में जिला एवं मंडल स्तर के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## आज विश्व पर्यावरण दिवसः वृक्षारोपण कर देंगे हरियाली का संदेश..

जगप्रेरणा लांजी।

***विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के अवसर पर लांजी क्षेत्र में आज बड़े स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पर्यावरण संरक्षण और हरित आंदोलन को*** बल देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सेवा भारती, एकल संच अभियान तथा महावीर इंटरनेशनल के सदस्य विभिन्न गांवों में पहुंच कर पौधे लगाएंगे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयं सेवकों द्वारा सुबह 7 बजे सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में पौधरोपण करेंगे, वहीं एकल संच अभियान व महावीर इंटरनेशनल के द्वारा लांजी क्षेत्र के सुलसुली, घोटी और पौसेरा गांवों में पहुंच कर वृक्षारोपण अभियान शुरू किया जाएगा। जिसमें नीम, पीपल, आम, शीशम, बांस और फलदार वृक्षों के पौधे लगाए जाएंगे। विशेष रूप से स्कूल परिसर, सार्वजनिक स्थानों और नालों के किनारे रोपण पर जोर रहेगा।

## संबल कार्डधारकों को 13 जून तक ई केवायसी करवाना अनिवार्य..

### समग्र ईकेवायसी के बिना संबलकार्ड होगें निरस्त..

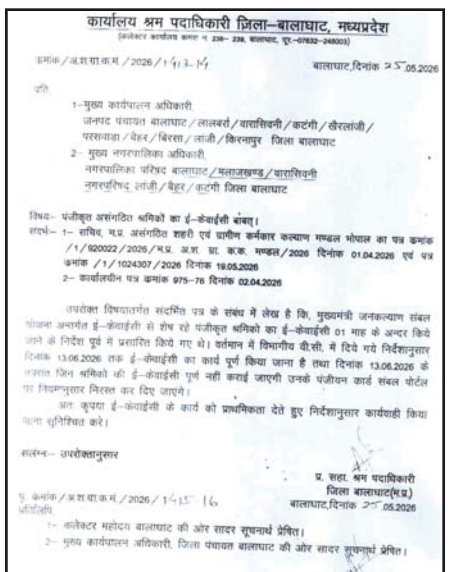

कार्यालय श्रम पदाधिकारी जिला–बालाघाट, मध्यप्रदेश

क्रमांक/अ.श.ग्रा.क.म./2026/1413-14 बालाघाट,दिनांक 25.05.2026

प्रति,

1–मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत बालाघाट/लालबर्रा/वारासिवनी/कटंगी/खैरलांजी/परसवाड़ा/बैहर/बिरसा/लांजी/किरनापुर जिला बालाघाट

2– मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद बालाघाट/मलाजखण्ड/वारासिवनी
नगरपरिषद लांजी/बैहर/कटंगी जिला बालाघाट

विषय– पंजीकृत असंगठित श्रमिकों का ई–केवाईसी बाबत्।

संदर्भ– 1– सचिव, म.प्र. असंगठित शहरी एवं ग्रामीण कर्मकार कल्याण मण्डल भोपाल का पत्र क्रमांक /1/920022/2026/म.प्र. अ.श. ग्रा. क.क. मण्डल/2026 दिनांक 01.04.2026 एवं पत्र क्रमांक /1/1024307/2026 दिनांक 19.05.2026
2– कार्यालयीन पत्र क्रमांक 975–76 दिनांक 02.04.2026

उपरोक्त विषयांतर्गत संदर्भित पत्र के संबंध में लेख है कि, मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना अन्तर्गत ई–केवाईसी से शेष रहे पंजीकृत श्रमिको का ई–केवाईसी 01 माह के अन्दर किये जाने के निर्देश पूर्व में प्रसारित किये गए थे। वर्तमान में विभागीय वी.सी. में दिये गये निर्देशानुसार दिनांक 13.06.2026 तक ई–केवाईसी का कार्य पूर्ण किया जाना है तथा दिनांक 13.06.2026 के उपरांत जिन श्रमिको की ई–केवाईसी पूर्ण नहीं कराई जाएगी उनके पंजीयन कार्ड संबल पोर्टल पर नियमानुसार निरस्त कर दिए जाएगे।

अतः कृपया ई–केवाईसी के कार्य को प्राथमिकता देते हुए निर्देशानुसार कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करे।

संलग्न– उपरोक्तानुसार

प्र. सहा. श्रम पदाधिकारी
जिला बालाघाट(म.प्र.)

पृ. क्रमांक/अ.श.ग्रा.क.म./2026/1415-16 बालाघाट,दिनांक 25.05.2026

प्रतिलिपि
1– कलेक्टर महोदय बालाघाट की ओर सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2– मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बालाघाट की ओर सादर सूचनार्थ प्रेषित।

प्र. सहा. श्रम पदाधिकारी
जिला बालाघाट(म.प्र.)

जगप्रेरणा बालाघाट।

***मध्यप्रदेश असंगठित शहरी एवं ग्रामीण कर्मकार कल्याण मण्डल भोपाल के आदेशानुसार मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के अंतर्गत ई-केवायसी से शेष रहे पंजीकृत श्रमिकों को 13 जून 2026 तक अनिवार्य रूप से*** समग्र ई-केवायसी करवाना होगी। उपरोक्त जानकारी देते हुये नगरपालिका बालाघाट के समग्र-आयुष्मान सेवा केन्द्र प्रभारी राकेशवर्मा ताम्रकार बताया कि ईकेवायसी के अभाव में पंजीकृत संबलकार्ड नियमानुसार निरस्त कर दिये जायेगें। नगरीय निकाय के ऐसे संबल कार्डधारक जिन्होंने अभी तक ईकेवायसी नहीं करवायी है वह नगरपालिका, नगरपरिषद, ग्राम पंचायत सहित अधिकृत एमपीऑनलाईन व सीएससी सेंटर में जाकर करवा सकते है जिसके लिए समग्र आईडी, आधारकार्ड एवं ओटीपी के लिए आधारकार्ड से लिंक मोबाईल की आवश्यकता होती है। ईकेवायसी करवाते समय संबल कार्डधारक को स्वयं उपस्थिति आवश्यक नहीं है।

वर्ष 2018 में बने हुये जो संबल कार्ड निरस्त हो चुके है वह भी नवीन संबल कार्ड बनाने के अपील कर सकते है। गौरतलब है मध्यप्रदेश में समग्र आईडी एक महत्वपूर्ण डाक्यूमेंट है जिसके समग्र आधारकार्ड ईकेवायसी के बिना किसी भी शासकीय सुविधाओं का लाभ प्राप्त नहीं किया जा सकता है।

मध्यप्रदेश के भूतपूर्व निवासी जो प्रदेश के बाहर निवास करते है और उन्होंने अपना आधारकार्ड में भी पता परिवर्तन करवा लिया है अथवा ऐसे निवासी जो अन्य प्रदेश से है लेकिन वर्तमान में मध्यप्रदेश में निवास कर रहे है उनके लिए कुछ विशेष शासकीय कार्यों के लिए मध्यप्रदेश की अप्रवासी समग्र आईडी तत्काल जारी की जाती है।

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सोमग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 93290-33433

दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 94070 33433


## प्रकृति, पर्यावरण और हम..

एक दूसरे के पूरक है। फिर भी आज एक दूसरे के विरुद्ध खड़े हैं। कभी गर्मी में सूर्य आग उगल रहा है। कभी बारिश में बादल फट रहे हैं। हवा तूफान सब कुछ उड़ा रहा है। कभी बारिश का पानी तबाही मचा रहा है द्य कभी ठंड से सिकुड़ रहे हैं। प्रकृति मौसम बे मौसम अपना अलग ही रंग दिखा रही है। और हम प्रकृति को दोस्त देते हैं। क्या इसमें प्रकृति का दोष है?

इसका जिम्मेदार केवल दिमाग धारी मनुष्य है द्य जो विकास के लिए सुख साधन के लिए पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ने के लिए विज्ञान के साथ अपना दिमाग चला रहा है।

शिवजी भस्मासुर की तपस्या से प्रसन्न होकर वरदान दिया कहा जिसके सिर पर तू अपना हाथ रखेगा वह जलकर भस्म हो जाएगा और तू विजेता बनेगा लेकिन भस्मासुर विश्व विजेता बनने के लिए शिवजी के मस्तक पर हाथ रखने के लिए शिवजी के पीछे ही दौड़ पड़ा द्य यही कहानी आज प्रकृति और मनुष्य के बीच साबित हो रही है।

प्रकृति ने मनुष्य को सबसे सर्वश्रेष्ठ बुद्धिमान बनाया द्य आज वही बुद्धि का इस्तेमाल कर मनुष्य विकास के नाम पर धरती और प्रकृति दोनों को नुकसान पहुंचा रहा है।

धरती और पर्यावरण के लिए जो वरदान स्वरुप है। पेड़, पौधे, पहाड़ ,नदी ,मिट्टी ,हवा, जल, पशु ,पक्षी, और जंतु इनका ही अपने विकास कार्यों के लिए सुख सुविधाओं के लिए सर्वनाश कर रहा है। हम मानते हैं विकास जरूरी है। लेकिन एक निश्चित ता के साथ, यहां तक नहीं कि मनुष्य का जीना ही दूबर हो जाए।

अभी तक हम गर्मी से बचने के उपाय कर रहे थे। अब बारिश से बचने के उपाय करना शुरू कर देंगे। और आने वाले कल में ठंड से बचना मुश्किल होगा। कुछ सालों पहले तक हर मौसम हमारे लिए अनुकूल था। और आज हम एक दूसरे के विरोध खड़े हैं। और हमारे लिए नुकसानदायक बन रहे हैं। इसलिए आज हर मौसम में हमें अपने आप को सुरक्षित रखने का डर सता रहा है।

प्रकृति की हर रचना विज्ञान और विकास के लिए जरूरी है। वही आज प्रकृति का दुश्मन बन रहा है। प्रकृति कहां तक सहन करेगी।

एक कहावत है द्य किसी भी चीज की( अति का अंत ) होता है द्य मानव ने प्रकृति का जो नुकसान जल वायु पेड़ पौधे जमीन का किया है द्य उसकी भरपाई हम कभी नहीं कर सकते द्य ना जल बचाकर, ना पेड़ लगाकर, किसी भी चीज का नुकसान उसकी भर पाई नहीं हो सकती। सिर्फ अपनी तसल्ली के लिए मन को मनाने वाली बात है।

आज बढ़ते मकान के कारण खेती की जमीन कम हो रही है द्य ज्यादा उत्पादन के लिए खेती की मिट्टी दवाइयां से जहर बन गई है द्य रोड बनाने के लिए झाड़ कट रहे हैं। पहाड़ खत्म हो रहे हैं द्यमानव संसाधन के लिए बड़े-बड़े कल कारखाने आज धुआं उगल रहे हैं द्य प्रकृति को सुरक्षित और मजबूत रखने वाले सिस्टम को हमने उलट पलट कर दिया है। हमने प्रकृति को खोखली कर दिया है द्य यहां तक की पशु पक्षियों को भी नहीं छोड़ा द्य जो प्रकृति और मनुष्य जीवन के पूरक है। प्रकृति से जो वस्तुएं हमें मिलती है द्य क्या वह हमें बाजार में मिलेगी ? जो हम खरीद कर प्रकृति को लौटा देंगे द्य हमने ओरिजिनल कुछ रखा ही नहीं द्य इसलिए आज चारों तरफ बनावटी चीज ही दिख रही है।

आज विकास कर आधुनिकता की दौड़ में हर मनुष्य बंगले में रह रहा है। शानदार गाड़ियों में घूम रहा है द्य विविध प्रकार के फ्रूट फल अनाज खा रहा है। डनलप के पलंग और बिस्तर में सो रहा है द्य तरह-तरह के कंपनियों के कपड़े पहन रहा हैद्य डब्बा बंद खाना खा रहा है द्य पॉलिथीन पैक फूड खा रहा है द्य लाखो लाखो रुपए कमा कर शान से जी रहा है। और अपने आप को सुख सुविधा युक्त मानता है। यही सब पाने के लिए प्रकृति को इंसान ने माध्यम बनाया।

आज जीवन के लिए जरूरी है द्य वह है शुद्ध हवा पानी, स्वच्छ वातावरण, शुद्ध खानपान लेकिन वह सब प्रदूषित हो चुका है। अपनी ओरिजिनल गुणवत्ता खोकर आज नकली हो गए हैं।

इतनी सुख सुविधा संसाधन मेडिकल के बावजूद लोग डर-डरकर जीने पर विवश है द्य कहीं शुगर ना हो जाए, बीपी ना हो जाए, थायराइड ना हो जाए, अचानक मौत ना आ जाए।

और आज के समय में स्वस्थ रहने के लिए रोज नए-नए उपाय सोच रहा है द्य जिम जा रहे हैं द्य योगा एक्सरसाइज कर रहे हैंद्य डाइट फॉलो कर रहे हैं मोटापा से परेशान है द्य खाना सामने होने के बाद भी नहीं खा पा रहे हैं द्य परिवार टूट रहे हैं द्य तब सोचते हैं।

क्या, कभी मिट्टी के मटके का ठंडा पानी नुकसानदायक था ?

क्या, कभी कीड़े लगे हुए अनाज नुकसान दायक थे ?

क्या, कभी बिना फ्रिज के दही दूध भाजी नहीं रखते थे ?

क्या, कभी देसी दूध घी गुड़ का भोजन नुकसान करता था ?

क्या, कभी मिट्टी के घर में रहना नुकसान करता था?

क्या, कभी आयुर्वेदिक दवाई नकली होती थी?

क्या, कभी कपास के गद्दे बिस्तर नुकसान करते थे ?

क्या, कभी आंगन में जामुन पीपल नीम के झाड़ नुकसान दायक थे ?

क्या, कभी बस ट्रेन और बैलगाड़ी में बैठना नुकसान करता था?

क्या, कभी परिवार में 8-10 लोगों का होना बोझ लगता था ?

क्या, कभी परिवार में एक स्कूटर साइकिल होने का अफसोस होता था ? क्या, कभी घर आंगन में शादी होना बारात आना शान के खिलाफ था ?

क्या, खुला अनाज पानी लेना स्वास्थ्य के लिए नुकसान कारक था ?

क्या, कभी 10 साल 15 साल के बच्चों को अटैक आता था ?

नहीं

फिर भी मानव का जीवन सुख, शांति, समृद्धि, खुशियों से भरा था क्योंकि सबके पास समय ही समय था द्य जीवन जीने का (मकसद ) था परिवार, प्यार ,भावना, ममता, करुणा, सेवा ,अपनापन जो,सही मायने में जीवन था।

मनुष्य के जीवन में विकास हुआ आधुनिकता बड़ी साथ में पैसा बड़ा जिंदगी दिखावे और भाग दौड़ में बदल गई।

लेकिन साथ में भोग, विलास, आलस ,चिंता, निडरता, अभिमान, और लालच, दुश्मनी, बीमारियां बढ़ गई द्य दुनिया ने विकास के नाम पर कुछ नहीं छोड़ा मनुष्य का पुतला बना लिया बस जान डालना बाकी है द्य अगर यह भी हो गया तो धरती पर मनुष्य की प्राकृतिक जन्म मृत्यु की लीलाएं समाप्त हो जाएगी।

प्रकृति और धरती माता ने अपना संतुलन बनाए रखने के लिए सभी तरह की रचना की थी। इस रचना को तहस-नस कर दिया आगे और क्या होगा द्य आने वाली पीढ़ी को हम क्या देके जाएंगे द्य कितना कठिन जीवन होगा यह तो आने वाला समय बताएगा।

फिर भी जागे तब सवेरा जितना हो सके पर्यावरण का संरक्षण करें द्य अपने आसपास स्वच्छता रखे द्य जल का संरक्षण करें द्य पॉलिथीन बंद करें द्य ध्वनि प्रदूषण ,वायु प्रदूषण को कम करें , जितने हो सके पेड़ लगाए , और उनकी सुरक्षा करें द्य अपनी आवश्यकता को कम करें द्य प्रकृति के सम्मान में हम इतना जरूर करें द्यअपने पैरों में कुल्हाड़ी मारी है इलाज भी हमें करना होगा

लेखिका

मीना चावड़ा

## कहता है ये दुनिया हमारी है..

कहता है ये दुनिया हमारी है,
और वृक्ष पे चलाता आरी है।

पंच तत्व से बना है ये संसार,
रखें सुरक्षित ये जिम्मेदारी है।

साँसों का नहीं भरोसा अपना,
और करें भविष्य की तैयारी है।

जब रोक सके न मौत को कोई,
कैसे कहें जीवन में हिस्सेदारी है।

विकास कह कर विनाश कर रहा,
और जग में कहता ये होशियारी है।

मानवता को भुला के मानव आज,
उजाला स्वयं बन गया दुराचारी है।

अनिल कसेर 'उजाला'

## काम का अपने

काम का अपने
उचित दाम लेना।
सोच समझ कर
हिम्मत से काम लेना।
बढ़ाया हूं दो कदम
यदि मैं देश के हित में,
तो तुम चार कदम
बढ़कर मुझे थाम लेना।

लेखक

रामनारायण कश्यप

## मेरा गुस्सा देखें है..

मेरा गुस्सा देखें है मेरा फन जानते हैं
मुझसे बेहतर मुझे दुश्मन जानते हैं।

मरो या मारो के सिद्धांत पर चलते हैं
साथ लेके चलते हैं कफ़न जानते हैं।

वो हंसके मिले या साथ बैठकर पीये
कुछ लोगों का कपटी मन जानते हैं।

यारी, रिस्तेदारी,
दुनिया सब देख ली है
सबमें सब कुछ होता है धन जानते हैं।

कुछ अलग है 'संजय'
यहां पहचान मेरी
मुझे मेरी बुराई से
सब जन जानते हैं।

लेखक

संजय अश्क
पुलपुट्टा, बालाघाट


## व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट एवं गोंदिया से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्स अप पर भी आम जनों के लिये उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हैं। जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को किसी भी ग्रुप से जोड़ा जा सकता है।


## शब्दवर्गपहेली क्र.- 183

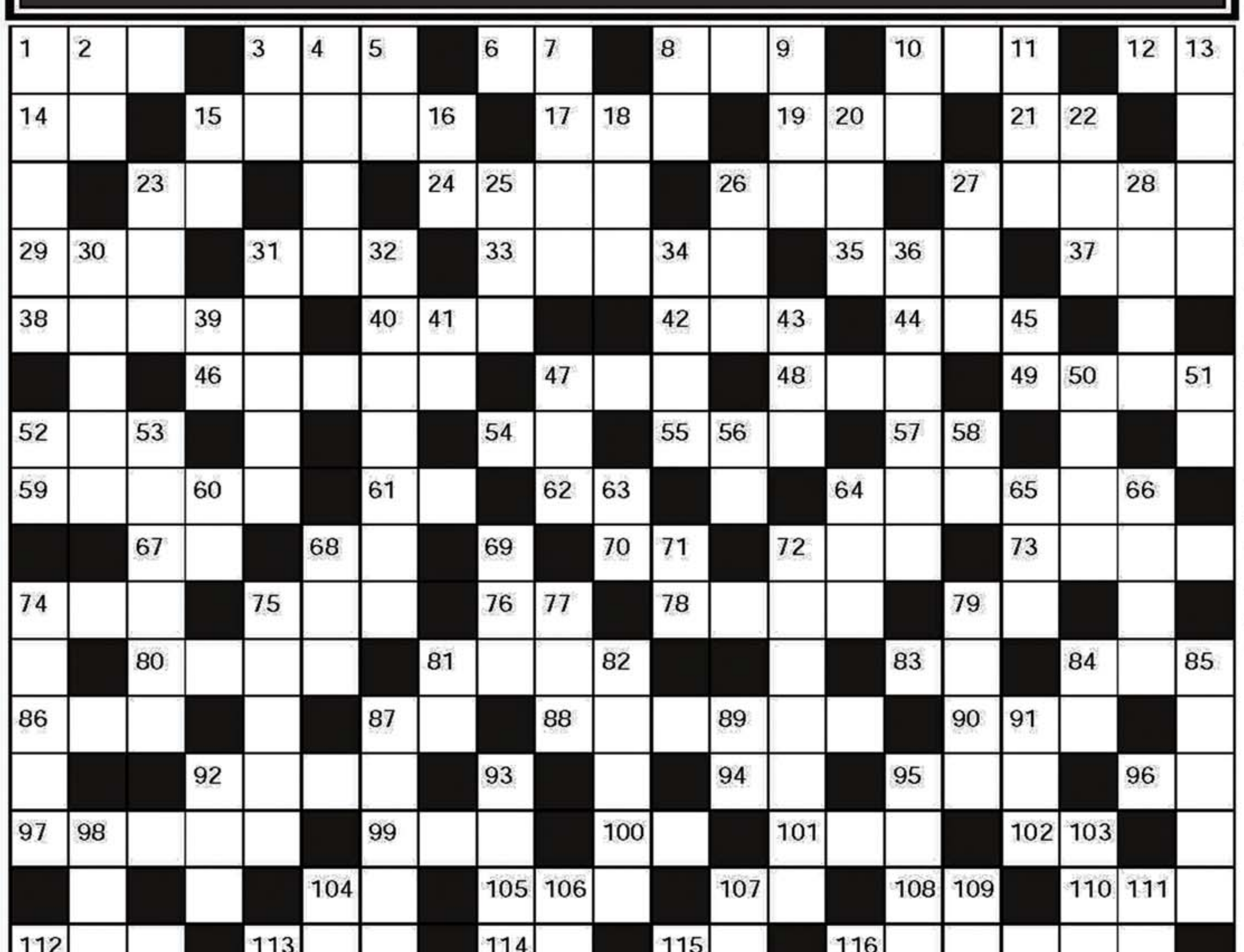

ck;sa ls nk;sa –1) एक दशरथ पुत्र 3) विवाह का मुकूट 6) मुसलमानों का एक त्यौहार 8) नदारद 10) दिनांक 12) राजा दशरथ का एक नाती 14) कमर 15) गुजरात की एक प्रसिद्ध नदी 17) वक्त 19) लक्ष्मी 21) पर्यंत 23) बलवान 24) छेने से बनाया जानेवाला एक मिष्टान्न 26) रीती, ढंग 27) मदिरालय 29) फौजियों को दी जानेवाली खाद्य सामग्री आदी 31) जाने की क्रिया 33) आश्रय लेना 35) दृष्टी 37) रसिया 38) बच्चों का सोलह में से एक संस्कार 40) स्त्री 42) अनोखा, आश्चर्य 44) नशीला 46) फिल्म पाकिजा की नायिका 47) इच्छा 48) सुंदर 49) पात्र 52) बोझ ड़ालना 54) जनावरों का खाद्य 55) एक लचीला पदार्थ 57) किनारा 59) नाटक या फिल्मों में नायक का विरोधी या सबसे दुष्ट पात्र 61) लेकिन 62) कहानी 64) लेनादेना 67) फंदा, जाल 68) पुल 70) ओठ 72) आघात, वार 73) राजस्थान की एक प्रमुख जाती 74) मूलतः जापान का आधुनिक किस्म का व्यायाम का प्रकार या खेल जो भारत में भी लोकप्रिय हो गया है 75) किसी शहर का भाग, टोला या पाडा 76) पत्र 78) साथमें किया जानेवाला काम , सहयोग 79) युद्ध 80) व्यायाम 81) नींबू के रस का गरमी में पिया जानेवाला पेय 83) फायदा 84) मरण शौच 86) वेग 87) मकान 88) प्रसिद्ध तीन स्वतंत्रता सेनानियों के संक्षिप्त नामों का संयुक्त रूप 90) कबुतरों को रखने का खानेदार घर 92) अंधेरा 94) श्रीकृष्ण का वंश 95) स्वच्छता 96) हमारा राष्ट्रीय पक्षी 97) श्रीकृष्ण 99) प्रतिशोध 100) कपोल 101) मुलायम 102) हद 104) मां की बहन का पति 105) अधीर, व्याकुल 107) प्रतिज्ञा 108) परिमाण, तौल, सम्मान 110) तुरन्त चुकाया जानेवाला रूपया पैसा 112) इराक की मुद्रा 113) मालूम करना 114) सुजी 115) उत्सव 116) हिमालय की एक चोटी या झील, प्रेमचन्दजी का कहानी संग्रह, जिसके अनेक भाग है

Åij ls uhps &1) संदेह करना 2) गलती 3) एक फल जिसकी पैदावार हिमाचल प्रदेश में बहुतायात से होती है 4) हमेशा 5) राजा जनक के दामाद 7) दस बार 8) गौ 9) अजा 10) बंद घरों का बेजान रक्षक 11) जोखिम 13) लज्जाजनक 15) पत्नी की बहन 16) धनुष्य 18) नाविक 20) घर 22) कब्र 23) एक पक्षी 25) ख्वाब 26) तानने की क्रिया, तनातनी 27) एक ऋतु 28) विशेषता, स्वभाव 30) एक राजनीतिक दल जिसके एक नेता नितीश कुमार थे 31) गणेशजी 32) हमारे राज्यसभा की एक भूतपूर्व उपाध्यक्षा 34) लेनेवाला 36) जामिन लेनेवाला, प्रतिभू 39) ताश का एक खेल 41) स्त्री 43) तरंग 45) किस समय 47) एक देश, जिसकी राजधानी तेहरान है 50) रसीला 51) आर्द्रता 52) सौ हजार 53) फिल्म प्रहार के निर्देशक व अभिनेता 56) बेटे की पत्नी 58) एक विदेशी तौल, घंटे की आवाज 60) कीर्ति 63) बड़ी थाली 64) भोजन 65) सबूत 66) नया आया हुआ 68) स्वास्थ्य 69) चोटी 71) सवारियों को एक स्थान से दुसरे स्थान पर ले जानेवाला वाहन 72) बैडमिंटन का एक विश्वविख्यात भारतीय खिलाडी 74) कदर करनेवाला 75) श्रीकृष्ण 77) एक ताल वाद्य 79) दूर किया हुआ या हटाया हुआ 81) बाण 82) किसी वस्तू का इच्छूक 84) प्रदेश, प्रांत 85) कमरपट्टा 87) लाक्षणिक दृष्टी से शादी करना 89) लोप, विलय 91) अमीरी 92) वालिपुत्र वानर जो रावण के पास राम का दूत बनकर गया था 93) अदाकार 95) मोर की हत्या में फसा हुआ अभिनेता 98) स्थगित होना, हटना 103) मनुष्य 104) चुपचाप, मूक 106) रोटी सेंकने का लोहे का गोल पात्र 107) सवाल 109) रक्तवाहिनी,नली 111) हाथ (जवाब अगले अंक मे)

### पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मु | र | ली | ध | र | | ब | र | बा | द | | भो | पा | ल | | स | दा | शि | व | | प |
| ग | जा | न | न | | दि | ला | सा | | रा | स | | ल | ह | ल | हा | ना | | रा | हु | ल |
| ले | ई | | वा | य | व्य | | ल | की | र | का | फ | की | र | | य | | मा | ह | | ट |
| आ | | दा | न | व | | ह | | ट | | र | न | | | प | ता | का | | गि | न | ना |
| ज | प | ना | | न | क | ल | ची | | ग | ण | | र | प | ट | | | ज | रि | या | |
| म | | पा | प | | द | वा | | न | म | | प | वि | त्र | | ची | न | | वें | | सू |
| | बो | नी | क | पू | र | | शा | म | | गौ | री | शं | क | र | | | नो | क | दा | र |
| चो | री | | वा | र | दा | त | | क | ह | र | | क | | ज | ग | त | | ट | | त |
| | बं | ध | न | | न | र | सि | ह | रा | व | | र | सि | क | | ह | र | गि | ज | |
| ग | द | र | | ने | | फ | ह | रा | ना | | सा | | धा | | मृ | | प | रि | वा | र |
| श | र | म | ना | क | | दा | | म | | प | क्षी | | र | ज | त | प | ट | | न | ख |
| खा | | क | ई | | ग | री | बी | | दा | ह | | ज | ना | ब | | शु | | ता | | वा |
| ना | सू | र | | ल | त | | त | न | म | न | ध | न | | ल | ब | | गु | ज | रा | ल |
| | ज | म | घ | ट | | पा | ना | | | ना | रा | | सु | पु | र्द | गी | | म | | दा |
| सी | ना | | ट | क | ट | की | | का | बा | | त | ना | | र | वा | | स | ह | च | र |
| मा | | सु | ना | ना | | जा | न | की | बा | जी | ल | गा | ना | | न | | जा | ल | ना | |

anumeya-08446302691

# सिंधू इंडोनेशिया ओपन से बाहर, हरिहरन और अर्जुन की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

***दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को लगातार दूसरे सप्ताह विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग से हार का सामना करना पड़ा जिससे वह गुरुवार को यहां इंडोनेशिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।***

सिंधू पिछले सप्ताह सिंगापुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी से हार गई थीं। सिंधू ने इंडोनेशिया ओपन के राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया और आखिर में 17-21, 14-21 से हार गईं।

इस हार से सिंधू की ओलंपिक चैंपियन के खिलाफ हार का सिलसिला 10 मैच तक बढ़ गया। भारतीय खिलाड़ी अभी तक आन के खिलाफ एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाई है।

इस बीच हरिहरन अम्साकरुणन और एमआर अर्जुन की पुरुष युगल जोड़ी ने आरोन ताइ और केंग खाई शिंग की मलेशिया की बेहतर रैंकिंग वाली जोड़ी को हराकर उलटफेर करते हुए पहली बार किसी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। हरिहरन और अर्जुन ने राउंड ऑफ16 मैच में पहला गेम गंवाने के बाद 16-21, 21-15, 21-19 से जीत दर्ज की। मलेशिया की इस जोड़ी ने ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप 2026 के पहले दौर में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की स्टार जोड़ी को हराया था।

हरिहरन और अर्जुन की जोड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद दूसरे गेम में जोरदार वापसी की और मैच को निर्णायक गेम में खींचाा। आखिरी गेम में भारतीय जोड़ी 16-17 से पीछे चल रही थी लेकिन उन्होंने धैर्य बरकरार रखते हुए 48 मिनट में जीत हासिल कर ली। भारतीय जोड़ी अब अगले दौर में सातवीं वरीयता प्राप्त मलेशिया के गोह जे फेई और नूर इज्जुद्दीन से भिड़ेगी। पुरुषों के एकल वर्ग में आयुष शेट्टी को हांगकांग के ली चेउक यिउ के खिलाफ 21-16, 13-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा।

सिंधू और आन ने पहले गेम के शुरू में एक दूसरे के सामने कड़ी चुनौती पेश की। एक समय स्कोर 10-10 पर बराबर था। इस दौरान सिंधू ने अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म की झलक दिखाई और कोरियाई खिलाड़ी पर दबाव बनाने में कामयाब रहीं।

सिंधू अपने आक्रामक स्ट्रोकप्ले के दम पर 15-14 से आगे निकल गईं, लेकिन आन ने अपने खास अंदाज में जवाब देते हुए लगातार अंक हासिल किए और 19-16 की बढ़त बना ली। इसके बाद कोरियाई खिलाड़ी ने लगातार दो अंक जीते और पहला गेम अपने नाम कर लिया। इस दौरान दोनों खिलाड़ियों के बीच 41 शॉट की रैली भी देखने को मिली। आन ने दूसरे गेम में आक्रामक शुरुआत की और 13-6 की बढ़त हासिल कर ली। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बावजूद प्रत्येक अंक के लिए संघर्ष जारी रखा। उन्होंने इस बीच कुछ महत्वपूर्ण अंक भी हासिल किये। लेकिन आन का कोर्ट कवरेज अच्छा था और उन्हें मैच जीत कर क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई।

# शिल्पा शिंदे के झूठे आरोपों पर भड़कीं हिना खान, 'भाबीजी घर पर हैं' एक्ट्रेस को लगाई फटकार, बोलीं- संजय कोहली असली पीड़ित हैं..

डेस्क जगप्रेरणा।

***मशहूर एक्ट्रेस हिना खान ने सोशल मीडिया पर 'भाबीजी घर पर हैं' फेम शिल्पा शिंदे को लेकर हो रहे विवाद पर अपनी राय रखी है, उन्होंने शिल्पा की बातों को बेहद शर्मनाक बताया है।***

शिल्पा शिंदे ने भारती सिंह के लेटेस्ट पॉडकास्ट के दौरान खुलासा किया था कि उन्होंने प्रोड्यूसर संजय कोहली के खिलाफ जो यौन उत्पीड़न का झूठा मामला दर्ज कराया था। अब इस मामले पर रिएक्ट करते हुए, अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर हिना ने एक नोट शेयर किया है, जिनसे हैरान कर दिया।

## शिल्पा शिंदे से नाराज हिना खान..

हिना ने लिखा, 'हां, संघर्ष के दौरान जीतने के लिए किसी की छवि खराब करने के लिए इस तरह की बातों का इस्तेमाल करना बिल्कुल शर्मनाक है।' एक्ट्रेस ने आगे यह भी कहा कि ऐसे मामलों में न्याय मांगना बिल्कुल सही है, लेकिन झूठ बोलना गलत है। हिना ने कहा कि शिल्पा द्वारा संजय कोहली के खिलाफ झूठे यौन उत्पीड़न के आरोप लगाने की बात सुनने के बाद वह हैरान रह गईं। एक्ट्रेस ने आगे लिखा, 'लेकिन मैं यहां असली विक्टिम के बारे में बात करना चाहती हूं। एक इज्जतदार आदमी जिसकी एक पत्नी, एक बेटी और उसके परिवार में कई औरतें हैं।'

## इस वजह से हैरान रह गईं हिना खान..

एक्ट्रेस हिना ने इसी नोट में आगे प्रोड्यूसर संजय कोहली का बचाव किया, जिनके खिलाफ शिल्पा ने आरोप लगाए थे। उन्हें एक मेहनती प्रोड्यूसर बताया।

उन्होंने आगे कहा, 'जैसा कि फीमेल एक्टर ने माना उनके आरोप सिर्फ बेबुनियाद नहीं थे, बल्कि उनका इस्तेमाल फायदा उठाने, जीतने, स्कोर करने, दावा करने, कानून का इस्तेमाल किए बिना समझौता करने के लिए किया गया था।' हिना ने इस बात पर भी यकीन नहीं किया कि उसी प्रोड्यूसर ने बाद में उस एक्ट्रेस को काम दिया, जिसने उस पर आरोप लगाया था।

उन्होंने लिखा, 'और उसके बाद भी वही प्रोड्यूसर वही शो उसी इंसान को देता है। एक और लॉन्चपैड, एक और माउथपीस, एक और रेलेवेंस, सेक्सुअल असॉल्ट के अपने फेक क्लेम को सही साबित करने का एक और मौका।'

अपने नोट के आखिर में हिना ने सवाल किया, 'क्या होगा अगर एक्ट्रेस ने इसे फिर दोहराया? आखिर उन्हें वही शो दिया गया है, जिस पर उसने झूठा आरोप लगाया था। क्या मजाक है।'

## शिल्पा शिंदे क्यों हो रही ट्रोल?

पॉडकास्ट में शिल्पा ने माना कि आरोप झूठा था और दावा किया कि उन्होंने केस इसलिए किया क्योंकि उस समय उनके पास कोई और रास्ता नहीं था। उन्होंने आगे कहा कि मामला आखिरकार सुलझ गया और उनके पेंडिंग पेमेंट क्लियर हो गए। इसके बाद से वह सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रही है।

# शाहरुख खान ने किया तगड़ा प्रैंक, घबरा गए अर्जुन रामपाल और प्रीति जिंटा, सैफ भी मान बैठे सच, पूरी टीम की हो गई सिट्टी पिट्टी गुम..

डेस्क जगप्रेरणा।

***बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान अपने कूल और काम अंदाज के लिए जाने जाते हैं। वो अपनी एक्टिंग के साथ ही अपने अंदाज से भी लोगों का दिल जीत लेते हैं। अक्सर उनके कई वीडियो वायरल होते हैं,***

जिसमें वो ऐसी बातें कहते नजर आते हैं जो लोगों के लिए इंस्पिरेशन बन जाती हैं, लेकिन इस बार उनका एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें उनका गुस्से से भरा मिजाज देखने को मिल रहा है। अब सवाल ये आता है कि शाहरुख इस तरह गुस्से में क्यों तमतमाएं हैं? शाहरुख खान क्या सच में इतना गुस्सा हैं या ये कोई मजाक है? कई फैंस इस वीडियो को देख चौंक रहे हैं तो कुछ उनके अनोखे सेंस ऑफह्यूमर को परख लिया है और असल माजरा जान गए हैं। आपको भी हम मामले की पूरी सच्चाई बताते हैं। दरअसल शाहरुख खान ने एक तगड़ा वाला प्रैंक किया था।

## जब भड़क गए शाहरुख खान..

लोगों शाहरुख खान के सेंस ऑफ ह्यूमर की हमेशा तारीफ करते रहे हैं। कई अवॉर्ड शोज में उनकी विटीनेस और मजाकियां अंदाज देखने को मिलता रहा है। इस बार भी माजरा कुछ ऐसा ही ठहरा। शाहरुख भले ही वीडियो में बेहद गुस्से में दिख रहे हैं। वो क्रू पर चीखते-चिल्लाते नजर आ रहे हैं और इस दौरान प्रीति जिंटा, अर्जुन रामपाल और सैफअली खान भी वहां मौजूद हैं। ड्रेसिंग एरिया में बैठे अर्जुन कपूर को आप वीडियो की शुरुआत में ही देख सकते हैं, जैसे ही शाहरुख नीचे रखी किसी चीज को लात मारते हैं वो घबराकर उन्हें देखने लगते हैं। इसके अलावा क्रू के बीच बैठे मास्टर गणेश टेक्निकल ग्लिच की सफाई देते हैं, जिसके बाद भी शाहरुख का गुस्सा शांत नहीं होता, ये देख फ्रू क्रू घबरा जाता है। ऐसे में सैफअली खान और प्रीति जिंटा शुरुआत में खामोश रहते हैं, लेकिन फिर बीच में ही सैफ अली खान, शाहरुख खान की बात को सीरियसली लेने के लिए कहते हैं।

## शाहरुख खान कर रहे थे प्रैंक..

इस दौरान ये कोई भी नहीं आंक पाता कि शाहरुख खान पूरी तरह से मजाक कर रहे हैं और ये उनकी ओर से किया गया प्रैंक है। प्रीति जिंटा, अर्जुन रामपाल और सैफ अली खान तीनों ही इसे सच मान लेते हैं। दरअसल ये वीडियो 2004 के टेंपटेशन टूर से सामने आया है, जिसमें शाहरुख खान के साथ प्रीति जिंटा, अर्जुन रामपाल, सैफ अली खान, रानी मुखर्जी और प्रियंका चोपड़ा भी शामिल थे। इस पूरे सीन के दौरान क्या बातें हुईं और किस तरह से ये खुलासा हुआ कि ये सिर्फ एक प्रैंक हैं, आपको ये बताते हैं।

## कुछ इस तरह हुई थी पूरी बातचीत..

शाहरुख टीम से पूछते हैं कि उनके परफॉर्मेंस के दौरान 'छैया छैया' गाना गलत समय पर क्यों बजा, बातचीत शुरू होते ही वह जोर से चिल्लाते हैं। इसके अलावा वह एक **AV** गड़बड़ी का जिक्र करते हैं और मजार नाम के एक आदमी से सफाई भी मांगते हैं। शाहरुख हाथ में कॉफी का कप और सिगरेट लिए हुए वह कहते हैं, 'हम इस घटिया चीज से हैरान रह जाते हैं और फिर **AV** खराब हो जाता है। मुझे चोट लगी, मुझे पता ही नहीं चला कि गाना कब शुरू हुआ, मैं नीचे भागा। यह सब क्या बकवास है यार?' फिर वह कहते हैं, 'तुम लोगों के पास बिल्कुल भी दिमाग नहीं है? क्या शो करते समय तुम लोग नशे में होते हो? आखिर चल क्या रहा है?' वो आगे कहते हैं, 'तकनीकी चीजें हैं, यह दसवां शो है, पहला शो नहीं। हम हर शो में ऐसे ही गलतियाँ कैसे करते रह सकते हैं? हर शो में! अब तो हमारे पास सिर्फ सात शो ही बचे हैं यार। मैं चाहता हूं कि मजार मुझे समझाए। प्लीज समझाओ कि आखिर गड़बड़ कहां हुई।'

## आखिर में हुआ खुलासा..

इसी दौरान अर्जुन बताते हैं कि कैसे उनका **AV** भी खराब हो गया था, सैफटीम से गुजारिश करते हैं कि इतने गंभीर मामले पर बात करते समय वे हंसना बंद करें। इसी पर शाहरुख ने कहते हैं, 'लेकिन सुनो, जब तुमने इतनी बड़ी गड़बड़ कर दी तो कम से कम हंसो तो मत। वह लड़का तो हंसते-हंसते लोटपोट हो रहा है। मतलब हम यहां एक शो करने की कोशिश कर रहे हैं।' सैफ अली खान ने आगे कहा, 'उसे बताओ, समझाओ ना। स्कूल के बच्चे की तरह अपना सिर मत झुकाओ। यह कोई स्कूल नहीं है यार।' शाहरुख खान चार मिनट से ज्यादा समय तक टीम पर चिल्लाने के बाद यह नाटक बंद कर देते हैं। वह प्रियंका चोपड़ा, रानी मुखर्जी और प्रीति जिंटा से मजार को गले लगाने के लिए कहते हैं और मुस्कुराते हुए समझाते हैं कि वे तो बस एक मजाक कर रहे थे।

# जीवित सिंगर को गूगल ने किया मृत घोषित, स्वरूप खान ने मौत की अफवाह पर लगाया विराम, बोले- अभी हम जिंदा हैं..

डेस्क जगप्रेरणा।

***मशहूर राजस्थानी लोक गायक स्वरूप खान ने अपनी मौत से जुड़ी अफवाहों पर विराम लगा दिया है जो तब सोशल मीडिया पर आग की तरह फैली थीं, जब गूगल ने अपने इन्फॉर्मेशन पेज पर उन्हें मृत दिखा दिया था। यह पहली बार नहीं है,***

जब किसी स्टार की मौत की अफवाह उड़ी है। अब इस लिस्ट में एक नया नाम स्वरूप खान जुड़ गया है। सिंगर ने गूगल लिस्टिंग का एक स्क्रीनशॉट शेयर किया, जिसमें गलती से 2 जून, 2026 को उनकी मौत की तारीख बताया गया था।

## जीवित हैं सिंगर स्वरूप खान..

स्वरूप खान ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्क्रीनशॉट पोस्ट किया, जिसके साथ कैप्शन में लिखा था 'अभी हम जिंदा हैं' और साथ में एक हंसने वाला इमोजी और गूगल इंडिया को टैग भी किया। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही वायरल हो गया। फैंस को यह जानकर राहत मिली कि मौत की खबर गलत थी। एक तरफ, जहां कुछ लोगों ने कमेंट में उनके ठीक होने पर खुशी जताई तो वहीं दूसरे पक्ष ने गूगल की लापरवाही पर भी सवाल उठाया।

## स्वरूप खान की मौत या अफवाह..

स्वरूप खान को इस बारे में तब पता चला है, जब उन्होंने अपने बारे में इस तरह की खबरें पढ़ी, जो 2 जून को सामने आई थीं। उन खबरों में दावा किया गया था कि राजस्थान के जैसलमेर जिले में आए एक जबरदस्त धूल भरे तूफान के दौरान एक रिजॉर्ट की दीवार गिरने से स्वरूप की मौत हो गई थी। **PTI** के अनुसार पुलिस ने बताया कि जिला मुख्यालय से लगभग 45 किलोमीटर दूर स्थित सैम टूरिस्ट इलाके के एक रिसॉर्ट की दीवार सोमवार देर रात तेज हवाओं के कारण गिर गई, जिससे कई लोग घायल हो गए।

## रिसॉर्ट के मालिक बारोच खान का बयान..

**PTI** की रिपोर्ट के अनुसार 25 साल के इस मशहूर गायक ने उसी शाम उस जगह पर गाना गाया था। तूफान के दौरान मंच के पीछे बनी कंक्रीट की दीवार ढह गई, जिससे यह हादसा हुआ। इस घटना के बारे में बात करते हुए, हेरिटेज जुमा रिसॉर्ट के मालिक बारोच खान ने बताया कि जब दीवार गिरी तब शाम के सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए लगभग 40 मेहमान वहां मौजूद थे।

## स्वरूप खान कौन हैं?

बारिसियाला गांव के लोक गायक स्वरूप खान फिल्म **PK** के सुपरहिट गाने 'ठरकी छोकरो' और 'पद्मावत' के 'घूमर' जैसे गानों में अपनी आवाज देने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने इंडियन आइडल में भी हिस्सा लिया था और उन्हें अपना पहला बॉलीवुड ब्रेक तब मिला, जब संगीतकार बप्पी लहिरी ने उन्हें फिल्म 'इमोशनल अत्याचार' का टाइटल ट्रैक गाने का मौका दिया।

# एक और विश्व खिताब के साथ मेस्सी युग को विदा कहना चाहेगा अर्जेंटीना..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

***अमेरिका में पिछली बार 1994 में जब फुटबॉल विश्व कप हुआ था तब ग्रुप चरण के दूसरे मैच के बाद डिएगो माराडोना को डोप टेस्ट में पॉजीटिव पाये जाने के बाद टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया था।***

अर्जेंटीना फुटबॉल टीम की अमेरिका की यादें सुखद नहीं हैं चूंकि उसके बाद माराडोना फिर विश्व कप नहीं खेल सके और उनकी टीम अंतिम 16 से बाहर हो गई ।

बाईस बरस बाद अब अर्जेंटीना को उम्मीद है कि माराडोना के वारिस माने जाने वाले लियोनेल मेस्सी विश्व कप में अमेरिकी सरजमीं पर उन कड़वीं यादों को जीत के जश्न में बदलेंगे । इस महीने 39 वर्ष के होने जा रहे मेस्सी का यह आखिरी विश्व कप होगा और माना जा रहा है कि अमेरिका, मैक्सिको , कनाडा में होने वाले इस टूर्नामेंट के बाद वह फुटबॉल को अलविदा कह देंगे। अगर मेस्सी और अर्जेंटीना विश्व कप खिताब को बरकरार रख पाते हैं तो 1962 में ब्राजील के बाद यह कारनामा करने वाली पहली टीम होंगे ।

मेस्सी ने अर्जेंटीना के एक पत्रकार को यूट्यूब इंटरव्यू में कहा था, 'मुझे फुटबॉल खेलना पसंद है और जब तक खेल सकता हूं, खेलता रहूंगा ।'

उन्होंने कहा,'मुझे जीतना पसंद है। मैं कई बार अपने बच्चों को वीडियो गेम में भी जीतने नहीं देता । यह मेरा स्वभाव है और इसी के बल पर मैने इतना कुछ पाया है ।' बार्सीलोना,

पेरिस सेंट जर्मेन और इंटर मियामी के लिये करीब दो दशक तक खेल चुके मेस्सी का शरीर अब थकने लगा है। रिकॉर्ड छठी बार विश्व कप खेलने से पहले वह जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव से जूझ रहे थे । इसकी वजह से इंटर मियामी के आखिरी मैच के दौरान उन्हें मैदान से जाना पड़ा।

# पाकिस्तान दिल्ली में होने वाली एशियाई सीनियर तलवारबाजी चैंपियनशिप के लिए टीम नहीं भेजेगा..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

***पाकिस्तान ने 19 जून से यहां होने वाली एशियाई सीनियर तलवारबाजी चैंपियनशिप के लिए अपनी टीम नहीं भेजने का फैसला किया है। एक शीर्ष अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि स्थानीय आयोजकों ने पड़ोसी देश***

को इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए न्योता भेजा था लेकिन इसके बावजूद पाकिस्तान ने यह फैसला किया है। भारत पहली बार इस चैंपियनशिप की मेजबानी कर रहा है। एशिया और ओसियाना के 30 से अधिक देशों के तलवारबाज यहां भारत मंडपम में होने वाली इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। लगभग 100 प्रतिनिधि और तकनीकी अधिकारी प्रतियोगिता के आयोजन पर नजर रखेंगे। भारतीय तलवारबाजी संघ (एफएआई) के महासचिव राजीव मेहता ने पीटीआई को बताया, 'हमने पाकिस्तान

और अफगानिस्तान को चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए न्योता भेजा था लेकिन उन्होंने अपने खिलाड़ियों को नहीं भेजने का फैसला किया। प्रविष्टियां भेजने की आखिरी तारीख काफी पहले ही निकल चुकी है और अब हम खिलाड़ियों और अधिकारियों को वीजा दिलाने की प्रक्रिया में हैं।' पिछले महीने खेल मंत्रालय ने फिर से साफकिया था कि पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय खेल संबंधों पर पिछले साल लगाया गया प्रतिबंध जारी रहेगा लेकिन सीमा पार से आने वाले खिलाड़ियों को बहुपक्षीय प्रतियोगिताओं के लिए यहां आने से नहीं रोका जाएगा। इसके बावजूद पाकिस्तान ने अपने तलवाबाजों को नहीं भेजने का फैसला किया है। चैंपियनशिप से पहले यहां एशियाई तलवारबाजी परिसंघ (एफसीए) की आम सभा की बैठक भी होगी।

यह पहली बार है जब इस महाद्वीपीय संस्था के शीर्ष अधिकारी भारत में बैठक कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय तलवारबाजी महासंघ (एफआईई) के अंतरिम अध्यक्ष अब्देलमोनीम अल हुसैनी के भी आम सभा की बैठक में शामिल होने की उम्मीद है। इस बीच मेहता ने बताया कि हिस्सा लेने वाले कुछ देशों के खिलाड़ियों और प्रतिनिधियों को वीजा से जुड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बाद में 200 से अधिक खिलाड़ियों और अधिकारियों को वीजा जारी कर दिया गया।

मेहता ने कहा, 'चैंपियनशिप की तैयारियां सुचारू रूप से चल रही हैं। विश्व स्तरीय आयोजन के लिए अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय अधिकारियों के साथ तालमेल बैठाकर काम किया जा रहा है।' एफसीए के भी महासचिव मेहता ने कहा, 'हालांकि कुछ भाग लेने वाले देशों को अभी वीजा से जुड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हांगकांग के प्रतिनिधिमंडल और अधिकारियों को वीजा आवेदन केंद्र पर सीमित उपलब्धता के कारण समय पर वीजा के लिए समय लेने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।' उन्होंने कहा, 'इसके अलावा ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल को भी कुछ वीजा आवेदनों के अस्वीकृत होने के बाद वीजा से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ा है और चैंपियनशिप में उनकी भागीदारी को सुगम बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ आवश्यक समन्वय के प्रयास चल रहे हैं।'

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क -
9329033433

# जलाशयों में पर्याप्त पानी खरीफ फसलों की बुवाई पर अल नीनो के असर को कर सकता है कमः रिपोर्ट..

मुंबई, (भाषा)।

*जलाशयों में पानी का पर्याप्त भंडार खरीफफसलों की बुवाई और उनके आरंभिक विकास पर अल नीनो के कारण बारिश में कमी के असर को कम कर सकता है। लेकिन नमी की कमी, कीटों के संक्रमण का खतरा और उर्वरकों की सीमित आपूर्ति पैदावार पर बुरा असर डाल सकती है।*

बृहस्पतिवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। अल नीनो एक मौसमी परिघटना है। इससे मॉनसून कमजोर होता है और बारिश को लेकर अनिश्चितता बढ़ती है।

क्रिसिल इंटेलिजेंस का अनुमान है कि अल नीनो के कारण बारिश में आने वाला बदलाव, भारत के वर्ष 2026 के खरीफसत्र को प्रभावित कर सकता है, लेकिन जलाशयों में पानी का पर्याप्त भंडार बुवाई और फसल के आरंभिक विकास पर पड़ने वाले असर को सीमित रखने में मददगार साबित होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि खरीफकी बुवाई वाले तीन-चौथाई इलाकों में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान होने के बावजूद, सत्र की शुरुआत में फसल पर इसका असर काफी हद तक सीमित रहने की संभावना है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे प्रमुख कृषि प्रधान राज्यों में बारिश की कमी देखने को मिल सकती है। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, प्रमुख क्षेत्रों में जलाशयों में पानी का भंडार सामान्य स्तर से काफी ऊपर बना हुआ है। पश्चिमी क्षेत्र में 44 प्रतिशत, उत्तरी क्षेत्र में 34 प्रतिशत, मध्य क्षेत्र में 20 प्रतिशत और दक्षिणी क्षेत्र में छह प्रतिशत जल स्तर अधिक है।

हालांकि, पूर्वी भारत में जलाशयों में पानी का भंडार सामान्य स्तर से 11 प्रतिशत कम है, लेकिन पिछले एक महीने में हुई अनुकूल बारिश ने इस पूरे क्षेत्र में मिट्टी में नमी की स्थिति को बेहतर बनाया है।

नतीजतन, बुवाई और फसल के जमने की गतिविधियां एक स्थिर गति से आगे बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि, देश के बाकी हिस्सों की तुलना में यह क्षेत्र मॉनसून के समय पर आगे बढ़ने और बारिश के सही वितरण पर अधिक निर्भर रहता है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सत्र के दूसरे हिस्से में नमी की कमी, कीटों और बीमारियों का बढ़ता प्रकोप, और उर्वरकों की सीमित उपलब्धता के कारण फसल की उत्पादकता पर जोखिम पैदा हो सकता है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि उर्वरकों की सीमित आपूर्ति और फसल सुरक्षा उत्पादों पर बढ़ती निर्भरता के कारण खेती में लगने वाले संसाधनों से जुड़ी चुनौतियां भी बढ़ सकती हैं।

इसमें यह भी कहा गया है कि खरीफकी अंतिम पैदावार काफी हद तक पूरे मौसम के दौरान बारिश के वितरण और खेती के लिए जरूरी चीजों की उपलब्धता पर निर्भर करेगी।

# अनिश्चितता के माहौल में लोग खर्च के बजाय बचत को दे रहे प्राथमिकताः रिपोर्ट

नई दिल्ली, (भाषा)।

*आर्थिक एवं वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय उपभोक्ता अपने खर्च को लेकर अब अधिक सतर्क हो गए हैं और बचत को प्राथमिकता दे रहे हैं। एक सर्वेक्षण रिपोर्ट में यह निष्कर्ष पेश किया गया है।*

बाजार शोध फर्म कांतार की उपभोक्ता धारणा पर केंद्रित यह सर्वेक्षण रिपोर्ट कहती है कि लोगों का आर्थिक एवं व्यक्तिगत वित्तीय संभावनाओं को लेकर भरोसा कुछ कमजोर हुआ है, जिसकी वजह से वे खर्च के बजाय बचत बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं।

सर्वे में कहा गया है कि उपभोक्ता अब खर्च को लेकर अधिक चयनात्मक हो गए हैं और ऐसी चीजों पर ध्यान दे रहे हैं जो लंबे समय में मूल्य प्रदान करें।मई महीने में किए गए इस अध्ययन में 21 से 55 वर्ष आयु वर्ग के 1,684 उपभोक्ताओं को शामिल किया गया, जिनमें महानगरों एवं गैर-महानगरों के लोग शामिल थे।

हालांकि रोजमर्रा के खर्च को लेकर लोग अधिक सतर्क हो गए हैं लेकिन यात्रा एवं अर्थपूर्ण अनुभव उपभोक्ताओं की प्राथमिकता में बने हुए हैं। सर्वे के मुताबिक, लोग अब भावनात्मक संतुष्टि, व्यक्तिगत विकास और तनाव से राहत देने वाले अनुभवों पर कोई समझौता नहीं करना चाहते हैं।

जनवरी 2026 में हुए अध्ययन के पहले चरण में महंगाई और आय स्थिरता को लेकर चिंता उभरनी शुरू हुई थी लेकिन अब इन चिंताओं में और वृद्धि देखी गई है। सर्वे के अनुसार, 2026 में अर्थव्यवस्था के बेहतर होने की उम्मीद 48 प्रतिशत लोगों को है जबकि जनवरी में यह आंकड़ा 60 प्रतिशत था।

इसके अलावा, मौजूदा परिदृश्य में नौकरी जाने की चिंता 36 प्रतिशत से बढ़कर 41 प्रतिशत हो गई है। वहीं, 61 प्रतिशत लोगों को अपनी बचत एवं निवेश या तो स्थिर रहने या घटने की आशंका है जबकि इनमें बढ़ोतरी की उम्मीद सिर्फ 39 प्रतिशत लोगों को है।

रिपोर्ट के मुताबिक, स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च लोगों की सबसे बड़ी चिंता बनकर उभरा है, जिसे 85 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने प्रमुख वित्तीय जोखिम बताया। इसके बाद 80 प्रतिशत ने जीवनयापन की बढ़ती लागत और 71 प्रतिशत ने किराया एवं मासिक किस्तें चुकाने की चिंता जताई। कांतार की रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा हालात में करीब 63 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने कहा कि वे अपने और अपने परिवार के भविष्य के लिए अधिक बचत करने की योजना बना रहे हैं। सर्वे में यह भी पाया गया कि बाहर खाना, मनोरंजन, खरीदारी और सब्सक्रिप्शन जैसे विवेकाधीन खर्चों में कमी आई है। बड़े खर्चों पर खर्च बढ़ाने की योजना रखने वाले उपभोक्ताओं का प्रतिशत भी 46 से घटकर 44 रह गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, मुद्रास्फीति लोगों की इस सतर्कता का प्रमुख कारण बनी हुई है। करीब 65 प्रतिशत लोगों ने अपना खर्च घटाने के पीछे मुद्रास्फीति को ही मुख्य कारण माना है।

# दिसंबर तक 75 लाख घरों की छतों पर लग जाएंगी सौर प्रणालीः जोशी

नई दिल्ली, (भाषा)।

*नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बृहस्पतिवार को विश्वास जताया कि 'प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के तहत दिसंबर तक 75 लाख घरों में छतों पर सौर इकाई (रूफटॉप सोलर) लगाने का लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा।*

फिलहाल इस योजना के तहत करीब 41 लाख घरों में सौर संयंत्र लगाए जा चुके हैं। सरकार ने फरवरी, 2024 में इस योजना की शुरुआत 75,021 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ की थी। इसका उद्देश्य एक करोड़ घरों में रूफटॉप सोलर लगाकर हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध कराना है।

योजना के तहत दो किलोवाट तक की सौर प्रणाली पर 60 प्रतिशत और दो से तीन किलोवाट के बीच की क्षमता पर अतिरिक्त 40 प्रतिशत केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) दी जाती है। अधिकतम तीन किलोवाट तक सब्सिडी का लाभ मिलता है।

जोशी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ÷यह योजना देश के ऊर्जा क्षेत्र में तेजी से बदलाव ला रही है और दो वर्षों में 40 लाख से अधिक परिवार इससे जुड़ चुके हैं। वहीं 65 लाख से अधिक आवेदन प्रक्रिया में हैं और अगले सात महीनों में 75 लाख घरों का लक्ष्य पाने की दिशा में तेजी से काम चल रहा है।÷

उन्होंने कहा कि विशेष रूप से कम और मध्यम आय वाले परिवारों को इस योजना का अधिक लाभ मिलेगा। इससे पहले जोशी ने विभिन्न मंत्रालयों और संस्थानों के अधिकारियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें सरकारी भवनों पर रूफटॉप सोलर लगाए जाने की प्रगति की समीक्षा की गई।

जोशी ने कहा कि सरकारी भवनों पर सौर इकाई लगाने का 80 प्रतिशत लक्ष्य पूरा हो चुका है और अब तक 53,874 भवनों में कुल 855 मेगावाट क्षमता स्थापित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि योजना शुरू होने से पहले जहां हर महीने करीब 7,000 रूफटॉप सोलर लगाए जाते थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर तीन लाख से अधिक हो गई है। इसके साथ, मई 2026 में रिकॉर्ड 3.16 लाख सौर प्रणाली लगाई गई।

इस योजना को अपनाने के बाद 17 लाख से अधिक परिवारों का बिजली बिल शून्य हो गया है, जबकि उपभोक्ताओं ने अतिरिक्त बिजली को ग्रिड को बेचकर 421 करोड़ रुपये से अधिक की आय अर्जित की है। योजना के तहत अब तक 22,750 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी वितरित की जा चुकी है, जिसमें अकेले 2,743 करोड़ रुपये मई 2026 में दिए गए।

# घरेलू एयरलाइंस को नई योजना में 115 रुपये प्रति लीटर की तय कीमत पर मिलेगा एटीएफ..

नई दिल्ली, (भाषा)।

*सरकार की नई मूल्य स्थिरीकरण योजना के तहत घरेलू एयरलाइंस को अधिकतम तीन वर्षों तक 86.32 रुपये प्रति लीटर के तय आधार मूल्य पर विमानन ईंधन (एटीएफ) उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वैश्विक ईंधन कीमतों में उछाल का असर कम करने में मदद मिलेगी।*

हालांकि हवाई अड्डा शुल्क, मार्जिन एवं लागू कर जोड़ने के बाद दिल्ली में एटीएफकी प्रभावी बिक्री कीमत करीब 115 रुपये प्रति लीटर बैठती है।

सरकारी अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस स्वैच्छिक योजना का हिस्सा बनने वाली एयरलाइंस को एटीएफकी प्रभावी कीमत दिल्ली में करीब 115 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में 114.5 रुपये और चेन्नई में लगभग 139 रुपये प्रति लीटर पड़ेगी। इसमें फ्री-ऑन-बोर्ड (एफओबी) आधार मूल्य के साथ हवाई अड्डा शुल्क, तेल कंपनियों का मार्जिन एवं लागू कर शामिल हैं।

एटीएफकी यह दर दिल्ली में करीब 105 रुपये प्रति लीटर के मौजूदा स्तर से अधिक है, जिसे पश्चिम एशिया संकट के बाद बढ़ती वैश्विक कीमतों के बीच दो महीने से नियंत्रित रखा गया था।

योजना में शामिल एयरलाइंस एटीएफकी तय कीमत चुकाएंगी, जबकि इसमें शामिल नहीं होने वाली एयरलाइंस से मौजूदा अंतरराष्ट्रीय दर पर शुल्क लिया जाएगा, जो फिलहाल करीब 142 रुपये प्रति लीटर है।

यह योजना केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा एयरलाइंस के लिए स्वीकृत 10,000 करोड़ रुपये के ईंधन मूल्य स्थिरीकरण कार्यक्रम का हिस्सा है। इसके तहत तेल विपणन कंपनियों को ब्याज-मुक्त कर्ज दिया जाएगा ताकि वे एयरलाइंस को तय कीमत पर एटीएफकी आपूर्ति कर सकें। नागर विमानन मंत्रालय के निदेशक रोहित राज ने बताया कि घरेलू परिचालन के लिए एफओबी स्तर पर 86.32 रुपये प्रति लीटर और अंतरराष्ट्रीय परिचालन के लिए 104.49 रुपये प्रति लीटर का आधार मूल्य तय किया गया है। हालांकि हवाई अड्डा शुल्क, मार्जिन एवं लागू कर जोड़ने के बाद दिल्ली में एटीएफकी प्रभावी बिक्री कीमत घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय दोनों परिचालनों के लिए करीब 115 रुपये प्रति लीटर बैठती है।

उन्होंने कहा कि यह नई व्यवस्था साल की शुरुआत में पश्चिम एशिया संकट के बाद अंतरराष्ट्रीय एटीएफ कीमतों में तेज उछाल के चलते लागू की गई अस्थायी ईंधन मूल्य-सीमा व्यवस्था की जगह लेती है।

एटीएफकी एयरलाइंस की परिचालन लागत में करीब 40 प्रतिशत हिस्सेदारी होती है और अस्थिरता के दौर में यह 60 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। पाकिस्तान का हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण उड़ानों के मार्ग लंबे होने से भी लागत पर दबाव बढ़ा है।

सरकार का कहना है कि इस योजना से एयरलाइंस को ईंधन लागत में स्थिरता मिलेगी, जिससे वे अपने परिचालन की बेहतर योजना बना सकेंगी और यात्री किराया अचानक बढ़ने का दबाव कम होगा।

# भारत में ऊर्जा निर्यातक बनने की क्षमता : गडकरी

नई दिल्ली, (भाषा)।

*केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण बदलते वैश्विक परिदृश्य और एथनॉल, हाइड्रोजन तथा पर्यावरण अनुकूल विमान ईंधन (एसएएफ)*

के मोर्चे पर देश की प्रगति के चलते भारत में अब ऊर्जा आयातक से ऊर्जा निर्यातक बनने की क्षमता है। मारुति सुजुकी की भारत में पहली 'फ्लेक्स-फ्यूल' कार को पेश किए जाने के अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत में जीवाश्म ईंधन (पेट्रोल, डीजल आदि) पर निर्भरता आर्थिक बोझ के साथ-साथ पर्यावरण के लिए भी बड़ा खतरा है, इसलिए स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ना जरूरी है। गडकरी ने कहा, ÷अब हमारे पास ऊर्जा आयातक देश से ऊर्जा निर्यातक देश बनने की क्षमता है।÷

उन्होंने बताया कि भारत फिलहाल हर साल 78,000 टन पर्यावरण अनुकूल विमानन ईंधन (एसएएफ) का उत्पादन कर रहा है और अगले दो वर्षों में देश इसके निर्यातक बन सकता है। भविष्य में लड़ाकू विमानों और हेलीकॉप्टरों में भी एसएएफके उपयोग की योजना है।

मंत्री ने कहा कि वायु प्रदूषण देश की बड़ी समस्या है और इसमें परिवहन क्षेत्र की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत है। इसलिए एथनॉल और सीएनजी जैसे वैकल्पिक ईंधनों को बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने बताया कि देश में एथनॉल का उत्पादन अधिशेष में है और मक्का से एथनॉल बनाने के फैसले से उत्तर प्रदेश और बिहार के किसानों की आय में लगभग 45,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वृद्धि हुई है।

गडकरी ने कहा कि मक्का की कीमत पहले 1,200 रुपये प्रति क्विंटल थी, जो अब बढ़कर 2,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है।

उन्होंने यह भी बताया कि सरकार ने हरित हाइड्रोजन से चलने वाले ट्रकों के लिए देशभर में 10 राजमार्ग खंडों की पहचान की है ताकि वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम किया जा सके। इनमें ग्रेटर नोएडा-दिल्ली-आगरा, भुवनेश्वर-पुरी-कोणार्क, अहमदाबाद - वडोदरा - सूरत, साहिबाबाद - फरीदाबाद - दिल्ली, जमशेदपुर-कलिंगनगर, तिरुवनंतपुरम-कोच्चि और जामनगर-अहमदाबाद जैसे मार्ग शामिल हैं। उन्होंने वाहन क्षेत्र की भूमिका पर कहा कि यह क्षेत्र केंद्र और राज्यों को सबसे अधिक माल एवं सेवा कर (जीएसटी) देता है और करीब 4.5 करोड़ लोगों को रोजगार भी प्रदान करता है। गडकरी ने कहा कि जब उन्होंने परिवहन मंत्रालय संभाला था तब भारतीय वाहन उद्योग का आकार 14 लाख करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 23 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान में अमेरिका का वाहन उद्योग 78 लाख करोड़ रुपये का है, चीन का 47 लाख करोड़ रुपये का है, जबकि भारत का लगभग 22 से 23 लाख करोड़ रुपये का है।

# सोना 700 रुपये मजबूत, चांदी फिसली

नई दिल्ली, (भाषा)।

*राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों में एक बार फिर उतार-चढ़ाव का दौर शुरू हो गया है। बृहस्पतिवार को कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से मिले समर्थन और पश्चिम एशिया के घटनाक्रमों*

को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच सोने की कीमत में 700 रुपये की तेजी आई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 700 रुपये बढ़कर 1,60,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई। इस बढ़त ने बुधवार को हुई 1,850 रुपये की गिरावट की आंशिक भरपाई कर दी, जबकि इससे पहले मंगलवार को 1,050 रुपये की बढ़त दर्ज की गई थी। सोने की कीमतों में यह उछाल उस समय आया जब इजराइल और लेबनान के बीच सशर्त संघर्ष विराम के बाद कच्चे तेल की कीमतों में नरमी देखी गई। हालांकि, व्यापक वैश्विक परिदृश्य अभी भी अनिश्चित बना हुआ है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान ने अभी तक संवर्धित यूरेनियम हटाने पर सहमति नहीं दी है। साथ ही ईरान के साथ चल रही बातचीत अभी तक किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है। दूसरी ओर, सर्राफा संघ के अनुसार, इसके उलट चांदी की कीमत 3,800 रुपये यानी 1.14 प्रतिशत टूटकर 2,65,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष (जिंस और मुद्रा) जतिन त्रिवेदी ने कहा, ''कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से कुछ समर्थन मिलने के बाद भी सोने की कीमत सीमित दायरे में बनी रही।÷

अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना लगभग एक प्रतिशत बढ़कर 4,471.79 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि चांदी 1.14 प्रतिशत बढ़कर 73.56 डॉलर प्रति औंस हो गई। मिराए एसेट शेयरखान में जिंस प्रमुख प्रवीण सिंह ने कहा, ÷कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आने के बाद सोने की कीमतों में सुधार हुआ है। हालांकि, अमेरिका की मौद्रिक नीति के और सख्त होने के अनुमान और अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर बनी अनिश्चितता आगे की बढ़त को सीमित कर सकती है।÷

जग प्रेरणा

# देश विदेश

● म.प्र. ● महाराष्ट्र ● छ.ग. ● उड़ीसा ● राजस्थान ● गुजरात ● दिल्ली ● हरियाणा ● पंजाब ● जम्मु कश्मीर

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क -
9329033433

## दुर्ग में एक ही परिवार के 4 लोगों का अंतिम संस्कार देख नम हो गई सभी की आंखे, हिमाचल कार हादसे में खत्म हो गया 'वंश'..

डेस्क जगप्रेरणा।

***दुर्ग जिले के कुथरेल में एक ही परिवार के चार लोगों का अंतिम संस्कार कर दिया गया। अरविंद चंद्राकर के साथ उनकी पत्नी प्राची, बेटे दर्श और अक्षज का अंतिम संस्कार एक साथ किया गया।***

इन लोगों की मौत हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में 500 मीटर गहरी खाई में कार गिरने से हो गई थी। ये सभी हिमाचल घूमने गए थे। हादसे में परिवार का पूरा वंश ही खत्म हो गया। मंगलवार दोपहर रायपुर एयरपोर्ट से चार एंबुलेंसों में शव गांव कुथरेल लाए गए। शव पहुंचते ही अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण उमड़ पड़े। कुथरेल गांव में एक साथ चार चिताएं जलने का दृश्य देखकर हर किसी की आंखें नम हो गईं।

ग्रामीणों के मुताबिक गांव के इतिहास में पहली बार एक ही परिवार के चार सदस्यों की अर्थियां एक साथ उठीं। हादसे में दूसरे परिवार के पी.जी. कार्तिघायन, उनकी पत्नी मनीमाला, बेटे नंदन और टैक्सी चालक की भी मौत हो गई थी।

### हिमाचल घूमने गया था परिवार..

जानकारी के अनुसार, बच्चों की ताइक्वांडो प्रतियोगिता के बाद परिवार हिमाचल घूमने गया था। प्रतियोगिता खत्म होने के बाद दोनों परिवार साच पास क्षेत्र घूमने निकले थे। 29 मई की रात कालावन क्षेत्र के पास टैक्सी अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में दुर्ग जिले के ग्राम कुथरेल निवासी और बेंगलुरु में कार्यरत आईटी इंजीनियर अरविंद चंद्राकर, उनकी पत्नी और दोनों बेटों की जान चली गई थी।

### कार में सवार सभी लोगों की मौत..

हादसा इतना भीषण था कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और किसी को बचाया नहीं जा सका। जीपीएस लोकेशन के आधार पर वाहन का पता चला, जिसके बाद पुलिस और प्रशासन ने खोज अभियान शुरू किया।

दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र और खराब मौसम के कारण राहत कार्य में काफी मुश्किलें आईं। स्थानीय लोगों, पुलिस और प्रशासन ने ह्यूमन चेन बनाकर सभी शवों को खाई से बाहर निकाला।

### हादसे में दो परिवार पूरी तरह खत्म..

बता दें कि बैरागढ़-सच पास-किल्लार सड़क पर एक अर्टिगा कार 500 मीटर गहरी खाई में गिर गई थी। इस हादसे में दो बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में छत्तीसगढ़ के दुर्ग के एक परिवार के चार सदस्य भी शामिल थे। इसके अलावा दूसरे परिवार के तीन लोग थे। कार ड्राइवर की भी मौत हो गई। शुक्रवार देर रात कार बेकाबू हो गई और सड़क के नीचे बनी गहरी खाई में जा गिरी। खाई बहुत गहरी होने के कारण कार पूरी तरह से टूट-फूट गई और उसमें सवार किसी भी व्यक्ति के बचने की कोई गुंजाइश नहीं बची।

## पूर्व सीबीएफसी प्रमुख और फिल्म निर्माता पहलाज निहलानी का निधन..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

***दिग्गज फिल्म निर्माता और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के पूर्व अध्यक्ष पहलाज निहलानी का बृहस्पतिवार को निधन हो गया। वह 76 वर्ष के थे। निहलानी ने बांद्रा स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार सांताक्रुज हिंदू श्मशान घाट में किया गया।***

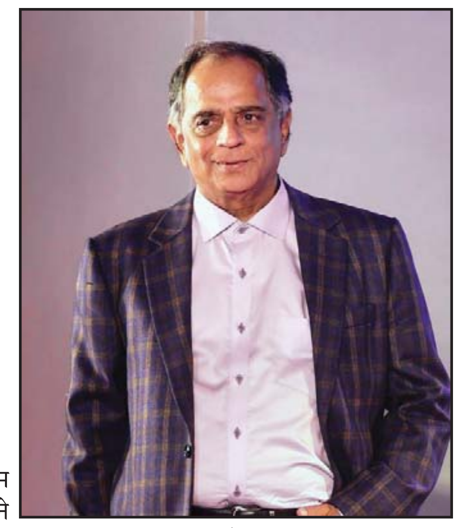

निहलानी की 1986 में आई फिल्म 'इल्जाम' से अपने करियर की शुरुआत करने वाले अभिनेता गोविंदा भी उन्हें श्रद्धांजलि देने उनके घर पहुंचे और अंतिम संस्कार में शामिल हुए। गोविंदा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'पहलाज निहलानी जी ने हम जैसे कई लोगों के करियर की आधारशिला रखी थी। मेरे जैसे कई ऐसे कलाकार, जो बेहद कठिन और आर्थिक रूप से चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से उबरकर आगे बढ़े, उन्हें पहलाज जी का सहयोग और प्रोत्साहन मिला।'

उन्होंने कहा, 'देश में कम से कम एक दर्जन ऐसे कलाकार होंगे जिनके करियर को उनके मार्गदर्शन ने संवारा। पहलाज जी में प्रतिभा को पहचानने और लोगों को जमीन से उठाकर आसमान की बुलंदियों तक पहुंचाने की एक दुर्लभ क्षमता थी। यह उन्हें ईश्वर की ओर से मिला एक उपहार था।' निर्माता को अंतिम विदाई देने वालों में फिल्म निर्माता फरहान अख्तर, जोया अख्तर, अनीस बज्मी, डेविड धवन और उनके बेटे रोहित व वरुण धवन, बोनी कपूर, रमेश सिप्पी और अभिषेक कपूर शामिल थे।

दिग्गज अभिनेता और राजनेता शत्रुघ्न सिन्हा भी निहलानी के अंतिम संस्कार में शामिल हुए।

सिन्हा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'वह हमारे सबसे करीबी और पारिवारिक मित्रों में से एक थे। उनके साथ हमारा जुड़ाव कई साल पुराना था। वह एक बेहतरीन फिल्म निर्माता, अद्भुत इंसान, सच्चे दोस्त और उत्कृष्ट व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने हमें कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं। इन सबसे बढ़कर, जो बात सबसे अलग थी, वह थी उनकी इंसानियत।'

निहलानी ने अपने करियर की शुरुआत 1982 में आई फिल्म 'हथकड़ी' के निर्माता के रूप में की थी। गोविंदा को 1986 की फिल्म 'इल्जाम' से पहला बड़ा मौका देने का श्रेय भी पहलाज निहलानी को ही जाता है। उन्होंने 1987 में फिल्म 'आग ही आग' से अभिनेता चंकी पांडे को भी फिल्म उद्योग में कदम रखवाया था।

बतौर निर्माता उनकी अन्य प्रमुख फिल्मों में 'शोला और शबनम', 'आंखें', 'दिल तेरा दीवाना', 'तलाश' और 'रंगीला राजा' शामिल हैं।' जनवरी 2015 में निहलानी को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। अगस्त 2017 तक रहा उनका यह कार्यकाल विवादों से घिरा रहा। फिल्मों में कांट-छांट, अस्वीकरण और प्रमाणन के फैसलों को लेकर फिल्म निर्माताओं के साथ उनके अक्सर मतभेद होते रहे।

अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने नए कड़े दिशानिर्देश लागू किए, जिसके तहत 'ए' (वयस्क) श्रेणी की फिल्मों में भी कुछ अपशब्दों पर रोक लगा दी गई, चुंबन के दृश्यों को छोटा किया गया और ऐसी सामग्री पर प्रतिबंध लगाया गया जिससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचने या हिंसा को बढ़ावा मिलने की आशंका हो।

डैनियल क्रेग अभिनीत 2015 की जेम्स बॉन्ड फिल्म 'स्पेक्टर' को भारत में तभी रिलीज होने दिया गया जब उसके चुंबन दृश्यों में भारी कांट-छांट की गई, जबकि एक अन्य हॉलीवुड फिल्म 'फिफ्टी शेड्स ऑफ ग्रे' के निर्माताओं को सेंसर बोर्ड से मंजूरी मिलने से पहले इसके अंतरंग दृश्यों को हटाना पड़ा था।

भारतीय फिल्म निर्माताओं में पान नलिन की महिला केंद्रित फिल्म 'एंग्री इंडियन गॉडेसेस' और अभिषेक चौबे की 'उड़ता पंजाब' (जिसमें आलिया भट्ट, शाहिद कपूर, दिलजीत दोसांझ और करीना कपूर खान मुख्य भूमिका में थे) को कई कांट-छांट के कारण बोर्ड के साथ कड़े विवाद का सामना करना पड़ा था। सीबीएफसी के वर्तमान अध्यक्ष शशि शेखर वेम्पति ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, 'पूर्व सीबीएफसी अध्यक्ष श्री पहलाज निहलानी के निधन पर पूरे सीबीएफसी परिवार की ओर से हार्दिक संवेदनाएं।' निहलानी के परिवार में उनकी पत्नी नीता निहलानी और तीन बेटे हैं।

### श्रीलंका के वृद्धाश्रम में लगी भीषण आग

## 11 बुजुर्गों की मौत, 7 गंभीर रूप से झुलसे, मंजर देख लोगों की कांपी रूह..

डेस्क जगप्रेरणा।

***श्रीलंका में भीषण आग की घटना सामने आई है। वृद्धाश्रम में आग लगने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में 7 अन्य बुजुर्ग झुलस गए।***

पुलिस ने कहा कि बुधवार शाम करीब साढ़े पांच बजे कलुतारा जिले के अंगुरुवाटोटा स्थित मावपिया सेवाना वृद्धाश्रम में आग लग गई। यह स्थान कोलंबो से लगभग 65 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में है।

### एक बुजुर्ग ने अस्पताल में तोड़ दम..

पुलिस ने कहा कि परिसर में 10 लोग मृत पाए गए, जबकि एक अन्य बुजुर्ग ने होराना बेस अस्पताल में भर्ती होने के बाद दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक, कुल 51 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया जबकि 7 घायल अब भी अस्पताल में भर्ती हैं। आग का मंजर देख स्थानीय लोगों की रूह कांप गई।

### गैस सिलेंडर फटने से लगी आग..

पुलिस ने कहा कि स्थानीय लोगों और पुलिस की सहायता से आग पर काबू पा लिया गया। घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए गए हैं। शुरुआती खबरों में सामने आया कि घटना के दौरान एक गैस सिलेंडर फट गया, जिससे आग तेजी से फैल गई।

### बचाए गए लोगों को एक स्कूल में ठहराया गया..

वृद्धाश्रम में आग लगने का सटीक कारण अब तक पता नहीं चल पाया है। 'न्यूजफर्स्ट डॉट एलके' समाचार पोर्टल के अनुसार, बचाए गए लोगों को अस्थायी रूप से पास के एक स्कूल में ठहराया गया है। उन्हें सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने की व्यवस्था की जा रही है।

### दिल्ली अग्निकांड में 21 की मौत..

गर्मी का मौसम आते ही आग की घटनाएं बढ़ गई हैं। भारत की राजधानी दिल्ली में बुधवार को एक होटल में भीषण आग लग गई। इस आग की घटना में 21 लोगों की मौत हो गई। इनमें से ज्यादातर विदेशी नागरिक थे। दिल्ली आग हादसे में बड़ी संख्या में लोग झुलसे भी हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

### बिहार में आग से 4 की मौत..

वहीं, बिहार के मुज्फरपुर में आग की घटना सामने फआई है। मुजफ्फरपुर के एक अस्पताल के IC में आग लगी। इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई। कई गंभीर रूप से झुलस गए।

दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करें..
मो. 9329033433

## जयपुर में 82 वर्षीय महिला ने 14वीं मंजिल से कूदकर दी जान, घर में बंदकर बेटी और दामाद गए थे अजमेर..

डेस्क जगप्रेरणा।

***राजस्थान की राजधानी जयपुर से दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। जयपुर के हरमाड़ा क्षेत्र स्थित एक आवासीय सोसाइटी में 82 वर्षीय महिला ने 14वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली।***

पुलिस के अनुसार, यह घटना सनसिटी के जय विलास अपार्टमेंट में हुई, जहां लक्ष्मी जैन अपनी बेटी और दामाद के साथ रहती थीं।

### घर में बुजुर्ग महिला अकेले थी बंद..

पुलिस ने कहा कि बुधवार को महिला के परिजन अजमेर गए हुए थे। लक्ष्मी की तबीयत ठीक नहीं होने व नजर कमजोर के कारण वे फ्लैट को बाहर से बंद कर गए थे। 82 वर्षीय बुजुर्ग महिला घर पर अकेली रह रही थी।

### बालकनी से लगाई छलांग..

प्राथमिक जांच के अनुसार, गुरुवार सुबह लक्ष्मी ने बालकनी से छलांग लगा दी। स्थानीय लोगों ने उन्हें जमीन पर लहूलुहान अवस्था में देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। लक्ष्मी को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

### स्थानीय लोगों ने जताई हैरानी..

इस मामले पर अभी मृतक के परिजनों का बयान सामने नहीं आया है। आवासीय सोसाइटी के लोग इस घटना के बाद से हैरान हैं। परिजनों पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस सभी एंगलों पर जांच कर रही है।

## थ्येनआनमन सैन्य कार्रवाई में मारे गए लोगों के परिजनों को कब्रों पर न जाने की चेतावनी..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

***चीन का प्रशासन 1989 में थ्येनआनमन स्क्वायर पर विद्यार्थियों के नेतृत्व में हुए लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनों के खिलाफ की गयी सैन्य कार्रवाई की यादों को मिटाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। इस वर्ष प्रशासन ने इस घटना के पीड़ितों के परिजनों को बताया कि उन्हें बरसी पर बीजिंग के एक कब्रिस्तान में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी यह घटना बृहस्पतिवार को आज के ही दिन 37 साल पहले घटी थी।***

यह जनमानस से इस घटना को पूरी तरह मिटाने के लिए वर्षों से जारी अभियान का एक और कड़ा कदम है। मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पुलिस ने इस कार्रवाई में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को बताया कि उन्हें बरसी पर बीजिंग के एक कब्रिस्तान में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। एमनेस्टी इंटरनेशनल के अनुसार, इस घटना में मारे गये लोगों के परिजन पिछले 30 सालों के दौरान पुलिस की निगरानी में कब्रिस्तान में जाकर श्रद्धांजलि देते रहे हैं।

ये परिजन, 'थ्येनआनमन मदर्स' नाम के एक समूह से जुड़े हैं। चीनी सेना ने वर्ष 1989 में थ्येनआनमन चौक पर प्रदर्शनकारियों तक पहुंचने से रोकने की कोशिश करने वाली भीड़ को कुचलते हुए हजारों लोगों को मार गिराया था। थ्येनआनमन चौक चीन की राजधानी के मध्य स्थित एक विशाल चौक है। कम्युनिस्ट पार्टी नेतृत्व द्वारा सेना भेजने का निर्णय चीन के आधुनिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ था जिसने यह निर्धारित किया कि देश को विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में बदलने वाले बाजार सुधार में राजनीतिक उदारीकरण के लिए कोई स्थान नहीं होगा।

पुलिस ने हांगकांग में बृहस्पतिवार को सुरक्षा बढ़ा दी ताकि पार्क या उसके आसपास किसी भी प्रकार का कार्यक्रम न हो सके। वर्ष 2019 में यहां बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद प्रतिबंध लगने तक हर साल बरसी पर एक विशाल मोमबत्ती जुलूस निकाला जाता था। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने बरसी के मौके पर एक बयान जारी किया। रूबियो ने बयान में कहा, 'किसी भी प्रकार के प्रतिबंध अतीत को मिटा नहीं सकते। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को बनाए रखने के लिए बलिदान देने वालों को एक दिन न्याय अवश्य मिलेगा।' चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने इस बयान को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, 'हम अमेरिकी पक्ष से आग्रह करते हैं कि वह तथाकथित लोकतंत्र और मानवाधिकारों को चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने के बहाने के रूप में इस्तेमाल करना बंद करे।'

## डीयू की सहायक प्रोफेसर की हत्या, पूर्वी दिल्ली के फ्लैट में मिला शव..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के एक कॉलेज की 49 वर्षीय सहायक प्रोफेसर बृहस्पतिवार दोपहर पूर्वी दिल्ली के वसुंधरा एन्क्लेव स्थित अपने फ्लैट में मृत पाई गईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पूर्वी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) राजीव कुमार ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि मृतक की पहचान देवस्मिता पॉल के रूप में हुई है, जो शिवाजी कॉलेज में सहायक प्रोफेसर थीं और वसुंधरा एन्क्लेव के एक फ्लैट में अकेली रहती थीं।

पुलिस ने बताया कि दोपहर करीब 2:35 बजे एक महिला ने फोन पर सूचना दी कि उसकी बहन की हत्या कर दी गई है और उसका शव फ्लैट के अंदर पड़ा हुआ है। पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची, जहां फोन करने वाली महिला देवरति पॉल ने अधिकारियों को बताया कि वह अपनी बहन को सुबह से बार-बार फोन कर रही लेकिन उससे संपर्क नहीं हो पा रहा।

देवरति ने पुलिस को बताया कि फ्लैट बाहर से बंद था और किसी अनहोनी की आशंका के चलते उसने ताला तोड़ा और फ्लैट के अंदर प्रवेश किया। इसके बाद उसने अपनी बहन को घर में मृत पाया और पुलिस को सूचित किया। डीसीपी ने बताया कि अपराध टीम और फॉरेंसिक विशेषज्ञों को घटनास्थल पर बुलाया गया। फ्लैट की विस्तृत जांच की गई और प्रासंगिक साक्ष्य व फॉरेंसिक नमूने एकत्र किए गए। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल भेज दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मौत के सटीक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही चल पाएगा। इस संबंध में न्यू अशोक नगर थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए कई टीमों का गठन किया गया है। कुमार के मुताबिक, जांचकर्ता पीड़िता की हालिया गतिविधियों, संपर्कों और इलाके के सीसीटीवी फुटेज सहित सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने कहा कि मामले में आगे की जांच जारी है।

## AC में धमाका, पूरे घर में लगी आग; LIB पुलिसकर्मी जिंदा जल गई..

डेस्क जगप्रेरणा।

गुजरात के पाटन से एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक मकान में एयर कंडीशनर (AC) में जोरदार ब्लास्ट होने के बाद भीषण आग लग गई। इस हादसे में पाटन पुलिस के एलआईबी विभाग में कार्यरत सुरेखाबेन चौधरी की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस काफिला और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और एसी विस्फोट के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए कानूनी जांच शुरू कर दी गई है।

### कैसे हुआ हादसा?

घटना बुधवार दोपहर की है। पाटन के पद्मनाथ चौकड़ी के पास मां गायत्री दर्शन फ्लैट में रहने वाली और पाटन पुलिस के एलआईबी विभाग में हेड कांस्टेबल के पद पर कार्यरत सुरेखाबेन गंडाभाई चौधरी दोपहर में अपने घर में अकेली सो रही थीं। तभी अचानक घर में लगे एसी में जोरदार धमाका हुआ और देखते ही देखते पूरे घर में भीषण आग लग गई। इस दौरान सुरेखाबेन घर के अंदर ही फंस गई। आग लगने से उसका शरीर पूरी तरह जल गया, जिससे उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

### पूरी तरह जल गया शव..

घटना की गंभीरता को देखते हुए उच्च अधिकारियों का एक काफिला तुरंत मौके पर पहुंचा। महिला पुलिसकर्मी के पूरी तरह जले हुए शव को कमरे से बाहर निकाला गया। पुलिस ने शव को तुरंत पीएम धरपुर अस्पताल पहुंचाया, जहां पैनल के डॉक्टरों द्वारा विस्तृत पोस्टमार्टम किया गया।

### आग लगने की प्रमुख वजह क्या?

वहीं, आपको बता दें कि गर्मी का मौसम आते ही आग अपना अलग रौद्र रूप दिखाती है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आग लगने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी इस साल आग की घटनाओं ने कई लोगों को अपनी चपेट में लिया है। दिल्ली में इस साल अब तक (जनवरी से 3 जून तक) आग लगने की घटनाओं में कम से कम 66 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें अकेले 3 जून को ही मालवीय नगर अग्निकांड में 21 लोगों की मौत हुई है। मई के महीने में 13 लोगों की मौत आग से हुई है।

गर्मी के महीनों के दौरान तापमान में वृद्धि और शुष्क मौसम के कारण आमतौर पर आग लगने की घटनाओं में वृद्धि हो जाती है।

9284744867
9112026507
7006748047
मराठा स्पोर्ट्स
T-shirt
Lower
Short
Shoes etc.
All Sports Items Available
नारायण लॉन के सामने क्रिडा संकुलन मरारटोली, गोंदिया

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
गणेश भदाड़े आमगांव
मो. 7745823591

## देवरी पुलिस की बड़ी कार्रवाई: घर में चोरी का प्रयास करने वाले अंतर-जिला गिरोह के 10 आरोपी गिरफ्तार

### 15 लाख का माल जब्त, अनुविभागीय पुलिस अधिकारी विवेक पाटील ने दी जानकारी..

जगप्रेरणा देवरी।

***यहाँ के वार्ड नंबर 15 में रहने वाली जिला परिषद सदस्य उषाताई नरेश शहारे के घर में घुसकर चोरी का प्रयास करने वाले अज्ञात आरोपियों का सुराग लगाते हुए***

देवरी पुलिस ने बेहद सराहनीय कार्य किया है। पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और खुफिया जानकारी के आधार पर कुल 10 आरोपियों को धर-दबोचा है। अनुविभागीय पुलिस अधिकारी **(SDPO)** विवेक पाटील ने आज आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि इस अंतर-जिला गिरोह से अपराध में इस्तेमाल किए गए 15 लाख रुपये मूल्य के तीन चार पहिया वाहन जब्त किए गए हैं।

### क्या है पूरा मामला..

शिकायतकर्ता उषाताई शहारे (उम्र 45 वर्ष, निवासी देवरी) जब 23 मई 2026 को अपने परिवार के साथ घर में सो रही थीं, तब अज्ञात आरोपियों ने उनके घर के कंपाउंड को पार कर अंदर प्रवेश किया और चोरी का प्रयास किया था। इस मामले में 24 मई को देवरी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। मामला दर्ज होने के बाद से ही आरोपी फरार थे।

घटना की गंभीरता को देखते हुए गोंदिया के पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे के निर्देशानुसार और अनुविभागीय पुलिस अधिकारी विवेक पाटील के मार्गदर्शन में देवरी पुलिस, अनुविभागीय पुलिस अधिकारी कार्यालय और गोंदिया साइबर सेल की टीम ने संयुक्त जांच शुरू की। तकनीकी विश्लेषण की मदद से पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से कुल 10 आरोपियों को हिरासत में लिया।

### गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम..

1. सौरभ हिरामण तलमले (उम्र 27, निवासी पवनी, जिला भंडारा)। 2. यादव रामचंद्र तलमले (उम्र 21, निवासी पवनी, जिला भंडारा)। 3. नितिन शेखर वालदेकर (उम्र 21, निवासी पवनी, जिला भंडारा)। 4. विलास प्रल्हाद रामटेके (उम्र 52, निवासी खरमटोला, तहसील कुरखेड़ा, जिला गढ़चिरौली)। 5. शुभम ज्ञानेश्वर तेलमासरे (उम्र 23, निवासी पवनी, जिला भंडारा)। 6. मुरलीधर काशीराम बडगे (उम्र 46, निवासी लावा, जिला नागपुर)। 7. दिनदयाल एंथनी बेंजामिन (उम्र 40, निवासी बोपुताईनगर, नागपुर)। 8. राधेश्याम उर्फ राधे शिवदास खोब्रागड़े (उम्र 33, निवासी गंगाबाई घाट, नागपुर)। 9. सोनव उर्फगुल्लू सुदेश मासुरकर (उम्र 30, निवासी पांचपावली, नागपुर)। 10. अजय उर्फमामा राजेंद्र बागड़े (उम्र 35, निवासी बजरंगनगर, मानेवाड़ा, नागपुर) इनमें से आरोपी नंबर 1 से 7 को 1 जून को, आरोपी नंबर 8 को 2 जून को, जबकि आरोपी नंबर 9 और 10 को आज, 3 जून को गिरफ्तार किया गया है।

### 15 लाख का माल जब्त; आरोपी पुलिस हिरासत में..

पुलिस ने आरोपियों के पास से अपराध में इस्तेमाल किए गए तीन चार पहिया वाहन (कुल कीमत 15,00,000 रुपये) जब्त किए हैं। आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता **(BNS)** 2023 की धाराओं के तहत और भी अपराध बढ़ाए गए हैं। उन्हें माननीय न्यायालय में पेश करने पर अदालत ने 6 जून 2026 तक पुलिस हिरासतमें भेजने का आदेश दिया है।

### इस टीम ने दिया अंजाम..

इस पेचीदा मामले का पर्दाफाश करने के लिए पुलिस निरीक्षक प्रवीण डांगे, पुलिस उपनिरीक्षक मिलिंद गेडाम, किरण मेश्राम के साथ-साथ पुलिस कर्मी दिलीप हातझाडे, रामराव कांदे, चंदन बटवे, पंकज पारधी, राजेंद्र कुळमती, कमलकिशोर चव्हाण, घनशाम मेंढे, विनोद बिसेन, गोपालप्रसाद पांडे, राधेश्याम गाते, नरेंद्र फुलबांद, रवि दहीफळे, संतोष समरीत और संदीप तांदळे ने कड़ा परिश्रम किया।

इस मामले की आगे की जांच खुद अनुविभागीय पुलिस अधिकारी श्री विवेक पाटील कर रहे हैं। देवरी पुलिस की इस कड़ी कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप मच गया है और नागरिकों द्वारा पुलिस का आभार व्यक्त किया जा रहा है।

## पानी ही नहीं है तो शौचालय किस काम के?

### सिरपुर/बांध डैम पर लाखों की सुविधाएं निकली बेकार..

### पर्यटकों को भारी असुविधा..

### सार्वजनिक स्वच्छता विजांलय..

जगप्रेरणा देवरी।

***देवरी तालुका के सिरपुर/बांध डैम क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए जहां बड़े-बड़े ऐलान किए जा रहे हैं, वहीं पर्यटकों के लिए बनाई गई मूलभूत सुविधाओं की हकीकत सामने आ गई है।***

डैम क्षेत्र में लाखों रुपए की लागत से बनाए गए शौचालय और स्नानघर पानी के अभाव में बेकार पड़े हैं, जिससे पर्यटकों को भारी असुविधा हो रही है। विस्तार से बात करें तो पर्यटकों की सुविधा के लिए बनाए गए शौचालयों में नियमित पानी की व्यवस्था नहीं होने से स्थानीय नागरिकों में रोष व्याप्त है कि यह सुविधा महज एक 'दिखावा विकास' है। जहां पानी उपलब्ध नहीं है, वहां शौचालय बनाने के पीछे क्या प्लानिंग थी? यह सवाल भी उठ रहा है. लेकिन, मेंटेनेंस, सफ़ाई और पानी की सप्लाई जैसी बेसिक सुविधाओं पर पूरी तरह ध्यान नहीं दिया जाता।

स्थानीय नागरिकों के अनुसार, हर साल बड़ी संख्या में टूरिस्ट सिरपुर/बांध डैम एरिया में आते हैं। लेकिन, साफ़ पीने का पानी, टॉयलेट और दूसरी सुविधाओं की सही हालत न होने की वजह से टूरिस्ट स्पॉट की इमेज खराब हो रही है। **नागरिकों ने कहा,**-'सिर्फ मारत बनाना और तस्वीरें लेना डेवलपमेंट नहीं है; सुविधाओं का असल में इस्तेमाल करना भी ज़रूरी है।'

इस बीच, संबंधित डिपार्टमेंट को तुरंत इस समस्या पर ध्यान देना चाहिए और टॉयलेट के लिए पक्का पानी की सप्लाई, रेगुलर सफ़ाई और मेंटेनेंस सिस्टम शुरू करना चाहिए, नहीं तो लाखों रुपये की यह सुविधा आखिर में दिखावा बनकर रह जाएगी ऐसी टूरिस्ट अपनी राय बता रहे हैं।

## धान खरीदी में 'नौटंकी'? किसान त्रस्त, शासन और प्रशासन मस्त..

जगप्रेरणा आमगांव।

***गोंदिया जिले को राज्य में 'धान का कटोरा' माना जाता है, लेकिन यहाँ के धान उत्पादक किसानों को हर साल शासन और प्रशासन के खराब नियोजन का खामियाजा भुगतना पड़ता है वर्तमान ग्रीष्मकालीन धान खरीदी***

सीजन में भी किसानों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिससे पूरे जिले के किसान वर्ग में तीव्र आक्रोश व्याप्त है।

नियमों के अनुसार, धान बेचने के लिए किसानों को ई-पीक रिपोर्टिंग करना अनिवार्य है, जिसे किसानों ने पूरा भी किया है। लेकिन प्रशासन द्वारा खरीदी केंद्रों पर पर्याप्त लक्ष्य न दिए जाने के कारण किसान अपना धान नहीं बेच पा रहे हैं कई बार सोसाइटियों में धान ले जाने के बाद भी लक्ष्य खत्म होने की बात कहकर उन्हें वापस भेज दिया जाता है, जिससे किसानों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है।

इसके अलावा, बेमौसम बरसात, धान पर लगे हुए अनेक प्रकार की बीमारियाँ कभी ओला बारिश, कभी हवा, आंधी, तूफान इन वजहों से किसान हमेशा संकटों से घिरा रहता है। सरकार ने खरीफ सीजन 2025 के धान पर प्रति हेक्टेयर बीस हजार रुपये बोनस देने का वादा किया था, लेकिन फसल बिक जाने के महीनों बाद भी सरकार ने इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की। बोनस जाहिर न होने की वजह से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान सहन करना पड़ा है।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिस प्रमाण में सरकार ने खाद और खेती के अन्य ज़रूरी सामानों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी की है, उस अनुपात में धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य **(MSP)** में कोई खास वृद्धि नहीं की गई। इस असंतुलन और सरकार के उदासीन रवैये के चलते किसानों में सरकार के खिलाफ भारी गुस्सा और आक्रोश है। पिछली खरीफ फसल का धान अभी भी कई सोसायटियों में पड़ा हुआ है क्योंकि उसका समय पर उठाव नहीं किया गया। अब नई रबी फसल को रखने के लिए सोसायटियों के पास जगह की कमी हो गई है।

इन सभी समस्याओं के अलावा, जिला पंजीयन अधिकारी का भी उचित सोसायटियों पर ध्यान न देने की वजह से वे अपनी मनमर्जी चला रही हैं और किसानों पर अपनी शर्तें थोप रही हैं, जिससे किसानों का संकट और गहरा हो गया है सरकार की ओर से धान खरीदी का लक्ष्य आधारभुत धान खरीदी केंद्र पर बढ़ाकर भी दिया जाता है किंतु इसका प्रत्यक्ष लाभ किसानों को नही मिल रहा है एवं इसका लाभ पुरी तरह से धान व्यापारी ही उठा रहे है महाराष्ट्र में जैसे ही सरकार द्वारा धान खरीदी का लक्ष्य बढाया जाता है वैसे ही किसानों द्वारा औनेपौने भाव मे खरीदी किया गया धान उन्हीके सातबारा पर व्यापारी बडे पैमाने पर बेच रहे हैं

### बोले संतोष टेंभरे..

'सरकारी आधारभुत धान खरीदी केंद्र का लक्ष्य समाप्त होने का बहाना किसान जब अपना धान खरीदी केंद्र पर बेंचने लेकर जा रहा है किया जा रहा है जबकि अभी भी 50त्न किसानों के पास धान बेचने के लिए खेतो में घरो मे ही रखा हुआ है व्यापारी किसानों का धान औनैपौने भाव में खरीदी कर उन्हीके सातबारा पर बेचकर मालामाल हो रहे हैं सरकार ने किसानों को धान खरीदी का लक्ष्य बढ़ाने के बाद किसानों का ही धान खरीदा जाये इस हेतु कडे कदम उठाने की जरूरत है'

### बोले अर्जुनसिंह बैस..

'महायुती सरकार हमेशा किसानों की हितैषी सरकार है किसानों को सरकारी आधारभुत धान खरीदी केंद्र पर उनके धान फसल का उचित मुआवजा दिया जाये इस हेतु धान खरीदी का लक्ष्य बढ़ाया जाता है इसका लाभ अगर किसानों की जगह व्यापारी उठाने का प्रयास कर रहे हैं यह अत्यंत गंभीर है युवासेना यह सहन नही करेगा एंव हर किसान का धान आधारभूत धान खरीदी केंद्र पर ही बेंचा जाये इस हेतु किसानों के साथ खडी रहेगी'।

## ट्रक की चपेट में आने से दो बाइक सवार गंभीर रूप से घायल..

### देवरी के हाइवे रोड स्थित रानी दुर्गावती चौक पर भीषण सड़क हादसा..

जगप्रेरणा देवरी।

***देवरी के हायवे रोड स्थित रानी दुर्गावती चौक पर बुधवार (ता.03 जून) को रात 11 बजे के करीब एक दर्दनाक सड़क हादसा होने की खबर सामने आई है।***

रोड क्रॉस कर रहे दो मोटरसाइकिल सवार ट्रक की चपेट में आ गए। हादसे में दोनों व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं और दोनों के पैरों में गंभीर फ्रैक्चर आया है। घटना के बाद आरोपी ट्रक चालक मौके से फरार हो गया है।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल क्रमांक **CG 08 AA 7869** पर सवार दोनों व्यक्ति शराब के नशे में धुत थे। वे नशे की हालत में हायवे रोड स्थित रानी दुर्गावती चौक पर रोड पार करने की कोशिश कर रहे थे, तभी पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक क्रमांक **CG 04 PG 7314** ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना में घायल हुए दोनों व्यक्ति देवरी तहसील के बेलगांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं। घायलों की पहचान निम्न रूप में हुई है जिसमे चन्द्रभान उइके (उम्र 40 वर्ष, ) एवं परमलाल पडौती (उम्र लगभग 35 वर्ष, दोनो निवासी-बेलगांव, तह.देवरी) इनका समावेश है। हादसे के तुरंत बाद दोनों घायलों को इलाज के लिए देवरी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लेकिन दोनों के पैरों में गंभीर फ्रैक्चर और स्थिति की नाजुकता को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद गोंदिया जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

घटना की सूचना मिलते ही देवरी पुलिस मौके पर पहुँच कर पुलिस ने दोनों वाहनों के नंबरों के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और फरार ट्रक चालक की तलाश के साथ-साथ आगे की जांच देवरी पुलिस कर रही है।

## महाराष्ट्र सरकार ने छीना लाड़ली बहनों का निवाला-जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष वंदना काळे का आरोप..

### लाडली बहनो के खाते में नहीं पहुंच रही रकम, मतलब निकला तो तुम कौन?

जगप्रेरणा सालेकसा।

***महाराष्ट्र सरकार द्वारा बड़े ही गाजे बाजे के साथ शुरु की गई लाड़ली बहन योजना अब धीरे धीरे अपने असफलता की ओर कदम बढ़ा रही है इस माह बहुत सी महिलाओं के खाते में महाराष्ट्र सरकार ने***

जानबूझकर रकम नहीं डाली ताकि उनको परेशान किया जा सके जिन महिलाओं के भरोसे महाराष्ट्र में भाजपा शिवसेना ने अपनी जीत दर्ज करायी और सरकार बनायी अब उन्हीं महिलाओं को कार्यालयो (समाज कल्याण गोंदिया) के चक्कर काटने को मजबूर किया जा रहा है यह अत्यंत निराशाजनक बात है महिलायें विगत कुछ माह पूर्व ही महिलाओं एवं उनके संबंधी की केवायसी करके अटकी रक्कम डाली गयी किंतु इस बार फिर से केवायसी एवं अन्य कारण दिखाकर शासन लाड़ली बहीणों के साथ छल कर रहा है।

हालांकि कुछ अपात्र एवं संपन्न व्यक्ति जो धनाढय है उनको भी इस योजना का लाभ मिल रहा है परंतु इसमें उन महिलाओं का क्या दोष है जो इनसे अलग है ? मध्यप्रदेश एवं अन्य राज्यों में महाराष्ट्र के पुर्व भी शुरु की यह योजना पूरे दम खम से बिना रुकावट के चल रही है तो फिर महाराष्ट्र की सरकार अब क्यों वादाखिलाफी पर उतर गई है ? आज महाराष्ट्र में बिजली, पेट्रोल के दाम सबसे ज्यादा है तब भी जनता सहन कर रही है

विगत दिनों स्थानीय विधायकों ने वादा किया कि इस ओर शासन का ध्यान आकर्षित करके महिलाओं को न्याय दिलाया जायेगा किंतु तब तक काफी देर हो जायेगी क्योंकि विधायक अपने ही सरकार के खिलाफकैसे जायेंगे ? इसिलीये शासन को चाहिये कि जल्द से जल्द बाकी महिलाओं की भी रक्कम उनके खातों में डालकर उनके साथ न्याय करे अन्यथा लाडली बहने इस सरकार जरूर सबक सिखायेगी।

## बाथरूम करने गये बुजुर्ग के वाहन की डिक्की से 90 हजार रुपये चोरी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के देवरी पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 2/6/2026 के दोपहर 4 बजे के दरम्यान देवरी मे फर्यादी झाडु भादु चव्हान उम्र 61 वर्ष निवासी डवकी ने नया ट्रॅक्टर खरीदी किया और पैसे देने के लिये कैनरा बँक देवरी से 45 हजार रुपये निकाले और को आपरेटिव्ह बँक से 45 हजार रुपये निकाले कुल 90 हजार रूपए देने जा रहे थे। रास्ते मे पंचायत समीती के सामने भोयर झेरॉक्स सेंटर मे गाडी खडी की और बाथरूम करने कार्यालय मे गये वापस आये तो देखा की गाडी की डिक्की खुली थी और पिले थैले मे रखे 90 हजार रुपये नही थे। घटना के दरम्यान किसी अज्ञात चोर ने गाडी की डिक्की चुराकर ले जाने से दिये शिकायत पर पोस्टे देवरी मे अपराध क्रमांक 213/2026 धारा 303,2, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोहवा हातझाडे पोस्टे देवरी कर रहे है।

## अचानक तबीयत खराब हुवे युवक की उपचार के दौरान मौत मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के डुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत अकस्मात मौत का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 3/6/2026 के शाम 5 बजे के दरम्यान सड़क अर्जुनी मे जसपालसिंग गुरुदेवसींग बल उम्र 35 वर्ष निवासी सड़क अर्जुनी के छाती मे अचानक दर्द होने से उन्हे ग्रामीण अस्पताल मे उपचार के लिये भर्ती कराया गया। जहा उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। फर्यादी के बयान और डाक्टर के मेमो पर पोस्टे डुग्गीपार मे अकस्मात मौत क्रमांक 25/2026 धारा 194, बि एन एस एस 2023 के तहत मर्ग दर्ज कर जॉच पोहवा खोटेले पोस्टे डुग्गीपार कर रहे है।

## गोंदिया पुलिस डायरी।।

संजीव बापट, शहर प्रतिनिधि मो। 9922607145

### खेत से सोलर पैनल कन्ट्रोलर चोरी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के गंगाझरी पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 23/5/2026 से दिनांक 25/5/2026 के दरम्यान एकोडी मे फर्यादी सुशील भाऊलाल बिसेन उम्र 40 वर्ष निवासी टिबी टोली गोंदिया ने अपने खेत 706.2 मे पिआरओएक्सवायएस कंपनी का सोलर लगाया है। घटना तारीख के दरम्यान अज्ञात चोर ने सोलर पॅनल कंट्रोलर चुराकर ले जाने से दिये शिकायत पर पोस्टे गंगाझरी मे अपराध क्रमांक 275/2026 धारा 303,2, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच सफौ राजेश जौंजाळ पोस्टे गंगाझरी कर रहे है।

### एडमीशन कराने के नाम पर लाखो रूपये की धोखाधडी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के आमगाव पुलिस थाना अंतर्गत धोखाधडी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक सितंबर 2025 से 6/11/2025 के दरम्यान आमगाव मे महीला फर्यादी उम्र 43 वर्ष निवासी आमगाांव के पति को विश्वास मे लेकर उनकी बेटी का अँडमिशन बि ए एम एस मे करा देते है बोलकर तिनो आरोपियो ने 8 लाख 50 हजार की मांग की और दिये बँक खाते अंजनिया कॅरिअर प्लानिंग अँन्ड प्लेसमेंट स्मॉल फायनंस एम पी नगर भोपाल अकाउंट मे 2 लाख 50 हजार रुपये भेजे, और बाद मे 5 लाख रुपये लिये और कॉलेज श्रीकृष्ण आयुर्वेदिक विश्व विद्यालय छतरपुर मे 3 लाख 37 हजार 500 रूपये भरकर बाकी रुपये 4 लाख 12 हजार तिनो आरोपीयो ने वापस नही किये बचे पैसे की धोखाधडी करने से दिये शिकायत पर तिनो आरोपियो के खिलाफपोस्टे आमगाव मे अपराध क्रमांक 397/2026 धारा 316,2,318,2,3,5, बि एन एस 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच सपोनी डाबेराव पोस्टे आमगांव कर रहे है।

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें, बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता
रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस
मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 441601 मो. 9890696200

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

संजीव बापट गोंदिया
मो. 9922607145

जग प्रेरणा
# गोंदिया भंडारा

● तिरोड़ा ● गोरेगांव ● आमगांव ● सालेकसा ● देवरी ● मोरगांव अर्जुनी ● तुमसर ● साकोली ● लाखांदूर

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव
1 महावीर कॉम्पलेक्स
एन.एच.रोड, बस स्टेंड के पास
2. अष्ट विनायक अपार्टमेंन्ट
2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..
संपर्क-नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

### गोंदिया भंडारा विधान परिषद चुनाव में

## सत्ताधारी भाजपा के पुलिसिया दबाव के चलते प्रफुल अग्रवाल, दिलीप बंसोड़ ने लिया नामांकन वापस..

### विधायक नाना पटोले ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए आरोप..

### अब अविनाश ब्राह्मणकर के मुकाबले दो स्वतंत्र उम्मीदवार मैदान में..

जगप्रेरणा गोंदिया।

*गोंदिया भंडारा विधान परिषद के चुनाव में आज 04 जून को नामांकन वापसी के अंतिम दिन कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार प्रफुल गोपालदास अग्रवाल एवं कांग्रेस उम्मीदवार पूर्व विधायक दिलीप बंसोड़ ने अपना नामांकन फॉर्म वापिस ले लिया, जिसके बाद अब 18 जून को संपन्न होने वाले विधान परिषद चुनाव में भाजपा उम्मीदवार अविनाश ब्राह्मणकर* के खिलाफ कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार नरेश ईश्वरकर एवं स्वतंत्र उम्मीदवार सचिन यशवंत कुंभलकर मैदान में है। इस प्रकार अब देखा जाए तो गोंदिया भंडारा विधान परिषद में दो बड़े दिग्गज नामों के नाम वापस ले लिये जाने से पूरी तरह से संभावित नजर आ रहा है कि गोंदिया भंडारा विधान परिषद के चुनाव में भाजपा राष्ट्रवादी कांग्रेस के वोट बैंक के आधार पर भाजपा की जीत आसान हो जायेगी, जबकि वहीं कांग्रेस के अनेक पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं में प्रफुल अग्रवाल एवं दिलीप बंसोड़ जैसे दिग्गज और दमदार कांग्रेस नेताओं के मैदान से कदम पीछे लेने से निराशा दिखाई दे रही है, तथा अनेक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विधान परिषद चुनाव को लेकर कुछ इस तरह की प्रतिक्रिया ही दी है। जबकि वहीं कांग्रेस के दो दमदार नेताओं की नाम वापसी के बाद पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक नाना पटोले ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर भाजपा पर सत्ता के दबाव में पुलिस का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है, तथा इसी के चलते नाना पटोले ने प्रफुल अग्रवाल और दिलीप बंसोड़ के नाम वापसी की बात कही है।

### बोले नाना पटोले.. प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए यह आरोप..

नाना पटोले ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि हमारे कांग्रेस संगठन की ओर से प्रफुल अग्रवाल, दिलीप बंसोड़ और नरेश ईश्वरकर इन तीन उम्मीदवारों का नामांकन दाखिल किया गया था, लेकिन अफसोस की बात है कि सत्ता का दुरुपयोग करते हुए गोंदिया भंडारा में भाजपा के नागपुरी नेताओं द्वारा जंगलराज कायम करने का प्रयास किया जा रहा है। पटोले ने आरोप लगाया कि हमारे प्रफुल अग्रवाल के घर पर 30 तारीख को पुलिस की रेड की गई। गोंदिया नगर परिषद अध्यक्ष को ईडी की धमकी दी गई। नरेश ईश्वरकर को झूठे केस में फंसाने की धमकी दी गई। श्री पटोले ने बताया कि पुलिस प्रशासन द्वारा हमारे संभावित उम्मीदवार नरेश ईश्वरकर को पुलिस प्रशासन द्वारा 1 जून को नोटिस दिया गया, तथा 1 तारीख को दोपहर 12 बजे पुलिस थाने में हाजिर होने संबंधी पत्र दिया गया, इसी प्रकार नरेश ईश्वरकर के मोहाड़ी स्थित घर पर की भी पुलिस बल यहां तक की खुद पुलिस अधीक्षक भी निगरानी करते रहे, और डराकर विधान परिषद चुनाव में नामांकन वापस लेने के लिये दबाव बनाने का कार्य किया। नाना पटोले ने कहा कि इसकी शिकायत हम चुनाव आयोग से करने जा रहे हैं। दबाव तंत्र का उपयोग करके भाजपा विधान परिषद चुनाव को निर्विरोध कराने का प्रयास कर रही है, जिसका हम विरोध करते हैं, और ऐसे कृत्य की निंदा करते हैं। विधायक नाना पटोले ने कहा कि महायुति के जंगलराज के खिलाफ हमारा संघर्ष जारी रहेगा, और इनकी मनमानी पर रोक लगाने गोंदिया भंडारा से लेकर मुंबई दिल्ली तक आवाज बुलंद करने का काम हम करेंगे। श्री पटोले ने कहा कि हमारा उम्मीदवार अपक्ष है, और हम सभी के मत प्राप्त करने का प्रयास करेंगे, हमारे पास संख्याबल कम है, लेकिन फिर भी हम मैदान से पीछे नहीं हटेंगे। नाना पटोले के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रमुख रुप से पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, पूर्व विधायक दिलीप बंसोड़, सांसद प्रशांत पडोले, प्रफुल गोपालदास अग्रवाल, नरेश ईश्वरकर संहित अनेक कांग्रेस नेता मौजूद थे।

### बोले प्रफुल अग्रवाल..

**गौरतलब है कि एक तरफ जहां नाना पटोले ने प्रफुल अग्रवाल एवं दिलीप बंसोड़ की नाम वापसी के पीछे दबावतंत्र के आरोप लगाए, वहीं प्रफुल अग्रवाल ने भाजपा द्वारा सत्ता का दुरुपयोग करते हुए धमकाने एवं चमकाने के प्रयास और षडयंत्र की बात को स्वीकारी, वहीं प्रफुल अग्रवाल ने कहा कि इसके बाद भी कांग्रेस अपक्ष उम्मीदवार नरेश ईश्वरकर के साथ मैदान में डटी है। प्रफुल अग्रवाल ने जगप्रेरणा के सवाल के जवाब में कहा कि मेरे घर पर तो नहीं लेकिन मेरे अंकल के घर के बाहर जरुर पुलिस बल लगा दिया था, पुलिस की गाड़ी घर पर खड़ी रखी गई, और हमें डराने का प्रयास जरुर किया गया, जबकि वहीं हमारे पार्षद साथी राकेश ठाकुर पर भी गुनाह दाखिल करने का प्रयास करते हुए पुलिस ने दबाव बनाया। कांग्रेस नेता जगदीश येरोला, नगर परिषद अध्यक्ष सचिन शेंडे की दुकान पर रेड मारी गई। इसी प्रकार नरेश ईश्वरकर को अज्ञात महिला की ओर से छेड़खानी बलात्कार की एफआईआर की धमकी दी गई। जिला परिषद की सदस्य उषा सहारे के घर पर कुछ लोगों ने घुस कर गुंडागर्दी करने का प्रयास किया, इस पर उषा सहारे द्वारा जब देवरी पुलिस को शिकायत की गई, तो थानेदार ने उनकी सुरक्षा की बजाए अपना घर छोड़कर नहीं जाने की चेतावनी दी। प्रफुल अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस समर्थित विचारधारा के मतदाताओं पर भारी दबाव बनाने का प्रयास किया गया, लेकिन इसके बाद भी कांग्रेस नरेश ईश्वरकर को उम्मीदवार बनाकर मैदान में डटी है। हम सब मिलकर भाजपा और महायुति से मुकाबला अवश्य करेंगे।**

### जगप्रेरणा फोटो कैप्शन

विधायक विनोद अग्रवाल के जन्मदिन पर जगप्रेरणा द्वारा उन्हें जन्मदिवस विशेषांक प्रदान करते हुए शुभकामनाएं प्रदान की गई, इस अवसर पर प्रमुख रुप से प्रेस ट्रस्ट ऑफ गोंदिया के अध्यक्ष अपूर्व मेठी, संपादक आशीष वर्मा एवं शहर प्रतिनिधि संजीव बापट उपस्थित रहे..।

## सेवा ही परमो धर्मः दिव्यांगजनों की सेवा मेरा सौभाग्य, उनकी खुशी, सबसे बड़ा उपहार - विधायक विनोद अग्रवाल

### विधायक विनोद अग्रवाल ने 56 दिव्यांगजनों को बैटरी रिक्शा, श्रवण यंत्र व व्हीलचेयर भेंट कर मनाया जन्मदिन

### 56 मित्रों ने किया रक्तदान, भाजयुमो ने जिलेभर में लगाए 5600 पौधे..

जगप्रेरणा गोंदिया।

*गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक विनोद अग्रवाल ने अपना 56वां जन्मदिन सेवा और सामाजिक सरोकारों के साथ मनाते हुए दिव्यांगजनों को विभिन्न सहायक उपकरण वितरित किए। फुलचुर स्थित जलाराम लॉन में आयोजित भव्य कार्यक्रम में उन्होंने 56 दिव्यांगजनों को बैटरी चालित रिक्शा, 56 जरूरतमंदों को श्रवण यंत्र, व्हीलचेयर भेंट स्वरूप प्रदान कर उनके जीवन को सुगम बनाने का प्रयास किया।*

जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए पहचाने जाने वाले विधायक विनोद अग्रवाल ने जन्मदिन को उत्सव की बजाय सेवा का माध्यम बनाते हुए दिव्यांगजनों के चेहरे पर मुस्कान लाने का कार्य किया। कार्यक्रम में जिलेभर से हजारों नागरिकों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों तथा समर्थकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

इस अवसर पर विधायक विनोद अग्रवाल ने कहा कि दिव्यांगजनों की सहायता करना उनके लिए किसी सौभाग्य से कम नहीं है। उन्होंने कहा, ÷आज दिव्यांग भाई-बहनों को बैटरी रिक्शा, श्रवण यंत्र और व्हीलचेयर प्रदान कर जो खुशी उनके चेहरे पर दिखाई दे रही है, वही मेरे लिए सबसे बड़ा उपहार है। समाज के जरूरतमंद लोगों की सेवा करना ईश्वर की सेवा के समान है और यह कार्य मैं जीवनभर करता रहूंगा।

कार्यक्रम की एक विशेष पहल रक्तदान शिविर रही। विधायक अग्रवाल ने अपने समर्थकों से पुष्पगुच्छ एवं उपहार लाने के बजाय रक्तदान करने की अपील की थी। उनकी इस अपील का सकारात्मक प्रतिसाद देते हुए 56 मित्रों एवं समर्थकों ने रक्तदान कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। शिविर के सफल आयोजन में बाई गंगाबाई शासकीय जिला चिकित्सालय ब्लड बैंक तथा शासकीय मेडिकल कॉलेज की टीम का विशेष सहयोग रहा। वहीं, भारतीय जनता युवा मोर्चा गोंदिया द्वारा विधायक के 56वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में जिलेभर में 5600 पौधारोपण का संकल्प लिया गया। युवामोर्चा कार्यकर्ताओं ने विभिन्न गांवों एवं सार्वजनिक स्थलों पर पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

**भीषण गर्मी के बावजूद गोंदिया विधानसभा क्षेत्र सहित जिलेभर से हजारों नागरिक जलाराम लॉन पहुंचे और विधायक विनोद अग्रवाल को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पूरे आयोजन में सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण और जनकल्याण की भावना प्रमुख रूप से देखने को मिली।**

### कुनबी हेल्थ एजुकेशन फाउंडेशन के सहयोग से

## ब्राह्मणकर हॉस्पिटल गोंदिया द्वारा 6 से 8 जून तक हर्निया व हाइड्रोसील मुफ्त ऑपरेशन शिविर का आयोजन..

### विशेषज्ञों द्वारा जांच व मार्गदर्शन भी उपलब्ध..

जगप्रेरणा गोंदिया।

*पुरुषों में होने वाली सामान्य लेकिन अक्सर नजरअंदाज की जाने वाली बीमारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पुरुष स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के* अंतर्गत एक विशेष निःशुल्क हर्निया एवं हाइड्रोसील ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर कुनबी हेल्थ एजुकेशन फाउंडेशन और ब्राह्मणकर हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। यह शिविर 6 जुन से 8 जून 2026 तक ब्राह्मणकर हॉस्पिटल परिसर में आयोजित किया जाएगा। आयोजन का मुख्य उद्देश्य पुरुषों में हर्निया, प्रोस्टेट और हाइड्रोसील जैसी बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाना और जरूरतमंद मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराना है।

शिविर के दौरान मरीजों को निःशुल्क जांच और विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही चयनित मरीजों के लिए निःशुल्क ऑपरेशन भी किए जाएंगे। अस्पताल में आधुनिक सर्जिकल तकनीकों के माध्यम से सुरक्षित और प्रभावी उपचार सुनिश्चित किया जाएगा।

इस अभियान के अंतर्गत पुरुष स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन भी दिया जाएगा, ताकि लोग समय रहते इन बीमारियों के लक्षण पहचान सकें और उचित इलाज करवा सकें। शिविर के लिए पंजीकरण एवं अधिक जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति निलेश चुटे (सचिव, खेड़ फाउंडेशन) से संपर्क कर सकते हैं, वहीं, शिविर का नेतृत्व प्रसिद्ध सर्जन डॉ नोव्हील ब्राह्मणकर द्वारा किया जाएगा, जो लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी के विशेषज्ञ हैं। खेड़ फाउंडेशन के सदस्य सुनील तारोणे, संदीप ब्राह्मणकर,चंद्रकुमार बहेकार,नीलकंठ बहेकार, सुरेंद्र वड़ाई, कमलेश चुटे, चंद्रकुमार चुटे, नामदेव राहीले, डॉ मौसमी ब्राह्मणकर स्वास्थ्य शिविर का लाभ लेने व यह पहल समाज में पुरुष स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

अंकुर टेस्ट ट्युब बेबी एंड रिसर्च सेंटर
बंधत्व पीड़ितों के लिये एक आशा की किरण
उपलब्ध सुविधाएें..
■ टेस्ट ट्युब बेबी (IVF ET)
■ इक्सी टेस्ट ट्युब बेबी (ICSI)
■ (IUI) आय.यू.आय.
■ अधिक उम्र में मातृत्व
■ ओव्हम डोनेशन द्वारा
■ बंद फॉलोपियन ट्युब खोलना
■ पुरुष बंधत्व निदान व उपचार
■ शुक्राणु बैंक सुविधा
■ सोनोग्राफी
■ हार्मोस की जांच
■ हार्मोस की गड़बड़ी की ईलाज
■ दुरबीन द्वारा ऑपरेशन
डॉ. संजीव चिटणवीस
अस्थि रोग विशेषज्ञ
डॉ.सौ.प्रणिता चिटणवीस
प्रसुति, स्त्रीरोग व बंधत्व चिकित्सा विशेषज्ञ
एक्सीडेंट हॉस्पीटल व अंकुर क्लिनिक
गणेश नगर, गोंदिया फोन - 07182 - 236692 मो. 9823970754

TYRE WORLD
(अपोलो टायर्स के अधिकृत विक्रेता)
★ टायर ★ अलाईनमेन्ट
★ बैलेंसिंग ★ नाइट्रोजन
हिंदुस्थान ऑटोमोबाईल के पास, रामनगर, गोंदिया
79991 54494, 98233 95921

### उप अधिक्षक भुमी अभिलेख, गोंदिया यांचे कार्यालय

नविन प्रशासकिय इमारत, जयस्तंभ चौक, गोंदिया कार्यालय वाचा - मा. जिल्हाधिकारी गोंदिया यांचे दिनांक 30 दिसंबर 2014 रोजी आयोजित सभेत दिलेल्या निर्देशा प्रमाणे

### जाहिरनामा

श्री प्रणय नामदेव रामटेके व ईतर रा. गोंदिया ता.जि. गोंदिया मौजा गोंदिया नझुल शिट क्रं 16 न.भु.क्र. 15/2,15/4,15/9 जागे वरील धारक मोतीराम किसन भोयर, नामदेव लटारु रामटेके हे मय्यत झालेने खालील प्रमाणे वारसान आहेत. 1. श्री रमेश नामदेव रामटेके, 2. श्री गणेश नामदेव रामटेके, 3. श्रीमती अल्का दिपक वाहणे, 4. श्रीमती कुसुम बलिराम गजभिये, 5. श्रीमती अनिता नामदेव रामटेके, 6. श्री प्रणय नामदेव रामटेके, 7. श्री तन्मय रमेश रामटेके, 8. श्रीमती विशाखा मोहन मेश्राम 9. श्रीमती साधना रमेश रामटेके 10. श्रीमती छायाबाई गणेश रामटेके 11. श्री रोहित गणेश रामटेके 12. श्रीमती श्वेता आशीष गणविर 13. श्रीमती तानीबाई मोतीराम भोयर 14. श्री दामोदर मोतीराम भोयर 15. श्रीमती सुभद्रा दामोदर भोयर 16. श्री शेखर दामोदर भोयर 17. श्री नयनकुमार दामोदर भोयर 18. श्री शेखर दामोदर भोयर, 19. श्रीमती संध्या बे. नयनकुमार भोयर 20. कु. तुप्ती नयनकुमार भोयर, 21. कु. प्राप्ती नयनकुमार भोयर, सदर जाहिरनामा देण्याबाबत ज्यांना उजर/तक्रार अथवा आक्षेप घ्यावयाचे असतील त्यांनी या कार्यालयास पंधरा दिवसांचे आत मुदत पर्यत लेखी कळवावे. त्यानंतर आलेल्या अर्जावर विचार करण्यात येणार नाही. यांची नोद घ्यावी.

दिनांक- 26.05.2026
ठिकाण - गोंदिया

(अजय सु. क्षिरसागर)
उप अधिक्षक भुमी अभिलेख

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक आशीष वर्मा द्वारा जगप्रेरणा पेपर इंडस्ट्रीज कटंगीकला गोंदिया से मुद्रित तथा कार्यालय जगप्रेरणा, वार्ड नं.16, कल्पतरु मॉल, महावीर चौक, बालाघाट (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित..
संस्थापक - स्व. गंगाबिसन जी वर्मा, प्रधान संपादक - आशीष वर्मा मो. 9329033433 आर.एन.आई. रजि. नं. एमपी/हिन्दी/2012/43298 ईमेल - jagprernaw@gmail.com